

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 55] नई विल्ली, शनिवार, सितम्बर 2, 1978 (भाइपद 11, 1900)

No. 35] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 2, 1978 (BHADRA 11, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग III—खण्ड । PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा श्रायोग नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 जुलाई 1978

सं० ए० 32013/1/77-प्रणा० I — संघ लोक मेवा भ्रायोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग में भ्रनुभाग श्रधि-कारी ग्रेष्ठ के स्थाई श्रधिकारी श्री पी० सी० माथुर को, राष्ट्रपति द्वारा 12-6-78 से 12-7-78 तक की श्रवधि के लिये, ग्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में भ्रवर मचिव के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

# दिनोक 22 जुलाई 1978

सं० ए० 32013/1/76-प्रशां० I — इस कार्यालय की समसंख्यक प्रधिसूचना दिनांक 29-3-78 के अनुक्रम में भारतीय राजस्व सेवा (प्रायकर) के प्रधिकारी श्री ए० एन० कोल्हटकर को, राष्ट्रपति द्वारा 1-7-78 से 3, 2-78 से तक की ग्रितिरक्त ग्रवधि के लिये, ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में उप मचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 29 जुलाई 1978

सं० ए० 32013/1/77-प्रशा० I — समसंख्यक श्रिधिसूचना दिनांक 22-4-78 के ग्रनुकम में संघ लोक सेवा
ग्रायोग के केन्द्रीय सनिवालय सेवा संवर्ग में श्रनुभाग ग्रिधिकारी ग्रेड के स्थाई ग्रिधिकारी सर्वश्री एल० बी० सिनाटे
तथा प्रीतम लाल को, राष्ट्रपति द्वारा उनके नामों के सामने
निर्विष्ट श्रतिरिक्त ग्रविध के लिये, ग्रथवा ग्रागामी श्रावेशों
तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न
रूप से कार्य करते रहने की ग्रनुमति प्रदान की जाती है।

ऋम सं० नाम	ग्नव
1. श्री एल० बी० सिनाटे	16-7-78
	16-9-78 तक
2. प्रीतम लाल	16-7-78 से
	31-8-78 तक

दिनांक 31 जुलाई 1978

स० पी०/1837/प्रशा० I ——इलाहाबाव विश्वविद्यालय के भूतपूर्व रीडर तथा संघ लोक सेवा ग्रायोग में स्थानापन्न उप सिचिव, डा० बी० एस० मिश्र की सेवायें 31-7-1978 (श्रपराह्म) से इलाहाबाद्र विश्वविद्यालय की पुन. सींपी जाती है।

क्रमण<sup>्</sup> विनामक '3 प्रगस्त 1978,

सं ० ए० 32013/1/77-प्रणा० म — समसख्यक श्रिधिसूर्चने हिंनांक 25-5-1978 श्रीर 16-6-1978 के श्रनुक्रम
में संघ लोक सेवा श्रायोग के केन्द्रीय सिचवालय सेवा संवर्ग
में श्रनुकाग श्रिधिकारी ग्रेड के स्थाई श्रिधिकारी सर्वश्री टी०
एन० चन्ना श्रीर बी० श्रार० वर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा उनके
नामों के सामने निर्दिष्ट श्रितिस्त श्रवधि के लिये, श्रथवा
श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड
। में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने
की श्रनुमित प्रदान की जाती है।

ऋम संख्या	 नाम	श्रवधि	_	
1. श्री टी॰ एन	৽ স্বন্ধা	9-7-78 से 12-7-78 श्रोर 17-7-78 से		
		31-8-78		
2. श्री बी० ग्र	ार० वर्मा	9-7-78 से 31-7-78	í	

#### दिनांक 4 ग्रगस्त 1978

सं० पी०/1818-प्रशा० 1—विज्ञान तथा प्रौद्धोगिकी विभाग मे भूतपूर्व प्रधान वैज्ञानिक श्रिधकारी डा० बी० सुक्रामणियन को, जिन्हें इस कार्यालय की समसंख्यक प्रधि-सूचना दिनांक 16-8-77 द्वारा 1-9-77 से एक वर्ष की अवधि के लिये संध लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया ग्राया था, 1-9-78 से एक वर्ष की श्रातिरिक्त श्रवधि के लिये प्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उप सचिव के पद पर कार्य करते रहने की श्रनुमित प्रदान की जाती है।

प्रं० ना० मुखर्जी, ग्रवर सचिव संघ लोक सेवा ग्रायोग।

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 10 ग्रगस्त 1978

सं० एस०-37/65-प्रशा० 5 — राष्ट्रपति श्रपने प्रसाद से श्री सरदारी लाल पुलिस उप-ग्रधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना को दिनांक 31-7-78 (पूर्वाह्न) से श्रगले श्रादेश तक के लिये केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में श्रस्थाई रूप से स्थानाप्त्र पुलिस श्रधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० जी०-49/66-प्रशा० 5 ---राष्ट्रपति ग्रपने प्रसाद से श्री गुरसेम सिंह, पुलिस उप-ग्रधीक्षक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण्र ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना को दिनांक 29-7-78 के पूर्वाहाँ से ग्रगले श्रावेश तक के लिये केन्द्रीय ग्रन्वेषणं ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में ग्रस्थाई रूप से स्थानापन्न पुलिस ग्रधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० श्रार०-7/69-प्रशासन-5---राष्ट्रपति श्रपने प्रसाद से श्री श्रार० एम० सिंह, उप-प्रधीक्षक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना को दिनांक 29-7-78 (पूर्वाह्न) से ग्रगले श्रावेश तक के लिये केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में श्रस्थाई रूप से स्थानापक्ष पुलिस ग्रधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

> के० के० पुरी, उप-निषेशक (प्रशासन) केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो

### नई दिल्ली दिनांक 9 श्रगस्त 1978

सं० के-9/71-प्रणासन-5 — निदेशक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्-द्वारा, श्री के० एन० शर्मा, लोक-श्रभियोजक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 6 जुलाई, 1978 के अपराह्म से ध्रगले श्रादेश तक के लिये तदर्थ श्राधार पर विरिष्ठ लोक-प्रभियोजक के रूप में प्रोन्नत करते हैं।

### विनांक 11 ग्रगस्त 1978

सं० ए० 19026/20/78-प्रशा०-5—निदेशक केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक/विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री एम० डी० सिंह, पुलिस निरीक्षक, केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 20-7-78 के पूर्वाक्ष से श्रगले श्रादेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में श्रस्थाई रूप से स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में प्रोन्नत करते हैं।

महेन्द्र कुमार श्रप्यवाल, प्रशासनिक ग्रधिकारी (लेखा) केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्युरो

महानिदेणालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110001, दिनांक 10 श्रगस्त 1978

सं० पी० मात-6/77-स्थापना —राष्ट्रपति, सूबेदार बी० एस० श्रथवाल को उप-पुलिस श्रधीक्षक (कम्पनी कमांडर/क्यार्टर मास्टर) के पद पर श्रस्थाई रूप में श्रगले श्रादेश जारी होने तक पदोन्नत करते हैं।

उसने प्रपने पद का कार्यभार 56 वाहिनी, कें
 रि० पु० बल में 29-7-78 (पूर्वाह्न) से संभाल लिया है।
 ए० के० बन्द्योयाध्याय,
 सहायक निवेशक (प्रशासन)

# महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रीद्योगिक सूरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 9 श्रगस्त 1978

सं० ई०-38013(2)1/78-कार्मिक---खेतड़ी से स्थाना-न्सरण होने पर कर्नल बी० डी० भनौत ने 12 जुलाई, 1978 के पूर्वाक्क से कें आर्था सुरु बर यूनिट एन । एफर एल० नया नांगल के कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(2) 1/78-कार्मिक---हरिक्वार से स्थाना-न्तरण होने पर ले० कर्नल ग्रार० एस० रंघावा ने 19 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्म से के० भ्रौ० सु० ब० यनिट के० सी० खेतडी नगर के कमांडेंट पद का कार्य भार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(2)1/78-कार्मिक--होशंगाबाद को स्थानान्तरण होने पर श्री डी० डी० टुटेजा ने 22 जुलाई, 1978 के अपराह्म से के० ग्री० सु० ब० यूनिट ग्राई० पी० सी० एल० बड़ौदा के कमाडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

कोरबा से स्थानान्तरण होने पर श्री डी० एम० ट्रेजर ने 22 जुलाई, 1978 के श्रपराह्य से के० श्री० सु० ब०यनिट ग्राई० पी० सी० एल० बड़ौदा के कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3) 1/78-कार्मिक:---ग्राई० एस० ग्रार० श्रो० थुम्बा से स्थानान्तरण होने पर श्री इन्दर मोहन ने 27-5-78 के पूर्वाह्म से कें औं सुर बर यूनिट बीर एचर ई० एल० (एच० ई० ई० पी०) हरिद्वार के सहायक कमां छेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

यह दिनांक 5-7-78 की समसख्यक अधिसूचना का अधि-कमण करती है।

> दिनांक 10 ग्रगस्त, 1978

सं० ई०-38013(2) 1/78-कार्मिक--स्थानान्तरण होने पर श्री डी० वी० बहुल ने श्री एम० एस० राणा के स्थान पर

1 जुलाई, 1978 के अपराक्ष से के० औं ए स्ट्बर्प्सिया. रिजर्व 1 भीर 2, नई दिल्ली के कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया। श्री एम० एस० राणा ने उक्त पद का कार्य-भार उसी तारीख से छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(2)/1/78-कार्मिक--स्थानान्तरण होने पर श्री डी० वी० बहल ने 1 जुलाई, 1978 के ग्रपराह्न से के० भ्रौ० सू० ब० ग्रुप मख्यालय नई दिल्ली के ग्रुप कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया श्रौर श्री एम० एस० राणा ने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार संभाल लिया।

> रा० च० गोपाल, महानिरीक्षक.

के० श्री० सू० ब०

वित्त मंद्रालय म्राधिक कार्य विभाग बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 10 श्रगस्त 1978

सं नस्ती कमाक बी० एम० पी०/सी०/5/78--श्री सी० बी० एन० इलायथ, सथाई कनिष्ठ पर्यवेक्षक (सिविल) को बैकनोट मद्रणालय, देवास मे रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-88 0-40-1000-द० के वेतनमान में स्थानापन्न सहायक श्रिभयन्ता (सिविल) के पद पर दिनाक 4-8-1978 (पूर्वाह्न) से नियमित रूप में ग्रन्य श्रादेशों तक, पदोश्रत किया जाता है।

सं० फा० बी० एन० पी० सी०/5/78--इस कार्यालय की श्रधिसूचना ऋमांक बी० एन० पी०/सी०/5/78 दिनांक 7-6-78 के अनुक्रम में श्री एच० ग्रार० शर्मा, उपनिमक्षण ग्रधिकारी के पद पर तवर्थ श्राधार पर को गई नियुक्ति दिनांक 31-8-78 तक निरन्तर की जाती है।

पी० एस० शिवराम, महाप्रबन्धक

# भारतीय लेखा तथा लेखापरीका विभाग भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 प्रगस्त 1978

स० 1035-सी० ए०-1/103-78----ग्रथर उप नियतक-महालेखापरीक्षक (वाणिष्यिक) ने निम्नलिखित ग्रनुभाग ग्रिधिकारियों (बाणिज्यिक) को सहर्ष पदोन्नत किया है और उनकी नियुक्ति लेखापरीक्षा ग्रधिकारियों (बाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये की है और नीचे कालम 5 मे उल्लिखित तिथियों से प्रत्येक नाम के सामने कालम 4 में लिखे गये कार्यालयों में धन्य भ्रादेश होने तक इसी रूप में उन्हें तैनात किया है:--

क्रम सं० अनुभाग अधिकारी (वा०) पदोन्नति से पूर्व जिस कार्यालय में पदोन्नति के पश्चात् जिस कार्यालय स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधि-में लेखापरीक्षा प्रधिकारी (वा०) के कारी (वा०) के रूप में तैनाती का नाम कार्यरत थे रूप में नियुक्ति हुई की तिथि 5 3 1

सर्व श्री

1. बी० हुनुमन्य राव

सदस्य लेखावरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा-परीक्षा, बंगलौर ।

सदस्य लेखावरीका बोर्ड एवं पदेन निवेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, कलकत्ता ।

14-7-78 (ग्रयराह्म)

1	2	3	4	5
2. शिव चरण	लाल गुप्त	. सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं निदेशक वाणिज्यिक है परीक्षा, देहरादून ।	पदेन महालेखाकार (प० ब०(, कलकत्ता नेखा-	
3. पी० एल० १	भगत .	. सदस्य लेखागरीका बोर्ड पदेन निदेशक वाणि		
		लेखापरीक्षा, भोपाल ।	लेखापरीक्षा, रांची ।	10-7-78 (पूर्वाह्न)
4. एस० रगरा	जन .	े. महालेखाकार-II, तमिलना मद्रास ।	डु, महालेखाकार, उड़ीसा, भुवनेश्वर	। 12-7-78 (पूर्वाह्न)
5. ग्राई० डी०	सिंह .	. महालेखाकार, राजस्थान, जय	पुर । सदस्य लेखानरीक्षा वोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेख परीक्षा, रांची ।	
6. सी० गनेक्व <sup>र</sup>	र राव .	. महालेखाकार-II, श्रांध्र ह हैदराबाद।	देश, महालेखाकार, उड़ीसा, भुवनेश्वर	। 12-7-78 (पूर्वाह्न)
7. समीर कारि	त पाल चौधरी	पदेन निदेशक वाणि	िएवं सदस्य लेखा परीक्षा <b>बोर्ड</b> ए ज्यक पदेन निदेशक वाणिज्यि	- क
			लेखापरीक्षा, कलकत्ता ।	
8. एच० एस०	रामकृष्ण	सदस्य लेखापरीक्षा वोर्ड पदेन निदेशक परीक्षा, बग	एवं महालेखाकार-II, पश्चिम बंगाल लौर कलकत्ता ।	ा, 14- <i>7</i> -78 (मपराह्न)
9. श्रार० एस	» स <del>च</del> न	महाल <b>खाकार-II, वाणिर्ग</b> लेखा उत्तर प्रदेश,लखनऊ	ज्यक महालेखाकार-II, बिहार, पटना ।)	। 30- <b>6-78 (पूर्वा</b> ह्स)

# सुणील देव भट्टाचार्य, संयुक्त निदेशक (वा०)

महालेखाकार का कार्यालय केरल तिरूवनम्तपुरम, दिनांक 8 श्रगस्त 1978 -

स० स्थापना प्र० 7/9-86/खण्ड II/129--इस कार्यालय के नीचे बताये स्थानापन्न लेखा प्रधिकारियों कों रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के लेखा प्रधिकारियों के ग्रेड में प्रत्येक के नाम के सामने लिखित तारीख से मौलिक क्षमता में नियुक्त करने को महालेखाकार, केरल सन्तुष्ट हुए हैं:--

1. श्री एम० गोपिनाथन नायर

1-5-78

2. श्रीमती पी० के० एसियाम्मा

9-5-78

एस० जयरामन, उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय प्रार्डनेन्स फैक्टरियां सेवा
महानिदेशालय, भ्रार्डनेन्स फैक्टरियां
कलकत्ता, दिनांक 10 श्रगस्त 1978
सं० 36/78/जी०:—-राष्ट्रपति जी, डा० नरेन्द्र चन्द्र लाकार, स्थाई ए० एम० ग्रो० को० स्थापन्न सहायक स्वास्थ्य मेवा निदेशक, के पद पर, दिनांक 29 जून, 1978 से भ्रागामी भ्रादेश न होने तक नियुक्त करते हैं।

> वी० के० मेहता, सहायक महानिदेशक, ग्रार्डनेन्स फैक्टरियां

# पूर्ति तथा निषटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 9 श्रगस्त 1978

स० प्र०-1/1(1123)/78—महानिवेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्बारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में ग्रधीक्षक श्री टी० के० चक्रवर्ती को दिनांक 21-7-78 के पूर्वाह्म से पूर्ति तथा निपटान, निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) ग्रेड-II के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

> सूर्य प्रकाश उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

# इस्पात ग्रीर खान मंत्रालय खान विभाग भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 8 श्रगस्त, 1978

सं० ए० 19011(237)/78-स्था० ए०--राष्ट्रपति श्री डी० जी० पी० राज की 22 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्न से ग्रागामी श्रादेश होने तक भारतीय खान इयूरो के कनिष्ठ खनन भू-विज्ञानी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

### दिनांक, 10 भ्रगस्त, 1978

सं० ए० 19011(47)/76-स्था ए०---राष्ट्रपति द्वारा श्री एच० एन० वानरे, उप खान नियंत्रक को दिनांक 28 जुलाई, 1978 के श्रपराह्न से श्रागामी आदेश होने तक उसी विभाग में स्थानापन्न रूप से क्षेत्रीय खान नियंत्रक के पद पर नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए० 19011(207)/76-स्था ए०—-राष्ट्रपति श्री एम० एस० खामेसरा को 26 जून, 1978 के पूर्वाह्न से ग्रागामी ब्रादेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में उप खान नियंत्रक के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं। एस० बालगोपाल,

कार्यालय, श्र**ध्यक्ष**,

भारतीय खान ब्यूरो

# विज्ञान श्रौर श्रौद्योगिकी विभाग राष्ट्रीय एटलम संस्था कलकत्ता-19,ंदिनांक 9 भ्रगस्त, 1978

सं० 35-2/78 स्था०—िवभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री एम० पी० राय, स्थाई हिन्दी श्रनुवादक को राष्ट्रीय एटलस संस्था में 1-8-1978 से भावी श्रादेश होने तक हिन्दी ग्रधिकारी के पद पर कार्य करने के लिये पदोन्नत किया जाता है।

एस० पी० दासगुप्त, निदेशक

# सूचना ग्रीर प्रसारण मंत्रालय प्रकाशन विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई, 1978

सं० ए०-12026/2/78-प्रशासन I(II)—इस विभाग के दिनांक 15-5-78 की ग्रिधिसूचना संख्या ए० 12026/2/78-प्रशा० I के कम में श्री भार० बी० सिंह, सहायक व्यापार व्यवस्थापक के श्रवकाश की श्रवधिको 2-7-78 से 17-7-78 तक बढ़ा दिये जाने पर निदेशक, प्रकाशन विभाग उक्त श्रवधि के लिये श्री एस० सी० जैन को तदर्थ भाधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक व्यापार व्यवस्थापक के पद पर कार्य करते रहने की श्रनुमति देते हैं।

इन्द्र राज सिंह, उप निदेशक प्रशासन कृते निदेशक नई विल्ली-110001, दिनांक 9 प्रगस्त, 1978

सं० ए-31015/1/77-स्था० [---विज्ञापन ग्रीर दृश्य प्रचार निदेशक निम्नलिखित ग्रिधिकारियों को दिनांक 26 जुलाई, 1978 से इस निदेशालय में सहायक माध्यम कार्य-पालक के पदों पर स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं:---

- 1. श्री हरनाम सिंह
- 2. श्री ग्रार० एन० चड्डा
- 3 श्री प्रणवीर गुप्ता
- 4. श्री वेद प्रकाश

# विनांक 10 भ्रगस्त 1978

सं० ए० 12026/5/78-स्या०—विशापन एवं दृश्य प्रचार निदेशक, श्री भास्कर नायर, तकनीकी सहायक (विज्ञापन) को श्री धार० ग्रार० राव सहायक माध्यम कार्याधिकारी, जो ग्रवकाश पर है, के स्थान पर, इस निदेशालय में 2-2-78 (पूर्वाह्म) से तदर्थ ग्राधर पर स्थानापन्न रूप से सहायक माध्यम कार्याधिकारी नियुक्त करते हैं।

> श्चार० देवासर, उपनिदेशक (प्रशासन) **कृते** विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 श्रगस्त 1978

सं० ए० 12026/7/78 (मुख्य) प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसन्धान संस्थान पांडिवेरी में सह। यक जवा अधिकारी श्री पी० एस० श्रीनिवासन को उसी संस्थान में 26 अप्रैल, 1978 पूर्वीह्न से आगाभी आदेशों तक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

2. प्रशासनिक अधिकारी के पद पर प्रपनी नियुक्तिं, हो जाने के फलस्वरूप श्री पी० एस० श्री निवासन ने जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं श्रनुसन्धान संस्थान, पांडिचेरी से 26 अप्रैल, 1978 पूर्वाह्न को सहायक लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

### दिनांक 9 ग्रगस्त 1978

सं० ए० 12026/1/78 (एच० क्यू) प्रशासन-I— स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के ग्रनभाग ग्रधिकारी श्री टी० एन० जालपुरी को 1 जुलाई, 1978 पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रावेशों तक उसी निदेशालय में ग्रांशोगिक स्थापना ग्रधिकारी (स्टोर) के पद पर तदर्थ ग्रांशोर पर नियुक्त किया है।

> माम लाल कुठियाला उपनिदेशक प्रशासन (सं० व प०)

# नई दिल्ली, दिनाँक 11 घ्रगस्त 1978 शुद्धि पत

सं० ए० 12026/7/78-एस०-I—इस निदेशालय के 10 जलाई, 1978 की समसंख्यक ग्रिधसूचना की **चौधी पंक्ति**  की प्रविष्टि "(ग्रुप बी भ्राराजपन्नित)" के स्थान पर कृप्या "(ग्रुप बी राजपन्नित)" पढे।

> संगत सिंह उप निवेशक प्रशासन (स्टोर)

. कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय ग्रामीण विकास विभाग विपणन एवं निरीक्षण निदेणालय फरीदाबाद, दिनांक 8 ग्रगस्त 1978

सं० ए० 19023/22/78-प्रणा० III—श्री वी० कृष्णन, विपणन श्रधिकारी (जो निलम्बित हैं) को, केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण श्रीर श्रपील) नियम, 1965 के श्रनुसार दिनांक 6 जलाई, 1978 (पूर्वाह्म) से सेवा से हटाया गया है।

#### दिनाक 9 ग्रगस्त 1978

सं० ए० 19023/64/78-प्रणा० III—श्री एस० वी० कृष्णमूर्ति, सहायक विपणन श्रिधकारी को मद्रास में दिनांक 7 जुलाई, 78 (पूर्वाह्म) से अल्पकालीन आधार पर 3 माह की अवधि के लिये या जब तक कोई नियमित प्रबन्ध किये जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न रूप में विपणन अधिकारी (वर्ग I), नियुक्त किया गया है।

2. विपणन श्रधिकारी के रूप में पदोन्नति होने पर श्री कृष्णमूर्ति ने दिनांक 5 जुलाई, 1978 के श्रपराह्म में नाग-पट्टिनम में सहायक विपणन श्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19025/65/78-प्रशा० III—सहायक विपणन श्रिधकारी (वर्ग I) के पद पर निम्नलिखित श्रिधिकारियों की श्रत्यकालीन नियिक्त को 31 श्रक्तूबर, 1978 तक या जब तक कोई नियिमित प्रवन्ध होते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढाया गया है।

- 1. श्री राम शब्द सिंह
- 2. श्रो बी० एन० के० सिन्हा
- 3. श्री, नन्द लाल सिंह
- 4. श्री ए० एन० राव
- 5. श्री राम वीर सिंह यादव
- 6. श्री एम० पी० सिह
- 7. श्री डी० पी० सिह
- 8. श्री एच० एन० राय
- 9. श्री डी० एन० राव
- 10. श्री एस०पी. शिन्दे
- 11. श्री भार० सी० मुशी
- 12 श्री के० के० तिवारी

- 13. श्री एस० के० मिलक
- 14. श्री एस० डी० कथलकर
- 15. श्री भार० के० पान्हे
- 16. श्री एम० जगन मोहन राव
- 17. श्री के० के० एस० सिरोही
- 18. श्रीमती भनुसूया शिवराजन
- 19 श्री वी० ई० इडविन

नी० एस० मिनहार, निदेशक, प्रशासन

कृते कृषि विथणन सलाहकार, भारत सरकार।

परमाणु ऊर्जा विभाग

तारापुर परमाणु बिजलीधर टीएपीपी (थाना) 25 जुलाई 1978

स० टी० ए० पी० एस० /1/19(3)/76-प्रार०--इस कार्यालय की तारीख 10 दिसम्बर, 1977 की समसंख्यक
ग्रिधसूचना का ग्राशिक रूप से संशोधित करते हुए, तारापुर
परमाणु बिजलीवर में सहायक लेखा ग्रिधकारी के पद पर
प्रतिनियुक्ति के ग्राधार पर श्री जी० डी० बवीसकर की
नियुक्ति की ग्रवधिको 7-11-1977 (ग्रपराह्म) से एक
वर्ष तक ग्रयंग ग्रगले ग्रादेश तक के लिये पढ़ा जाये।

ए० डी० देसाई, मुख्य प्रशासन ग्रधिकारी

मुद्रण निवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक ग्रगस्त 1978

# शुद्धि पक्ष

स० I (1) प्रशासन-II--- ज्ञपया मुद्रण निवेशालय में श्री ममीलाल ईश्वरी, फ्रोवरसियर की सहायक प्रबन्धक (तकनीकी) के पद पर नियुक्ति के बारे में इस निवेशालय के तारीख 1 मई 1978 की अधिसूचना सं । (1) प्रशासन-II की 4थी लाइन में "18-4-78" के स्थान पर "17-4-1978" पढ़ें।

मदन मोहन जोशी उप निवेशक (प्रशा०)

महानिदेशक, नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 10 अगस्त 1978

सं० ए० 31013/1/78-ई०---राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के श्रो प्राई० श्रार० मेनन, स्थानापन्न उपनिदेशक, विनियम एवं सूचना को 6 जनवरी, 1978 से उसी पद पर स्याई रूप में नियुक्त किया है।

> प्रेम **चन्द** जैन, सहायक निदेशक प्रशासन

सं० ए० 32013/5/77-ई० ए०——मौरिशस सरकार में प्रतिनियुक्ति से लौटने पर निम्निशिखित प्रधिकारियों ने वरिष्ठ विमान दीव प्रधिकारी के पद का कार्यमार संभाल लिया है:——

क्रम सं० नाम						ता रीख	स्टेशन
1. श्री जी० सरकार						19-7-78	ना० वि०प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद ।
2. श्री पी० धाई० सी० विद्यास	गगर .		•			31-7-78	दिल्ली एयरपोर्ट, पा <del>ल</del> म
2. निम्नलिखित वरिष	ठ विभानक्षेत्र	म्रिकारियो	ने पराव	र्तन पर	<b>विद्या</b> तः	पेल प्रक्रिकारी	। मे पद का कार्यभार संभाल लिया
है।						गाल आजनार। ———————	
है। ऋम सं० नाम						तारीख	स्टेशन
					·	तारीख	

### नई दिल्ली, दिनांक 9 ग्रागस्त 1978

सं० ए० 32013/3/78-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री के० गोपाल, वरिष्ठ विमान क्षेत्र ग्रिक्षिकारी को दिनांक 2 जून, 1978 से 1 ग्रगस्त, 1978 तक श्री जगदीश चन्द्र के स्थान पर जिन्हें उक्त ग्रविध के लिये मुख्यालय में उपनिदेशक (टैरिफ प्रशिक्षण) के रूप में स्थानान्तरित किया गया था, तद्दर्थ ग्राधार पर क्षेतीय नियंत्रक विमानक्षेत्र, दिल्ली क्षेत्र, नई दिल्ली के रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 6 जुलाई, 1978 की समसंख्यक अधिसूचना एसद्वारा रह की जाती है।

> विश्व विनोद जीहरी, सहायक निदेशक प्रशासन

### बिदेश संचार सेवा

### बम्बई, दिनांक 9 ग्रगस्त 1978

सं० 1/7/78स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एसद्द्वारा कलकत्ता शाखा के सकनीकी सहायक श्री जे० मुखोपाध्याय को 13-3-78 से 12-5-78 (दोनों दिन समेत) की भवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप में महायक भ्राभयन्ता नियुक्त किया जाता हैं।

सं 1/311/78 स्था० — विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एसद्द्वारा बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक श्री ए० एस० पायस को झल्प काल के लिये खाली जगह पर 8-5-78 से 24-6-78 (बोनों दिन मिलाकर) की श्रवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियास प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

सं 1/452/78-स्था०--विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्दारा स्विचींग काम्पलेक्स के श्री एच० बाला सुब्रहमनियन को 2-1-78 से 25-2-78 (दोनों दिन समेत) की श्रविध के लिये उसी गाखा में श्रत्यकाल के लिये, स्थाना-पन्न रूप से, नियुक्त किया जाता हैं।

> एच० एल० मल्होता, उप निदेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक

# बम्बई, दिनांक 9 ग्रगस्त 1978

सं० 1/361/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एसद्द्वारा पूना शाखा के तकनीकी सहायक श्री बी० ग्रार० कांबले को 3 ग्रप्रैल, 1978 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप से एकदम सधर-सधायर्क स्थीती में, उसी शाखा में, सहायक ग्राभियन्ता नियुक्त किया जाता है।

सं० 1/425/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्वारा, कलकता शाखा के पर्यवेक्षक श्री ए० के० बसू को ग्रल्प-काल के लिये खाली जगह पर 5-12-77 से 13-2-78 (दोनों दिन समेत) की ग्रवधि के लिये ग्रीर 22-4-78 के पूर्वाह्म से ग्रीर ग्रागामी ग्रादेशों तक नियमीस ग्राधार पर उसी शाखा में नियुक्त किया जाता है।

सं० 1/459/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा निदेशक एतद्द्वारा श्री एस० जयराज को 1 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्म से ग्रीर श्रागामी ग्रादेशों तक स्विचिंग काम्पलेक्स, बम्बई में ग्रस्थाई रूप से सहायक ग्राभियन्ता नियुक्त किया जाता है।

> पा॰ की० गो० नायर, निदेशक (प्रशा०), कृते महानिदेशक

संगठन एवं प्रबन्ध सेवायें निदेशालय सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुरूक नई दिल्ली, दिनांक 10 श्रगस्त 1978

मं० 12/78—श्री डीं० सीं० गुप्ता ने, जो हाल में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय चण्डीगढ़ फरीदाबाद स्थित डिकीजन में श्रधीक्षक के पद पर कार्यरत थे, संगठन एवं प्रबन्ध सेवायें निदेशालय (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) नई दिल्ली यें कनिष्ठ विश्लेषक के पद पर प्रतिनियुक्त किये जाने पर चिनांक 10-7-78 (पूर्वाह्न से) उक्त पद का कार्यभार संभास लिया है।

दया सागर, निदेशक संगठन एवं प्रबन्ध सेवायें सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

# निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 9 भ्रगस्त, 1978

सं० 27-ई/सी(34)/77-ई० सी०-2:—श्री एम० चक-वर्सी (महेश्वर चक्रवर्सी) निर्माण सर्वेक्षक जो मुख्य इंजीनियर, ग्रहणाचल प्रदेश केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नथा ईटानगर-791110 में थे, बार्धंक्य की ग्रायु प्राप्त करने पर, सरकारी सेवा से, दिनांक 30 नवम्बर, 1977 (दोपहर बाद) को सेवानिवृत्त हो गये।

> सू० सू० प्रकाशराव, प्रशासन उपनिदेशक **कृते** निर्माण महानिदेशक

# विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मैसर्स जी० वेस्टीग एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

# बम्बई, दिनांक 27 जुलाई 1978

सं० 8103/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम 1965 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मैसर्स जी० वेस्टीग एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्षित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटिस कर दी जायेगी। कम्पनी भ्रधिनियम 1956 एवं मैसर्स जसपाल फायनन्स एण्ड चीट सर्विसेस (प्राईवेट) लिमिटेड के विषय में 🗲

# बम्बई, दिनांक 27 जुलाई 1978

्सं ्री 15098/560(3):—कम्पनी हैं ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 50 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्कारा यह सूचना की जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मसर्स जसपाल कायनन्स एण्ड चीट सर्विसेस (प्राइवेट) लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जायेगा ग्रीर उक्स कम्पनी विधटित कर की जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 एवं मसर्स अपराज्ञ केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 27 जुलाई 1978

सं० 17327/560/(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की घारा 560 की उपघारा (3) के अनुसरण में एसद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स अपराज्ञ केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष कारण दिखत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

कम्पनी मिधिनियम 1956 एवं मैसर्स बी० लचमन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 29 जुलाई 1978

सं० 17624/560(3)— कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूत्रना दी जाती है कि इस तारीख से 3 मास के श्रवसान पर मैसर्स बी० लचमन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिष्क न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटिस कर दी जायेगी।

वि० ए० विजयन मेनोन कम्पनियों का म्रतिरिक्त रजिस्टार महाराष्ट्र

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 श्रीर न्यू स्टूडेंटस स्टोरस श्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, विनांक 10 ग्रगस्त 1978

सं० एस० ए० 218-1831(2)—कम्पनी अधिनियम
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण
में एतद्वारा यह सूचना की आती है कि इस तारीख से
तीन मास के अवसान पर न्यू स्टूडेंट्स स्टोरस प्राइवेट लिमिटेड
का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो
रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित
कर दी जायेगी।

### दिमांक 31 जुलाई 1978

 सं० ए०-19012/35/73-स्था०/सी० एम० टी०—-राष्ट्रपति निम्त-लिखित डैस्क प्रधिकारियों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से खाद्य विभाग में भनुभाग प्रधिकारी नियुक्त करते हैं ——

- श्री के० बी० एस० माथुर . . 24-6-78 (पूर्वाह्म)
- 2. श्री **भार** सी व्यवस्त . . 1-7-78 (पूर्वाह्न)

सं० ए०-31014/1/78-सी० एम० टी०—राष्ट्रपति श्री एस० के० स्वामी को पहली जुलाई, 1978 से खाद्य विभाग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रमुभाग श्रीधकारी ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 5 ग्रगस्त 1978

सं० ए०-19012/24/73-स्था०-1—सचिव, भारत सरकार, कृषि भौर सिंचाई मंत्रालय (खाद्य विभाग), श्री वाई० एस० बंगेरा को 29 जून, 1978 के भ्रपराह्म से श्रगले भ्रादेण होने तक, खाद्य विभाग में वरिष्ठ निरीक्षण श्रीककारी (फल एवं सब्जी परिरक्षण) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री नाई० एस० अंगेरा ने उसी तारीख से उप-तकनीकी मलाहकार, पिष्पमी क्षेत्र, बम्बई के कार्यालय में विरिष्ठ निरीक्षण अधिकारी (फल एवं सब्जी परिरक्षण) के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

यू०वी० वी० एल० नरसिम्हम, ग्रवर सचिव

# (सिचाई विभाग)

### नई दिल्ली, दिनांक 7 ग्रगस्त 1978

सं० एफ०-5(32)/77-गं० बे०---इस मंत्रालय की प्रधिसूचना सं० 8/78-एफ० 5(32)/77-गं० बे०, दिनांक 19 प्रप्रैल, 1978 के प्रनुकम में मायुक्त गंगा बेसिन, कृषि और सिंचाई मंत्रालय (सिंचाई विभाग) गंगा बेसिन जल संसाधन संगठन में स्थायी सुपरवाइजर श्री धार० एन० तिवारी की उसी संगठन में पूर्णत: तदर्थ धाधार पर 28 मई, 1978 के पूर्वाह्न से तीन महीने की भीर धविध तक के लिए प्रथवा नियमित रूप से नियुक्ति हो जाने तक, इसमें जो भी पहले हो तब तक, सहायक इंजीनियर नियुक्त करते हैं।

सं० एफ ०-5(32)/77-गं० बे०—इस मंजालय की अधिसूचना सं० १/78-एफ ० 5(32)/77-गं० बे०, दिनांक 19 धप्रैल, 1978 के अनुक्रम में भागुकत गंगा बेसिन, कृषि भौर सिचाई मंजालय (सिचाई विभाग) गंगा बेसिन जल संसाधन संगठन में स्थायी सुपरवाइजर श्री बी० एन० श्रीवास्तव को जसी संगठन में पूर्णतः तदर्भ आधार पर 15 मई, 1978 के पूर्वाल्ल से तीन महीने की श्रीर धबधि तक के लिए अथवा नियमित रूप से नियुक्ति हो जाने तक, इसमें जो भी पहले हो तब तक, सहायक इंजीनियर नियुक्त करते हैं।

सं० एफ०-5(32)/77-गं० बे०—इस मंद्रालय की प्रधिसूजना सं० 10/78-एफ० 5 (32)/77-गं० बे०, दिनांक 19 प्रप्रैल, 1978 के प्रनुक्रम में प्रायुक्त गंगा बेसिन, इसि प्रौर सिंचाई मंद्रालय (सिंचाई विभाग) गंगा बेसिन जल संसाधन संगठन में स्थायी सुपरवाइजर श्री नरेन्द्र नाथ को उसी संगठन में पूर्णतः तदर्य प्राधार पर 16 मई, 1978 के पूर्वाह्स से तीन महीने की ग्रौर ग्रवधि तक के लिए ग्रथवा नियमित रूप से नियुक्ति हो जाने तक, इसमें जो भी पहले हो तब तक, सहायक इंजीनियर नियुक्त करते हैं।

सं० एफ०-5(32)/77-गं० बे०—इस मंत्रालय की श्रिधसूचना सं० 11/78-एफ० 5 (32)/77-गं० बे०, दिनांक 19 श्रश्रेल, 1978 के धनुकम में श्रायुक्त गंगा बेसिन, कृषि श्रीर सिंचाई मंत्रालय (सिंचाई विभाग) गंगा बेसिन जल संसाधन संगठन में स्थायी सुपरवाइजर श्री बी० पी० पन्त हो उसी संगठन में पूर्णतः तदर्थ श्राधार पर 20 जून, 1978 के पूर्वाह्म से तीन महीने की श्रीर श्रवधि तक के लिए श्रथवा नियमित रूप से नियुक्ति हो जाने तक, इसमें जो भी पहले हो तब तक, सहायक इंजीनियर नियुक्त करते हैं।

सं० एफ०-5(32)/77-गं० बे०—इस मंत्रालय की श्रिष्टिसूचमा सं० 12/78-एफ० 5 (32)/77-गं० बे०, विनांक 20 अप्रैल, 1978 के श्रनुक्रम में श्रायुक्त गगा बेसिन, कृषि भौर सिचाई मंत्रालय (सिचाई विभाग) गंगा बेसिन जल संसाधन संगठन में स्थायी सुपरवाइजर श्री जे० एन० विवेधी को उसी संगठन में पूर्णतः तदर्थ आधार पर 7 मई 1978 के पूर्वात्व से तीन महीने की भौर श्रवधि तक के लिए अथवा नियमित रूप से नियुक्ति हो जाने तक, इसमें जो भी पहले हो तब नक, सहायक इंजीनियर नियुक्त करसे हैं।

म्रार० जी० बनर्जी, भवर समिव

# शिक्षा भौर समाज कल्याण मंत्रालय (स्थापना 1 अनुभाग)

नई विल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1978

सं० 32011/1/78-स्थापना-1—राष्ट्रपति शिक्षा विभाग के निम्न-लिखित शिक्षा श्रधिकारियों (सामान्य) को उसी विभाग में 1-7-78 से 31-7-78 तक तक्यं ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष सहायक शिक्षा सलाहकार (जी०) नियुक्त करते हैं:—

- 1. श्रीएम० डी० गुप्ता
- 2. श्रीसी० पी० खन्ना
- श्री एच० ग्रार० गुगनानी ।

डी० पी० दास, ग्रवर समिव

# संस्कृति विभाग

### नई विल्ली, दिनांक 10 प्रगस्त 1978

सं० एक० 9-15/77-सी० ए०-1(1)—राष्ट्रपति डा० श्राई० एस० चौहान को 1 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्न से प्रगते श्रादेशों तक भारतीय मानव-विज्ञान सर्वेक्षण, केन्द्रीय क्षेत्र, नागपुर में उप निवेशक (संस्कृति मानव-विज्ञान प्रभाग) के पद पर स्थानापन्न रूप से सहर्थ नियुक्त करते हैं।

एच० ग्रार० सूब, ग्रवर संचित्र

#### नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1978

सं० ए० 19015/7/78 ई० एण्ड सी० — लोक सेवा धायोग हारा वयन के परिणामस्वरूप श्री कुमार पाल राजोरा को, 29 मई, 1978 के अपराह्म से अगले धादेशों तक, शिक्षा, समाज कल्याण मंत्रालय और संस्कृति विभाग (संस्कृति विभाग) में पुस्तकाध्यक्ष ग्रेड-1 (भाषा हिन्दी) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

ए० सी० कौलधर, भ्रवर सचिव

#### नई दिल्ली, दिनांक 11 भ्रगस्त 1978

सं० एक० 1-1/77-सी० ए०-1 (5)—राष्ट्रपति डा० पी० बेनर्जी, स्थाई महायक निवेशक, राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली की सेवा धविष्ठ 1 ध्रगस्त, 1978 से 6 महोनों के लिए अथवा उस तारीख तक के लिए अब तक कि सहायक निवेशक, राष्ट्रीय संग्रहालय का पव नियमित रूप से नहीं भरा आता, जो भी पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

के एम गुगनानी, सहायक शिक्षा सलाहकार

#### संचार मंत्रालय

# नई विल्ली, दिनांक 2 भ्रगस्त 1978

सं० ए० 32013/2/78-मो० सी०—-राष्ट्रपति सहर्षे विदेश संचार सेवा बस्बई के स्थायी उप निदेशक (प्रशासन) श्री पी० के० जी० नैय्यर को दिनांक 15 मगस्त, 1978 से चार महीनों के लिए मथवा तब तक, जब तक यह पव नियमित आधार पर नहीं भरा जाता, इनमें से जो भी पहले हो, इसी संगठन में नितान्त तद्दर्थ माम्रार पर स्थानापक्ष रूप से निवेशक (प्रशासन) के पव पर कार्य करते रहने की मनुमति प्रवान करते हैं।

#### विनांक 3 ग्रगस्त 1978

सं ए० 35021/2/78-मो० सी०---राष्ट्रपति सहर्षे, विदेश संचार सेवा में अस्थायी उप कार्यकारी इंजीनियर, श्री के० राधवन का सरकारी सेवा से स्यागपन्न विनांक 21-6-1978 अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

### विनोक 7 प्रगस्त 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रणासन—राष्ट्रपति सहर्षं, केन्द्रीय सचिवालय सेवा (संचार मंद्रालय संवर्षं) के निम्नलिखित स्थायी सहायकों को, उनके नाम के ग्रागे दिखाई श्रवधि के लिए, उसी संवर्षे में, उक्त सेवा के प्रमुधाय प्रधिकारी के ग्रेड में, स्थानापन्न रूप से कार्ये करते रहने की ग्रनुमित प्रदान करते हैं:—

-,	
1. श्री एस० एन० मगो	1-7-78 से भौर आगामी आदेशों
	तक ।
2 श्रीमदन साल .	1-5-78 से 26-8-78 तक
	श्रीर
	28-8-78 से 31-8-78 तक
3. श्रीके०के०कुलश्रेष्ठ .	1-5-78 से 24-8-78 तक
	भौर
	26-8-78 से 31-8-78 तक
4. श्रीएम०एल०जैन .	1-5-78 से 9-8-78 तक
	भ्रौर
	1 1-8-78 से 3 1-8-78 नक
5. श्रीवी०एम०वर्गीका .	1-5-78 से 10-7-78 सक
	भौर
	12-7-78 से 31-8-78 तक
a sû 1171 a 1117 a 1117	
<ol> <li>श्री एस० प्रार० गुप्त</li> </ol>	1-5-78 से 2 <i>7-7-</i> 78 तक
	श्रौर
	29-7-78 से 31-8-78 तक
7. श्री एम० एम० एस० रोहाल 📌	1-5-78 से 7-8-78 तक
	भ्रौर
	9-8-78 से 31-8-78 सक
8. श्रीमती एच० बी० मल्होता	16-4-78 से 27-7-78 तक
9. श्री एस० एम० कौशल .	26-4-78 से 15-8-78 तक
10. श्री उजागर सिंह	3-7-78 से 27-7-78 तक
20 2	5 7 7 5 G 47-7-76 (14)

 उपर्युक्त सभी अधिकारी डाक-तार निदेशालय में ही तैनात रहेंगे । नूतन देव, अवर सचिव

#### (डाक-तार बोर्ड)

# नई बिल्ली-110001, बिनांक 10 प्रगस्त 1978

सं० 9/54/77-एस० पी० जी०---डाक-सार बोर्ड ने श्री एस० एस० पठान को सामान्य केन्द्रीय सेवा सूप 'बी' में उप मधीक्षक (छटाई) के पद पर निसान्त ग्रस्थायी और तवर्ष ग्राधार पर निम्नलिखिन ग्रवधि के लिए सहर्ष नियुक्त किया है:---

	से	तक	
1.	11-11-76 (भपरा <del>ह्म</del> ) 23-6-77	3-5-77 31-12-77	

तवर्षे प्राधार पर की गई उपर्युक्त नियुक्ति के कारण प्रधिकारी श्रपनी नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं करेंगे श्रौर न ही तदर्थ श्राधार प्रकृति गई इस सेवा की गणना वरिष्ठता के प्रयोजन के लिए या अगले उच्चतर ग्रेड में पंचीन्नति हेतु की जाएगी।

सं 13/15/78-एस० पी० जी०---डाक-तार बोर्ड ने डाक ग्रधीसक सेवाग्रुप 'बी' के ग्रधिकारी श्री के० एल० सेठ की दिनोक 7-6-78 को हुई पु:खद तथा श्रसामयिक मृत्यु पर हार्दिक खेद व्यक्त किया है।

#### दिनांक 11 अगस्त 1978

सं० 13-16/78-एस० पी० जी०—डाक-तार बोर्ड ने डाक प्रश्नीक्षक सेवा श्रेणी-II के श्रिष्ठकारी तथा तिमल नाडु सर्कल में कार्य कर रहे श्री एल० वी० वेंकटरमन की दिनांक 28-6-78 को हुई पुःखद तथा श्रसामियक मृत्यू पर हार्विक खेद व्यक्त किया है।

2. डाक-तार विभाग को उनकी समयपूर्व मृत्यू से महान् क्षति हुई है।

रवि प्रकाश, सहायक महानिदेशक (डाक-तार)

#### नई दिल्ली-110001, विनोक 11 श्रगस्त 1978

सं० 64/2/77-एस० टी० जी०-1—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक इंजीनियरों (विधुत) को दिनांक 2 जून, 1978 से निर्तात ग्रस्थायी ग्राधार पर कार्यकारी इंजीनियर (विद्युत) के बतौर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहये नियुक्त किया है :—-

- 1. श्री के० सुवह्मण्यन
- 2. श्री टी० मोहन राव ।

सं० 12/1/4/78-एम० टी० जी०-1—-राष्ट्रपति ने तार इंजीनियरी सेवा प्रुप 'बी' के निम्मलिखित महायक इंजीनियरों को दक्षिणी दूरसंचार प्रनुरक्षण क्षेत्र, मद्राम में आई० टी० एम० प्रुप 'ए' के प्रवर वेतनमान में निनांत स्थानीय व्यवस्था के बतौर उनके नाम के सामने प्रकित पदों पर और तारीख से दिनांक 31-8-78 तक या स्थानीय व्यवस्था की समाप्ति तक जो भी पहले पड़े कार्य-मार संभालने के लिए सहर्ष नियुक्त किया है:---

1. श्री एनं० एस० दोरायस्वाथ	मं <b>डल इंजी</b> नियर तार एल०/डी० विजय <b>बाडा</b>	दिनॉक 28-2-78 (श्रपराह्म) से ।
<ol> <li>श्री जी० वी० राधाकुष्णन</li> </ol>	मंडल इंजीनियर तार एम०/डब्स्यू० ग्रनु- रक्षण मॅगलूर ।	3-3-78 से ।

सं 12/4/78-एस० टी० जी०-I—इस बोर्ड की समसंख्यक, विनांक 2-5-78 भीर 23-5-78 की श्रिधसूचनाओं के कम में राष्ट्रपति ने तार इंजीनियरी सेवा गुप 'बी' के निम्निलिखित सहायक इंजीनियरों को श्राई० टी० एस० ग्रुप 'ए' के प्रवर समयमान में प्रत्येक के नाम के सामने अंकित भागे श्रवधि के लिए, दूरसंचार परियोजना सर्वल, दिल्ली मे नितात स्थानीय व्यवस्था के बतौर कार्य भारसंभालने के लिए सहर्य नियुक्त किया है :--

श्रधिकारी कानाम	इस नारीख तक पदोन्नति
1. श्री मुखेश्वर गोयल स० इंजी०	1-5-78 से 12-5-78 नक
<ol> <li>श्री के० पी० चतुर्वेदी स०</li> </ol>	
इंजी०	1-5-78 से 31-8-78 तक
	ृप्रथवा
	इस स्थानीय व्यवस्था के समाप्त
	होने तक, जो भी पहले पड़े ।

सं० 12/4/78-एस० टी० जी०-I--राष्ट्रपित ने तार इंजीनियरी सेवा युप 'बी' के सहायक इंजीनियर श्री बी० के० प्रसाद को पटना टेलीफोन जिला मे भारतीय टेलीफोन सेवा युप 'ए' के प्रवर समयमान में कार्यभार सभालने के लिए विनांक 20-6-77 से 31-12-77 तक की ग्रवधि के लिए नितांत स्थानीय व्यवस्था के बतौर नियुक्ति के लिए कार्योत्तर श्रनुमोदन सहर्ष प्रदान किया है।

सं० 16/20/78-एस० टी० जी०-[—-तार इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'बी' में स्थायी अधिकारी और सहायक निवेशक, दूरसंचार अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली के बतौर कार्य कर रहे श्री ए० एस० केशवसूर्ति निवर्तन आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-5-78 अपराह्न को सेवा-निवृत्त हो गए ।

सं ० 16/21/78-एस० टी० जी०-Î--तार इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'बी' के स्थायी श्रधिकारी श्रौर महाप्रबंधक, टेलीफोन, कलकत्ता टेलीफोन जिला के बतौर कार्यं कर रहे श्री डी० पी० दास निवर्तन श्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 31-5-78 श्रपराह्म से सेवा-निवृत्त हो गए ।

सं० 16/23/78-एस० टी० जी० I—तार इजीनियरी सेवा ग्रुप 'क्वी' के स्थायी मधिकारी ग्रीर महाप्रबधक टेलीफोन, किलकत्ता के प्रधीन मंजल इजीनियर (फोन्स) कलकत्ता के बतौर नार्य कर रहे श्री ए० के० राय, निवर्तन मायु प्राप्त होने पर, दिनांक 30-6-78 भ्रापराह्म से सेवा निवृक्त हो गए ।

सं० 16/26/78-एस० टी० जी०-री—तार इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'बी' के स्थायी अधिकारी और महाप्रबंधक दूर संचार कर्नाटक सर्कल, अंगजौर के प्रधीन मडल इंजीनियर तार बंगलौर के बतौर कार्य कर रहे श्री एच० के० शेट्टी निवर्तन आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-6-78 को सेवा-निवृत्त हो गए।

सं० 18/25/78-एस० टी० जी०-I—तार इंजीनियरी सेवा प्रुप 'ए' के अवर समयमान सें स्थायी अधिकारी और महाप्रवधक टेलीफोन, कलकत्ता के अक्षीन मंडल इंजीनियर (फोन्स) कलकत्ता के बतौर कार्य कर रहे श्री एस० एस० गौगुली निवर्तन श्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 30-6-78 प्रपराह्म से सेवा निवृत्त हो गए ।

स० 16/27/78-एस० टी० जी०-I---तार इजीनियरी सेवा ग्रुप 'बी' में स्थायी अधिकारी श्रीर महाप्रबंधक, दूरसंचार, राजस्थान सर्कल, जयपुर के श्रधीन सहायक महाप्रबंधक (परियोजना) के बतौर कार्य कर रहे श्री के० सी० गुप्ता, निवर्तन श्रायु प्राप्त होने पर विनांक 30-6-78 श्रपराह्म को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए ।

सं० 100/69/78-एस० टी० जी०-I—भारतीय टेलीफोन सेवा ग्रुप v' के प्रवर समयमान के अधिकारी और जिला प्रबंधक, टेलीफोन, पटना के अधीन संडल इंजीनियर, फोन्स, पटना के बतौर कार्य कर रहे श्री श्रार्० प्रसाद का विनांक 13-6-78 को देहावसान हो गया ।

सं० 272/2/78 एस० टी० जी० II—सामान्य केन्द्रीय सेवा मुप 'बी' के अधिकारी श्री एस० एन० बेनर्जी, जनसम्पर्क अधिकारी (वाणिज्य) कलकत्ता टेलीफोन, दिनांक 30-6-78 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हो गए।

के० एल० कपूर, सहायक महानिदेशक (एस० जी० टी०)

# पर्यंदन और नागर बिमानन मंत्रालय नई दिल्ली, दिनांक 15 जुन 1978

सं० ए० 32013/5/77 प्रणासन—-राष्ट्रपति ने पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय के केन्द्रीय सर्वियालय सेवा मंत्रर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी, श्री एम० सूर्यनारायण को 1-1-78 से 30-1-78 तक स्थानापन्न रूप से केन्द्रीय सर्विवालय गेवा के ग्रेष्ठ 1 म नियुक्त किया है।

राष्ट्रपति ने श्री सूर्यमारायण को उपर्युक्त अवधि के लिए पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय में अवर सचित्र भी नियुक्त किया है।

#### विनोक 4 जुलाई 1978

सं० ए० 12026/1/78 प्रशासन—राष्ट्रपति ने श्री फतेह जन्द सूब, आई० डी० ए० एस० को 1-7-78 से 31-8-78 तक नागर विमानन के महानिवेशक के कार्यालय में विक्त एवं लेखा परीक्षा के निवेशक के रूप में नियुक्त किया है।

# विनांक 19 जुलाई 1978

सं० ए० 12022(9)/78 प्रशासन—राष्ट्रपति ने कुमारी पी० लाल, आई०सी० ए० एस०, को 17 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्न से तथा अगले आदेशों तक पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय में संयुक्त सचिव (वित्त) नियुक्त किया है।

गिरधर गोपाल, अवर सचिव

# नीवहन और परिवहन मंद्रालय (परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, विनांक 14 अगस्त 1978

सं० एस० टी० ६० (61)/76 एम० टी०—क्विडिया स्टीमणिप कम्पनी लि० से प्रतिनियुक्ति पर कार्य कर रहे अधिकारी कैप्टेन डी० ए० जे० डीसोजा ने 31 मई 1978 (अपराह्म) से प्रशिक्षण पोत 'राजेन्द्र' अम्बई नौ अधिकारी का पव त्याग विया ।

सं० एम० टी० ई० (61)/76 एम० टी० (1)—भारतीय नौबहन निगम लि० बस्बई के अधिकारी कैप्टेन बी० बी० गुलाटी, जिनकी 16-3-77 के पूर्वाह्म से प्रशिक्षण पोत 'राजेन्द्र' बस्बई में नौ अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति की गई बी, ने 9-12-1977 के पूर्वाह्म से पद का कार्यभार प्याग दिया।

वी० द्वारकावास, अवर सचिव

#### नई दिल्ली, दिनांक 16 अगस्त 1978

सं र्ह० सी० एस० (15)/78—राष्ट्रपति श्री कृष्ण नाल, भा० प्र० सेवा (हिमाचल प्रदेश 1973), जो हिमाचल प्रदेश सरकार के संमुक्त सिवव (खाद एवं आपूर्ति, सहकारिता और निर्माण) पद पर नियुक्त थे, को 10 अगस्त, 1978 से और आवेश होने तक के लिए नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) में अघर सिवव नियुक्त करते हैं।

युधिष्ठिर लाल, अवर सचिष

#### (सड़क पक्ष)

### नई विल्ली 1, दिनाक 7 अगस्त 1978

सं० ए० 23(42)/75—सचिव, इस मंत्रालय के सङ्क पक्ष के सहायक इंजीनियर वर्ग के निम्निलिखत अधिकारियों की तदर्थ नियुक्तियों को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों तक अथवा जब तक कि पद नियमित आधार पर भरे जाते हैं इनमें जो पहले हो, बढ़ाते हैं:—

क्र∘ सं०	अधिकारी का नाम		नियुक्ति का स्थान	जिस तारीख से मियुक्ति की गई है
1. 8	—————————————————————————————————————		नई दिल्ली	30-9-78
2. 8	नी एम० आर० गुरसहानी		नई दिल्ली	30-9-88
3. 8	<b>गी जे० बी० धनसहानी</b>		मई दिल्ली	30-9-78
4 8	ग्रीपी० <b>वी० रामचन्द्रन</b> .	•	क्षेत्रीय कार्यालय, मद्रास ।	30-9-78
5. %	गिएच०सी० शर्मा .	•	क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ ।	30-9-78

### नई दिल्ली-1, विनांक 8 अगस्त 1978

सं०ए० 22(3)/78—राष्ट्रपति, श्री बी० के० ठाकुर की प्रतिनियुक्ति को नौजहन और परिवहन मंद्रालय (सङ्क पक्ष) मे मुख्य इंजीनियर (योत्निक) श्रेणी 1 के पद पर 1-4-1978 से 30-9-1978 तक की 6 महीने की अवधि को मौजूदा भर्तों पर बढ़ाते हैं।

शिवक्रमार धर्मा, उपसंचिव

#### सीमा सङ्क विकास बोर्ड

#### नई दिल्ली 110011, दिनांक 8 अगस्त 1978

सं० एफ० 141(2)/64 कार्मिक—-राष्ट्रपति, डा० तापस कुमार धटर्जी, स्वास्थ्य अधिकारी वर्ग H, को 9 जून 1978 (पूर्वाह्म) से अगला आवेश होने तक के लिए सामाग्य आरक्षण इंजीनियर बल से स्थामापश्च रूप में स्वास्थ्य अधिकारी वर्ग I में नियुक्त करते हैं।

ए० के० अग्रवाल, उप समिव

#### ऊर्जामंद्रालय

# (विद्युत विभाग)

नई विरुली, विनांक 3 अगस्त 1978

सं० 81/78 एफ० 3/2/77 प्रशा०-एक---राष्ट्रपति केन्द्रीय विश्वस् इंजीनियरी (समूह क) सेवा के सहायक निवेशक/सहायक कार्यपालक इजीनियर (विश्वत् एवं यांत्रिक) के ग्रेड के एक अधिकारी श्री आर० बी० शर्मा को केन्द्रीय विश्वत् प्राधिकरण में उसी सेवा के उप निवेशक/कार्यपालक इंजीनियर (विश्वत् एवं यांत्रिक) के ग्रेड म, स्थानापन्न हैसियत में, 11 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्न से, अगले आवेश होने तक नियुक्त करते हैं।

सं० 82/78 एक० 1/1/76 प्रणा० एक — राष्ट्रपति, श्री एस० के० बौधरी को केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी (समूह क) सेवा के सहायक निदेशक/ सहायक कार्यपालक इजीनियर के ग्रेड में केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण में, स्थानापश्च हैसियत में, 19 मई, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

#### दिनोक 5 अंगस्त 1978

सं० 29/78 एफ० 4/17/77 प्रशासन वो—श्री सी० आर० साहनी का सेवा काल कोट से वर्ष 1977 की अनुभाग अधिकारी ग्रेड की अवरण सूची में शामिल करने के लिए अनुमोदित हो जाने के फलस्वरूप राष्ट्रपति, खान विभाग के संवर्ग की केन्द्रीय सिंघालय सेवा के स्थायी सहायक, श्री सी० आर० साहनी की सिंचाई और विद्युत सवर्ग की उसी सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में, तदर्थ आधारपर अनुभाग अधिकारी के पद पर 29 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्म से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न हैसियत में नियुक्त करते हैं।

 श्री सी० आर० साहमी को सिचाई विभाग में पद स्थापित किया जाता है।

#### दिनांक 8 अगस्त 1978

सं० 30/78 एक० सं० 2/5/78 प्रशा० वो — राष्ट्रपति, कोयला विभाग के सचिव श्री एस० सी० वर्मा, आई० ए० एस० (मध्य प्रवेश-1949) को उनके वर्समान कर्सांच्य भार के साथ ही, विद्युत विभाग के मचित्र के पव पर 1 अगस्त, 1978 के पूर्वाञ्च से, जब तक उन्हें श्री एन० बी० प्रसाद द्वारा भार मुक्त नहीं किया जाता तब तक के लिए, नियुक्त करने हैं।

#### विनांक 10 अगस्त 1978

सं० 31/78 एफ० सं० 4(28)/78 प्रणासन को—राष्ट्रपति केन्द्रीय सिजवालय सेवा में सिचाई और विद्युत संवर्ग के श्री बी० के० साधू, अनुभाग अधिकारी (परिवीक्षाधीन) को अनुभाग अधिकारी के ग्रेड में 1 जुलाई, 1978 से मुलरूप में नियुक्त करते हैं।

पी० एम० सिराजुहीन, अवर सचिव

# रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनाँक 7 अगस्त 1978

सं० ई० प्रार० बी०-1 78/49/10--श्री पी० पी० प्रयवाल उस्क प्रधिकारी/धनुभाग अधिकारी रेलवे बोई 7-8-1978 के अपराह्म से स्वेच्छा से सेवा निवृत्त हुए ।

#### विनांक 8 अगस्त 1978

सं र्ह अगर बी । 1/78/10/II—रेलवे बोर्ड में सहायक, श्री सी । मिलकारजुनन को 3-6-1978 से 18-7-78 के अपराह्म तक के लिए स्थानापन्न अधिकारी के रूप में पदोक्षत किया गया ।

#### विनोक 9 अगस्त 1978

स०६० आर० बी० 1/78/4/1—पूर्व रेलवे के महा प्रवधक श्री बी० सी० ए० पवमनाभन को 1 सई 1978 के पूर्वाक्क से रेलवे बोर्ड के सवस्म इंजीनियरी एवं भारत सरकार के पदेन मिचय के रूप में नियुक्त किया जाता है।

संबर्धि आरवबीव 1/78/10/6—रेलवे बोर्ड में सहायक, श्री पीव सीव सिन्हा को 5-5-78 से 23-6-78 के अपराह्म तक के लिए स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया था ।

सं० ६० आर० बी० I/78/10/7—रेलवे बीर्ड में सहायक, श्री आर० सी० सहगल को 10-4-78 से 17-6-78 के अपराह्म तक के लिए स्थानापन्न श्रनुभाग अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया ।

सं० ६० आर० बी.० I/78/10/10—-रेलवे बोर्ड में सहायक, श्री एच० एस० अष्ट्रजा को 23-5-78 से 7-7-1978 के अपराह्म तक के लिए स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया था।

सं० ई० आर० बी० I/78/10/16—रेलवे बोर्ड में सहायक, श्री एस० सी० दत्ता की 1 $\sim$ 5-78 से 24-6-78 के श्रपरा ह्न तक के लिए स्थानापन्स स्रृभाग अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया था।

पी० एन० मोहिले, स**चिव,** रेलवे बो**डें एवं परेन संयु**क्त सचित्र

#### सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई विस्ली, दिनांक 8 अगस्त 1978

मं 303(1)/78 त्री॰ (डी॰)--राष्ट्रपति, आकाणवाणी के सहायक केन्द्र इंजीनियर के संवर्ग के निम्नलिखित अधिकारियों की, पश्चीप्रति पर, आकाशवाणी के केन्द्र इंजीनियर के संवर्ग में स्थानापक्ष रूप से नियुक्त करके

जुनको, उन तारीक्यों से अगले आदेश तक उन पक्षों पर तैनास करते है जो उनके नामों के आगे दिए हुए हैं:--

कम सं०	नाम सद्या अर्तमान तैनाती	पदो <b>न्नति पर</b> तैनाती	तैनाती की तारीख
1.	श्री आर० तिरुवेंकटाचारी, उप सहायक योजना अधिकारी, आकाशवाणी महानिदेशालय, नई विस्ली।	सहायक योजना अधिकारी, आकाशवाणी महा- निदेशालय, नई विल्ली ।	19-5-78
2.	श्री वी० के० दे, उप सहायक योजना अधिकारी, आकाशवाणी महानिदेशासय, नई विस्ली ।	सहायक निवेणक, कर्मेषारी प्रशिद्धण संस्थान (सकनीकी) आकाशवाणी महा- निवेशालय, नई विल्ली ।	24-5-78
·	श्री के० बी० अप्पाराव, उस सहायक योजना अधिकारी, आकाशवाणी महानिवेशालय, नई दिल्ली।	सहायक प्रादेशिक इंजीनियर, प्रादेशिक इंजीनियर (उत्तर), आकाशवाणी नई विल्लीका कार्यालय।	19-5-78
4.	श्री डी० रस्तोगी; उप सहायक योजना अधिकारी, आकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली ।	केन्द्र इंजीनियर, आकाणवाणी, इलाहाबाद ।	31-5-78
5.	श्री आर० डी० मिश्र, सहायक केन्द्र इंजीनियर, केन्द्रीय भंडार, आकाशवाणी, नई विस्ली ।	केन्द्र इंजीनियर, दूरदर्शन केन्द्र, लखनऊ ।	31-5-78
6.	श्री आर० के० गुप्त, सहायक इंस्टालेशन इंजीनियर, प्रादेशिक इंजीनियर (उत्तर), आकाशशाणी, नई दिल्ली का कार्यालय।	उप इंस्टालेशन इंजीनियर, प्रादेशिक इंजीनियर (उत्तर), आकाशवाणी, नई दिल्ली का कार्यान	19-5-78
7.	श्री आर० क्रुडणन्, अनुसन्धान अधिकारी, अनुसन्धान विभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली ।	केन्द्र इंजीनियर, आकाशवाणी, गुलवर्ग ।	29-5-78
8.	श्री एम० आर० सख्जा, उप सहायक प्रादेशिक इंजीनियर, प्रादेशिक इंजीनियर (उत्तर), आकाशवाणी, नई विल्ली का कार्यालय ।	केन्द्र इंजीनियर आकाशवाणी, नई विस्ली ।	19-5-78

<sup>2.</sup> उपरि उल्लिखित पदोन्नतियां तबथं आधार पर है और मे श्री ए० एस० गृहन और अन्यो द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में तथा श्री आर० कोहिलो और अन्यों द्वारा बम्बई उच्च न्यायालय में दायर की गई रिट्याचिकाओं में न्यायालयों के अंतिम निर्णय के अधीन हैं।

बी० कृष्णन्, अबर सचित्र

#### नई दिल्ली, दिनांक 10 अगस्त 1978

सं 0 14/12/78 प्रेस--राष्ट्रपति, सूंबना और प्रसारण मंत्रालय के केन्द्रीय सिबयालय सेवा संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री जी० एल० आहूजा, जो इस समय आकाशवाणी और दूरवर्णन के लिए स्वायत्तता सम्बन्धी कार्यदल में अनुसंधान अधिकारी हैं, को 16 जून, 1978 (पूर्वाह्म) से प्रेस आयोग, नई विल्ली में प्रणासनिक अधिकारी के प्रव पर नियुक्त करते हैं।

एस० रामस्वामी, अवर सचिव

# निर्माण और आवास मंत्रालय (निर्माण प्रभाग)

नई दिल्ली, विनांक 27 जुलाई 1978

सं० 15011 ए० (4)/78 ई० डब्स्यू०-I---राध्ट्रपति नेश्री एम० एम० राणा को 1 जुलाई, 1978 से अगला आदेश जारी होने तक केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग म मुख्य बास्सुक के रूप में नियुक्त किया है।

एच० भट्टाचार्य, अवर समिव

#### श्रम मंत्रालय

#### मई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1978

सं० ए० 22012/3/78-प्रशासन-I—इस मंत्रालय की इसी संख्या की अधिसूचना दिनांक 3 जुलाई, 1978 में आशिक संशोधन करते हुए, श्री टी० एस० शंकरन को पहली सितम्बर, 1978 से 28 अफ्नूबर, 1978 तक 58 दिन की अजित छुट्टी बढ़ाने की मंजूरी दी जाती हैं। बढ़ाई गई छुट्टी की अबधि के समाप्त होने पर और प्राह्म कार्यारभ काल का लाभ उठाने के पश्चात् वह तमिलनाडु सरकार, मद्रास को जुयूटी के लिए रिपोर्ट करेंगे।

सं० ए० 35014/3/78 प्रशा०-I— इस मंत्रालय की इसी संख्या विनांक 17 फरवरी, 1978 की अधिसुचना के कम में राष्ट्रपति जी केन्द्रीय सिजवालय सेवा के ग्रेड I के स्थायी अधिकारी श्री टी० के० रामाचन्द्रन को 10 मई, 1978 के पूर्विह्न से 25 जून, 1978 तक उक्त सेवा के सलेक्शन ग्रेड में नियुक्त करते हैं।

राष्ट्रपति जी श्री टी० के० रामाचन्द्रन को 10 मई, 1978 के पूर्वाह्न में 25 जून, 1978 तक श्रम मंत्रालय (मुख्य सचिवालय) में उप सचिव के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

अशोक नारायण, उप सम्बिव

# पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय (पुनर्वास विभाग)

नई दिल्ली 110011, विनांक 29 जुलाई 1978

सं० ए० 12022/1/78 प्रशा०-I----राष्ट्रपति, केन्द्रीय सिंघवालय आशु-लिपिक सेवा के ग्रेड 'ग' तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय, पुनर्वास विभाग के संवर्ग के श्री टी० गोविन्दन को इसी विभाग में सेवा के ग्रेड 'ख' में (बरिष्ठ कैयन्तिक) सहायक के रूप में 24-7-78 से 23-9-78 तक की अविध के लिए तवर्ष आधार पर नियुक्त करते हैं।

#### विनाक 31 जुलाई 1978

सं० 8(300)/64 प्रणा०-I—केन्द्रीय सिचयालय आगुलिपिक सेवा के ग्रेड 'ग' के स्थायी अधिकारी तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय, पुनर्वास विभाग के संवर्ग में सेवा के ग्रेड 'क' और निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास राज्य मंत्री के निजी सिचिव के रूप में स्थानापक रूप में कार्य कर रहे श्री वेद प्रकाश कुलश्रेष्ठ, 31 जुलाई, 1978 के अपराक्ष से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

#### विनांक 9 अगस्त 1978

सं० 11011/3/78 प्रणासन-I---राष्ट्रपति, पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय, पुनर्वास विभाग के संवर्ग के अनुभाग अधिकारी श्री ए० के० दास गुप्ता को उसी विभाग में 13-7-78 के पूर्वाह्म से 2-9-78 तक की अवधि के लिए स्थानापन्न रूप में कैरक अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सोहन लाल मेदीरला, अवर सचिव

#### DEPARTMENT OF ELECTRONICS

#### New Delhi-110011, the 11th August 1978

No. 3(30)/74-Adm.I.Vol.II.—In continuation of this Department's Notification No. 2(22)/76-Adm.I dated 28-7-1977, the period of deputation of Shri B. C. Murugesan, Permanent Section Officer of the Cadre of Planning Commission is hereby extended for a period of one year in the Department of Electronics with effect from the forenoon of 23-7-1978 to 22-7-1979 on the existing terms and conditions.

B. BHADU, Under Secy.

#### MINISTRY OF PLANNING

#### DEPARTMENT OF STATISTICS

New Delhi, the 3rd August 1978

No. A.12022/5/78-Estt.II.—The President is pleased to appoint, on an *ad hoc* basis, Shri M. G. Sardana, a Grade I Officer of Indian Statistical Service, and Joint Director in the Central Statistical Organisation, Department of Statistics, New Delhi as Additional Director in the same Organisation, with effect from the forenoon of 31st July, 1978, until further orders.

HARISH CHANDRA, Dy. Secy.

#### New Delhi, the 10th August 1978

No. PF.189/NSSI.—The President is pleased to appoint Shri P. Chattopadhyay, Assistant Director in the Field Operations Division, National Sample Survey Organisation, Ahmedabad and a Grade IV ISS officer as Deputy Director in the Zonal Office of that Division at Calcutta on an ad hoc basis with effect from the forenoon of 12th July 1978 until further orders.

#### The 11th August 1978

No. A.31014/1(i)/77-NSS.II.—The Chief Executive Officer, National Sample Survey Organisation, hereby appoints Shri Ajit Kumar Chaudhury, temporary Accounts-cum-Administrative Officer in Data Processing Division, National Sample Survey Organisation at Calcutta, as Office Superintendent in substantive capacity in the same Division with effect from 1-6-1974.

No. A.31014/1(ii)/77-NSS.II.—The Chief Executive Officer, National Sample Survey Organisation hereby appoints the following temporary Assistant Directors in the Data Processing Division, National Sample Survey Organisation, Calcutta to the post of Superintendent in the same Division in a substantive capacity with effect from 1-6-1974:—

- 1. Shri Sukumar Das.
- 2. Shri S. P. Ghoshal.

V. D. AHUJA, Under Secy.

#### PLANNING COMMISSION

#### New Delhi, the 8th August 1978

No. F.6(971)/78-Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri K. L. Sondhi, Scientist Engineer (S.G.), Department of Space as Joint Adviser in the Commission, in a temporary capacity for a period not exceeding six months with effect from the forenoon of the 3rd August, 1978 or until further orders, whichever is earlier.

### The 14th July 1978

No. F.6(874)74-Adm.1.—The services of Shri K. M. Maheshwari, Superintending Engineer, Irrigation Department, Government, of Uttar Pradesh and Chief of Division, Planning Commission, have been placed at the disposal of the Water & Power Development Consultancy Services (India) Ltd., New Delhi for a period of 10 days w.c.f. the 23rd June, 1978 to 3rd July, 1978.

2. On the expiry of the term of his transfer to foreign service with the Water & Power Development Consultancy Services (India) Ltd., Shri Maheshwari resumed duty in the same post with effect from 4th July, 1978.

Y. MOHAN, Dir. (Admn.)

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS LEGISLATIVE DEPARTMENT

New Delhi, the 22nd July 1978

No. A.32014/5/77-Adm.I(LD).—Secretary to the Government of India in the Ministry of Law, Justice and Company Affairs, Legislative Department, is pleased to continue the appointment of Shri U. M. Kalra, permanent Assistant (Printing), Legislative Department as Superintendent (Printing) in the Official Languages Wing of that Department on ad hoc basis upto the end of Sept. 1978 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

#### The 1st August 1978

No. A. 32013/3/75-Admn.I(LD).—The President is pleased to continue the appointment of Shri Jagannath Misra, Permanent Assistant Draftsman in the Official Languages Wing, Legislative Department, Ministry of Law, Justice and Company Affairs, as Deputy Draftsman in the said Wing on ad hoc basis upto the 31st Jan, 1979 or till the post is filled on regular basis, whichever is carlier.

#### The 4th August 1978

A.12022/6/77-Adm.I(LD).—The President is pleased to appoint Shri H. C. Vermani, Grade 1 officer of the Central Secretariat Service working as Under Secretary in the Legislative Department, Ministry of Law, Justice and Company Affairs, as Officer-on-Special-Duty (Wakt) on deputation in the Legislative Department of that Ministry with effect from the forenoon of the 17th July, 1978 to the 30th September, 1978 or till the regular incumbent of post of Deputy Secretary (Wakf) is available, whichever is earlier.

S. NARAYANAN, Dy. Secy.

#### DEPARTMENT OF LEGAL AFFAIRS

New Delhi, the 7th August 1978

No. A-12025(3)/76-Adm.III(LA).—The President is pleased to appoint Shri R. N. Sehgal, a permanent Assistant Registrar and officiating Deputy Registrar in the Income-tax Appellate Tribunal, to officiate as Registrar of the Income-tax Appellate Tribunal with effect from the forenoon of the 1st August, 1978 and until further orders.

No. A-38012(3)/78-Adm.III(LA).—On the expiry of the period of extension of service granted to him, Shri S. Sundaram, a permanent Assistant Registrar and officiating Registrar in the Income-tax Appellate Tribunal relinquished the charge of office of Registrar, Income-tax Appellate Tribunal in the afternoon of the 31st July, 1978 and retired from Government service with effect from that date.

2. Shri S. Sundaram has been granted earned leave for 28 days (which was refused to him in public interest) with effect from the 1st August, 1978.

JAGDISH CHANDRA, Under Secy.

#### DEPARTMENT OF JUSTICE

New Delhi, the 10th August 1978

No. 57/2/78-Jus.—In exercise of the powers conferred by clause (1) of article 217 of the Constitution, the President is pleased to appoint Shri Justice Sampatraj Jugraj Surana and Shri Justice Har Govind Mishra, Additional Judges of the Madhya Pradesh High Court to be Judges of the Madhya Pradesh High Court with effect from the date they assume charge of their office.

In exercise of the powers conferred by clause (1) of article 224 of the Constitution, the President is also pleased to appoint Shri Ramkrishna Chhaganlalji Vijaywargiya, M.A., LL.B. and Shri Bipin Chandra Varma, M.A., LL.B. to be Additional Judges of the Madhya Pradesh Hlgh Court each for a period of two years with effect from the date they assume charge of their office.

No. 50/4/78-Jus.—In exercise of the powers conferred by clause (1) of article 217 of the Constitution, the President is pleased to appoint Shri Justice Vasant Shamrao Deshpande to be the Chief Justice of the High Court of Delhi with effect from the 16th October, 1978.

L. D. HINDI, Dy. Secy.

#### (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

#### New Delhi-1, the 8th August 1978

No. A-32014/2/78-Adm.I.—The President is pleased to continue the *ad hoc* appointments of the following permanent officers of the Assistant Grade of the C.S.S. as Section Officers on purely temporary and *ad hoc* basis for a further periods shown against their names or until further orders, whichever is earlier:—

Sl. No. Name,

Periods.

- 1. Shri D. P. Saini-From 1-7-78 to 31-8-78.
- 2. Shrì R. B. Chatterjee-From 1-7-78 to 31-8-78.
- 3. Shri Bhagat Ram-From 1-7-78 to 31-8-78.
- 4. Shri Jag Raj Behari-From 1-7-78 to 31-8-78.
- 5. Shri K. L. Gupta-From 1-7-78 to 31-8-78.
- 6. Mohan Lal-From 8-7-78 to 24-8-78.

#### The 9th August 1978

No. PFG(78)-Adm.II/57.—The President is pleased to appoint Sh. J. P. Mukherjee, a permanent Grade I Officer of the Legal Branch of the Central Company Law Service, as Regio nal Director, Company Law Board, Calcutta with effect from the forenoon of 1st July, 1978, until further orders, vice Sh. P. K. Mallik, who has proceeded on deputation.

#### The 11th August 1978

No. PFG(306) Adm.II/74.—In patial modification of para 1 of this Department's notification of even number dated 10-10-77 and in exercise of the powers conferred by subsection (2) of Section 609 of the Companies Act 1956 (I of 1956) the Central Government have appointed Sh. D. K. Paul, to officiate as Registrar of Companies. Orissa, Cuttack with effect from the afternoon of the 20th September, 1977, until further orders, vice Sh. C. R. Das, transferred.

No. PFG(306) Adm.II/74.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of Sub-Section (i) of Section 448 of the Companies Act 1956 (I of 1956) the Central Government appointed Sh. D. K. Paul, Registrar of Companies, Orissa, Cuttack to officiate as Official Liquidator, High Court, Orissa, Cuttak with effect from the afternoon of 19th October, 1977 to 11th November, 1977, in addition to his duties.

I. L. NAGPAL, Under Sccy.

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

#### New Delhi-110001, the 9th August 1978

No. I-19020/2/78-AD(CD).—The Director General Civil Defence is pleased to appoint Shri R. K. Jairath, Head Clerk, National Fire Service College, Nagpur, to officiate as Administrativo Officer in the College, with effect from May 6, 1978 to June 12, 1978, during the leave period of Shri G, S, Tikkha, Administrative Officer.

P. K. G. KAIMAL, Dy. Secy.

#### New Delhi-110001, the 4th August 1978

No. A.12026/4/77-Ad.I(Ccll).—The President is pleased to revert Shri V. N. Misra, IPS (U.P.), who was on deputation to the Shah Commission of Inquiry as Supdt, of Police, to his parent office, viz., the Government of Uttar Pradesh. with effect from the afternoon of 1st July, 1978 on expiry of Earned I eave of ten days granted to him with effect from 22-6-78.

#### The 9th August 1978

No. 12026/4/77-Ad.I(Cell).—The President is pleased to revert Shii M. C. Shah, Deputy Commandant of the Border Security Force who was on deputation as Supdt. of Police in the Commission of Inquiry set up by the Ministry of Home Affairs to enquire into the allegations of excesses and misuse of powers etc, during the Emergency, to the Directorate General of Border Security Force with effect from the forenoon of the 17th July, 1978.

#### The 10th August 1978

No. A.12026/4/77-Ad.I(Cell).—The President is pleased to re-employ Shri Pashupati Nath Bagchi as Deputy Supdt. of Police in the Commission of Inquiry set up by the Ministry of Home Affairs to enquire into the allegations of excesses and misuse of power etc. during the Emergency with effect from 26-4-1978 (FN) upto 30-9-78 or until further orders, whichever is earlier.

#### The 11th August 1978

No. A.32014/3/78-Ad.I(A).—The President is pleased to appoint Shri S. K. Khullar, Gr. 'C' Stenographer of the C.S.S.S. Cadre of the Ministry of Home Affairs, as Grade 'B' Stenographer in the cadre of Ministry of Home Affairs on ad hoc basis for the period from 15-6-78 to 17-7-78 or till such time the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

V. P. LUTHRA, Under Secy.

### New Delhi-110001, the 9th August 1978

No. 17/65/78-NPC/Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Sharma I.P.S. (1970 –UP) as Senior Research Officer in the scale of pay of Rs. 1100 –50—1600 in the National Police Commission, Ministry of Home Affairs, New Delhi, on deputation basis with effect from the forenoon of 19th July 1978, until further orders.

No. i-9/78-CFSL/Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri S. C. Mittal Sr. Sci. Asstt., Central Forensic Science I aboratory, C.B.I. New Delhi as Senior Scientific Officer (Documents) in the Central Forensic Science Laboratory, CBI, New Delhi with effect from 14th June, 1978 (Forenoon) on ad hoc basis for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier

S. D. GUPTA, Under Secy.

#### New Delhi-110001, the 5th August 1978

No. U. 14020/55/77-UTS.—In exercise of the powers conferred by Clause (I) of Article 239 of the Constitution, the President hereby appoints Shri P. M. Nair, IAS Union Territories) as the Administrator of Union Territory of Lakshadweep with effect from 31st July, 1978, until further orders.

A. N. KHALF, Desk Officer

# DFPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS

New Delhi, the 8th August 1978

No. 20/G/232-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri P. R. Madhavan, a Permanent Research Officer (Class II) as Research Officer (Class I) on ad hoc basis, in the Department of Personnel and Administrative Reforms for a further period of 6 months with effect from the forenoon of 30th July, 1978 or till regular arrangements are made whichever is earlier.

O. P. DANG, Under Secy.

#### MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

#### New Delhi, the 29th July 1978

No. 355/PA I/78.—On transfer to the Headquarts of the Ministry of External Affairs, New Delhi, Shi i Eric Gonsalves relinquished charge of the post of Ambassador in the Embassy of India, Tokyo, on the afternoon of the 17th June, 1978.

#### The 1st August 1978

No. 343/PA.I/78.—On transfer to Embassy of India, Bonn, Shri B. P. Agarwal assumed charge of the post of Minister in the Embassy of India, Bonn on the forenoon of the 4th July, 1978.

No. 354/PA.I/78.—On transfer from the Embassy of India, Bahrain, Shri D. C. Manners assume, charge of the post of Director in the Ministry of External Affairs, New Delhi, on the afternoon of the 4th July, 1978.

#### The 2nd August 1978

No. Q/PA.I/34 4/78.—On home leave-cum-transfer. Shri K. D. Sharma relinquished charge of the post of High Commissioner of India, Dar-es-Salaam on the afternoon of the 4th July, 1978.

No. 345/PA.I/78.—On transfer from the Embassy of India. Maputo, Shri A. R. Kakodkar, assumed charge of the post of Joint Secretary in the Ministry of External Affairs, New Delhi, on the forenoon of 18th July, 1978.

#### The 3rd August 1978

No. Q/PA.I/346/78.—On home leave-cum-transfer, Shri A. R. Kakodkar relinquished charge of the post of Ambassador of India, Maputo on the afternoon of the 6th July, 1978.

No. 347/PA1/78.—Shri Ismail M. Kangra has been appointed as Ambassador of India to People's Democratic Republic of Yemon (Aden) with effect from the 29th June,

No. 348/PAI/78.—On transfer to the Embassy of India, Bahrain, Shri H. K. Mahajan relinquished charge of the post of Director in the Ministry of External Affairs, New Delhi, on the afternoon of the 14th July, 78.

No. 349/PAI/78.—Shri Avtar Singh has been appointed as Ambassador of India to Japan (Tokyo) with effect from the 10th July, 1978

#### The 4th August 1978

No. 351/PA.I/78.—Shri P. S. Sahai has been appointed as High Commissioner of India to Malawi with effect from the 30th June, 1978.

#### The 5th August 1978

No. 352/PAI/78.—On transfer to India Shri Ram Kishan relinquished charge of the post of Counsellor in the Embassy of India, Rome on the afternoon of the 1st July, 1978.

No. 353/PAI/78.—On transfer to Embassy of India, Moscow Shri P. K. Budhwar relinquished charge of the post of Counsellor in the Embassy of India, Bonn on the afternoon of the 7th July, 1978.

P. N. SONI, Dy Secy.

New Delhi, the 14th July 1978

No. Q/PA-II/27/78.—The President is pleased to confirm the following officers of the Information Service of India in the Grade of Public Relations Officer (re-designated as Director (ISI/PR) at the Headquarters of the Ministry of External Affairs) with effect from the dated mentioned against their names :---

- Date of Confirmation S. No. Name,
- 1. Shri J. Mahajan.-22-4-1978,
- Shri P. J. Rao.—22-4-1978.
   Shri S. Tripathi.—22-4-1978.

#### The 25th July 1978

No. 30/PAII/78.—On the basis of the results of the Combined Competitive Examination held by the Union Public Service Commission, New Delhi in 1977, the President is pleased to appoint the following persons as Indian Foreign Service Probationers in the Ministry of External Affairs, New Delhi, with effect from the dates shown against their names :-

- 1. Shri Ramu Damodaran--5-7-78 (FN)
- 2. Shri Dilip Sinha-12-7-78 (FN)
- 3. Kum. Homai E. Kapadia-5-7-78 (FN)
- 4. Shri Suresh Kumar Goel-5-7-78 (FN)
- 5. Shri Ashok Sajjanhar-5-7-78 (FN)
- 6. Shri Biren Nanda—5-7-78 (FN)
- 7. Shri Deepak Kishinchand Bhojwani-5-7-78 (FN)
- 8. Shri Ashoke Kumar Mukherji-5-7-78 (FN)
- 9. Shri Muktesh Raghupathi-5-7-78 (FN)
- Shri Dinkar Prakash Stivastava—5-7-78 (FN)
- 11. Shri Divyabh Manchanda-5-7-78 (FN)
- 12. Shri Dinkar Khullar-5-7-78 (FN)
- 13. Shri Mahesh Kumar Sachdev--5-7-78 (FN)
- 14. Shri Villur Sundararajan Seshadri-5-7-78 (FN)
- 15. Shri Syed Murtuza Hasan-~5-7-78 (FN)
- 16. Kum. Chitra Narayanan-5-7-78 (FN)
- 17. Shri Alagapurian Karuppaiyah-5-7-78 (FN)
- 18. Shri Ashok Tomar-5-7-78 (FN)
- 19. Shri Rudolph V. Warjri-7-7-78 (FN)
- 20. Shri Tsewang Topden-5-7-78 (FN)
- 2. On their appointment these officers assumed charge as Indian Foreign Service Probationers with effect from the dates shown against their names.

#### The 29th July 1978

No. 32/PAII/78.—Consequent on her getting married, Miss Primrose Raikhan, I.F.S. Probationer of the 1976 batch, has been permitted to change her name to Smt. Primrose Raikhan Sharma in all Government records.

SHYAM SARAN, Under Secy.

# MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF REVENUE DIRECT TAXES DIVISION

New Delhi, the 22nd July 1978

# HEADQUARTERS ESTABLISHMENT

No. 22.—Consequent on his appointment as Chairman, Settlement Commission (Income-tax Wealth Tax), Shri Surendra Narayan, an officer of Indian Revenue Service, relinquished the charge of the post of Chairman, C.B.D.T. and ex-officio Additional Secretary, Ministry of Finance (Department of Revenue) wef the afternoon of 16th July, 1978.

#### The 25th July 1978

No. 24.—The President is pleased to appoint Shri S. M. Chikermane, an officer of Indian Revenue Service, as Director (PAC) in the Central Board of Direct Taxes of the Department of Revenue, in the pay scale of Rs. 2250—2500, wef 15th July, 1978 (FN) till further orders.

G. S. MEHRA, Under Secy.

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

> भ्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 5 श्रगस्त 1978

निर्वेश सं० 62/15116/78-79/एसीक्यू०/बी—यतः मुझे, जे० एस० राय आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृस्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 88/25 किसम सूखी एकस्टनट (ए०सी०) 0.28 घर के साथ सं० 5-4-33 ग्रीर 33ए हैं, तथा जो बैलूर वार्ड सं० 76 बदागाबेटो विलेज उड़ीपी एस०के० डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, उड़ीपी दस्तावेज सं० 749/77-78 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 10-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेंच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अग्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम, के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (का) ऐसी किसी भाग या किसी धन या ग्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के श्रमुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रमीन निम्निजितिक व्यक्तियों, अर्थात् --- 3-226GI/78

रामेडा भट उचीला, सुपुत्र श्री अनन्ता भट उचीला, व्यापार (परोफेसन) हुबली टाउन।

(ग्रन्तरक)

डोडडन्ना महाबाला षट्टी सुपुत्त महाबाला षट्टी एडमिनिस्ट्रेटर डुडसाल परीवेट धामवे रिसइडिंग एट इलिनरो मनडसाले होन इलिनरो, गावों, मांगलूर तालुक ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारील से
  45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी
  भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिख्या में किए जा सकेंगे।

स्पर्वाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रीवित्यम, के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 749/77-78, ता० 10-1-78)
सर्वे सं० किसान एकस्टनट ए० सी०
88/25 सूखी 0.28 घर के साथ
दरवाजा सं० 5-4-33 ग्रीर 33ए, बैलर बारड, सं० 76,
बडागाबेटो विलेज, उडिपी।

जे० एस० राव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज, बंगलूर ।

तारीख: 5-8-1978

प्ररूप माई० टी• एन• एस०----

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 जुलाई 1978

सं० 29/विस०/7 जैंड०--यतः मुझे, ए० टी० गोविन्दन, आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-६पए से मिश्विक है भ्रौर जिसकी सं० 50-बी, है, जो हारीगंटन रोड, चेटपेट, मद्रास-31 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय पेरीयमेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन 15-12-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुण्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (प्रश्तरितियों) के बीच ऐसे प्रश्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रम्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविक्षा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भास्तयों को जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव उक्त ग्रधिनियम, की घारा 269-य के धनुसरक में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्रीमती जडरा बेगम नमाजी ग्रौर "पांच नमाजी हौज", 50-ए, हारीगंटन रोड, चेटपेट, मद्रास-3% (ग्रन्तरक)
- (2) दी सेखुड एज्यूकेशनल सोसायटी, 50-बी, हारीगंटन रोड, चेटपेट, मद्रास-31

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रति के प्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाष्त्रेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर . सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवा किसी धन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः न-इसमें संयुक्त शब्दों श्रीर पद्यों का, जो उक्त ग्रंथिनियम के ग्रध्याय 20-का में परिभाषित हैं वही ग्रंथ होगा जो उम श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि भौर बीलडीन्गस, 50-बी, हारीगंटन रोड, चेटपेट, मद्रास-31 ।

> ए० टी० गोविन्दन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-I, क्षमद्रास

ना**रीख: 7-7-1978** 

प्रकृप भाई०टी०एन०एस०----

भागकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

र्जन रेज-I, मद्रास,

मद्रास, विनांक 17 जून, 1978

सं० 6/दिस०/77—यतः मुझे ए० टी० गोविन्दन, पायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपए से ग्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 24, है, जो हमाल मुदलि स्ट्रीट, मद्रास-1, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सौकार-पेट, मद्रास (पद्म सं०) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 30-11-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है ग्रीर मृष्ट्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्राचा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त भिर्मियम के भन्नर के के भन्तरक के वाबित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा कि नित्त भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठनियम, या धन-कर श्रिष्ठनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, मर्थात् :---

- (1) श्री मिलापचन्द श्रार० ष श्रौर श्रादी (श्रन्तरक)
- (2) श्री पी० एन० पी० टी० बषीर (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रागंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस सूचमा के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्दीकरण: ---इसमे प्रमुक्त शब्दो भीर पदो का, जो आयकर श्रिधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मद्रास-1, पेरूमाल मुदलि स्ट्रीट, डोर स० 24 (म्रार० एस० सं० 10719) की भूमि (मकान के साथ)।

> ए० टी० गोविन्दन सक्षम प्राधिकारी, यहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्राय

ता**रीख**ः 5-8-78 मोहर प्रारूप पाई• टी• एन० एस०----

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के प्रथीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

एक्यूजेशन रेंज 1, मद्रास, कार्यालय मद्रास, विनोक 26 जून, 1978

सं० 1/दिस०/77—यतः मुझे ए० टी० गोविन्दन ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से ग्रधिक है,

भीर जिसकी सं० 284 है, जो लिन्गों छेटी स्ट्रीट, मद्रास-1, में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन 7-12-1977
को पूर्वोक्त संपक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत जक्स श्रिष्ठ-नियम के अभीन कर देने के भन्तरक के वायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (स्त्र) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों प्रवीत:—

- (1) श्री ए० एम० ब्रह्मव एंड कम्पनी (ब्रन्तरक)
- (2) श्री ए० एम० षम्सुद्दीन (श्रन्तरिती)

को यह सूचपा जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भनिध, जो भी भनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुबना के राजपल में प्रकाणन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रम्नोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परि-माषित हैं, वही शर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# चनुसूची

मद्रास-1, लिन्गी छेटी स्ट्रीट, डोर सं० 284 की भूमि (मकान के साथ) 1 1/2 शेर।

> ए० टी० गोविन्दन, सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज 1, मद्रास

तारीख: 26-6-1978

प्ररूप भाई ० टी ० एन ० एस •---

भायकर मिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के भिष्ठीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 14 जुलाई, 1978

सं० 74/78-79/IAC(A/R)/BBSR---यतः मुझे ग्रमरेन्द्र नाथ मिश्र,

आयकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिविनियम' कहा गया है), की ब्रारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में भ्रधिक है,

भौर जिसकी सं० थाना नं० 214 है, जो बाहरी विधिनावर, में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में घौर पूर्ण रूप से विधित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिधकारी के कार्यालय जिला सब-रजिस्टार, कटक में रजिस्ट्रीकरण धिधनियम 1908 (1908 का 16) के धिधीन 5-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई
है भौर मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत घिष्ठक है भौर भन्तरक
(भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया
है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत भिष्ठिनियम, या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत, श्रव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269 ग के प्रनुसरण में में, उन्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा, (1) के प्रधीन निम्नलिखन स्पन्तियों, प्रयास् :--- (1) श्री भगवान बारिक

(भन्तरक)

(2) श्री विजय चन्द्र महापात

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राओप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे!

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# अनु सूची

जमीन, मौजा-बाहारिबिशिनावर, कटक में स्थित है। वह जमीन कटक जिला, सब-रजिस्ट्रार ग्राफिस में 5-12-77 तारीख में रजिस्टार हुग्रा; जिसका डाकुमेंट नं० 6121 है।

> ग्रमरेन्द्र नाथ मिश्र, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) क्रजैन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख: 14-7-1978

प्ररूप झाई • टी॰ एन • एस०-

आयकर प्रश्नित्यम, 1961 (1961 का 43) की सारा 269 ष (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भुवनेश्वर भृवनेश्वर, दिनांक 13 जुलाई 1978

निदेश नं० 73/78--79/IAC(A/R)/BBSR---यतः मुझे अमरेन्द्र नाथ मिश्र

धायकर धिं विसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिं विसम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिं में प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० खाता नं० 255 है, जो मौजा रेमुग्रों में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, टालयेर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 30-12-1977 को

ूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत प्रधिक है थीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है ।

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधितियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या ६न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धय, उन्त धिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त धिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्राधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

(1) ग्रार्त बलभ नन्द, 2. जयन्ती देवी, 3 लक्ष्मी यलभ नन्द, 4. किशोर प्रभा नन्द, 5. किशोर यलभ नन्द, 6. चन्द्र प्रभा नन्द,

(भ्रन्तरक)

(1) फूल चन्द ग्रग्रवाल

(भ्रन्तरिती)

(1) श्रनुगोल यूनाइटेड केन्द्रीय समवाय बैंक, लिमि-टेड, ग्रनुगोल जिला ढेंकानाल

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पति है)। को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्वब्दीकरवा:-इसमें प्रयुक्त कक्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थे होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

जमीन श्रौर मकान मौजा रेमुंश्रों, थाना टालयेर, जिला ढेंकानाल में स्थित है। वह सम्पति टालयेर सब-रजिस्ट्रार तारीख 30-12-77 तारिख में रजिस्टार हुआ। ; जिसका डाकुमेंट नं० 997 है।

श्चमरेन्द्र नाथ मिश्र, सक्षम प्राधिकारी भहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भूवनेण्वर,

तारीख 13-7-1978. मोहर . प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 16 ग्रगस्त, 1978

सं० 75/78-79/IAC(A/R)/BBSR—-यतः मुझे श्रमरेन्द्र नाथ मिश्र,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० खाटा नं० 41 है, जो मौजा चन्द्रागड़ी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बालेश्वर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 12-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घिषक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक अप में किया गया है।——

- (क) घन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिक्तियम के घडीन कर देने के धन्तरक के शायित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (बा) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिनाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, उक्त भिष्ठितियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त मिष्ठितयम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निकिट व्यक्तियों, भर्षात्:— (1) श्री सन्तोष कुमार महान्ती

(मन्तरक)

(2) गोपाल सा मिल

(ग्रन्तरिती)

(3) मैंनेजिंग पार्टनर नित्यानंध मिश्र, (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है)।

को यह सूचना जारी भरके पूर्वोक्स संपत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति ब्रारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही मर्च होगा, जो उस ग्राध्याय में क्षिया गया है।

# **ग्रमुस्**ची

जमीन, 124 नम्बर प्लाट पर, मौजा चन्द्रागड़ी, जेल-रोड, बालेश्वर में स्थित है। वह जमीन बालेश्वर सब रिज-स्ट्रार श्राफिस में 12-12-77 तारीख में रिजस्टर हुआ ; जिसका डाकुमेंट नं० 5487 है।

> ग्रमरेन्द्र नाथ मिश्र, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भूवनेश्वर,

तारीख: 16-8-1978.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक रोहतक, दिनांक 10 श्रगस्त 1978

निर्देश सं० एस० पी० टी०/24/77-78—प्रतः मुझे रबीन्द्र कुमार पठानिया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

धौर जिसकी सं० भूमि 11 कनाल (6655 वर्गगंज) खेबट नं० 254, खाता नं० 365 किला नं० 54 है तथा जो ग्राम कुण्डली, तहसील सोनीपत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के घ्रधीन दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क), अन्तरण से हुई किसी माय की बाबस उक्त मिश्च-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/वा
- (खा) ऐसी किसी श्राय या किसी श्रन या मन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनियम, या श्रन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रविनियम को घारा 269-ग के सन्-सरण में मैं, उक्त प्रविनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रवीन निम्नलिखित श्रवितमों, स्थाँत्:—

- श्रीमती कैलाश रानी, विधवा श्री बालिकश्न वास निवासी, 26, प्रेम निवास मलकागंज रोड, देह्सी। (श्रन्सरक)
- 2. मैं० ए० झार० दत्त एण्ड सन्स 2-बी, ग्रलीपुर रोड, ं देहलीं।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीश्व से
  45 दिन की भन्नधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की भन्नधि, जो भी भन्नधि
  बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
  म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति म हितब किसी भ्रन्य अपक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्तों भीर पदों का, जो उक्त भिक्ष-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस, अध्याय में दिया गया है।

### मनुसुची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 11 कनाल, खेयट मं० 254, खाता नं० 365, किला नं० 54 (6655 वर्गगज) ग्रीर जोकि ग्राम कुण्डली तहसील सोनीपत।

(सम्मति जैसे कि रिजस्ट्रीकर्त्ता सोनीपत के कार्यालय में रिजस्ट्री क्रमांक 3473 तिथि 8-12-1977 पर दर्ज है।

> रवीन्त्र कुमार पठानिया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

सारीख: 10-8-1978

मोहर

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस० -----

आयकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के भ्रधीन सूत्रना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 16-8-1978

निदेश सं० के०टी०एल०/7/77-78श्रतः मुझे प्वीन्द्र कुमार पठानियां, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- २० से ग्रिधक है

जिसकी बिलिंडिंग मशीनरी सिहत है तथा जो गोबिन्द नगर, में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधारी के कार्यालय, कैथल में रिजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) तारीख दिसम्बर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रिष्ठिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कालत नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रश्नित्यम के भ्रष्टीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के क्लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घत या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था; छिपानें में मुंबिधा के लिए;

अतः मब, उनत मिधिनियम की धारा 269ग के धनुसरण में, मैं, उनत मिधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के मिधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
4—226GI/78

1 सर्विश्री सुखर्चैन लाल, सुरिन्द्र लाल सत प्रकाण प्रधान श्री जीवन लाल धीमान निवासी कैथल।

(अन्तरक)

2 मैंस० कैथल कटरज ट्रेकैथल ।

(ग्रन्तरिती)

की यह मुचना नारी करके (वॉक्न सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सारित के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीच सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिवितयम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही भर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनसूची

बिन्डिंग तथा मशीनरी (सर्विस स्टेशन तथा वर्कशाम) जोकि गोलंडन मोटर सर्विस स्टेशन के नाम से हैं तथा जो गोविन्व नगर, श्रम्बाला रोड पर स्थित है। (कुल रकबा जैसे प्लाट 400 वर्गगंज 5 बर्गफुट) (सम्पत्ति कि रजिस्ट्रीकर्ता कैथल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1894 तिथि 1-12-1977 पर दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठनियाँ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 16-8-1978

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०--

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 व (1) के भधीम सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सोनीपत रोष्ट रोहतक, दिनांक 18 श्रगस्त 1978

निर्देश सं० बी० जी० श्रार०/30/77-78—श्रतः मुझे रबीन्द्र कुमार पठनियां,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सदाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 5बी/4, एन० आई० टी० है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बलबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है!——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय को बाक्त, उक्त भिधिनयम के अभीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

् अतः मब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ——  मैस० लौलस प्राइवेट लिमिटेड एन० श्राई० टी०ं/ फरीदाबाद।

(ग्रन्तरक)

2. सर्वश्री मदन लाल, रोशन लाल, तिलकराज पुतान श्री राम चन्द 1ई०/56, एन० आई० टी० फरीदाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भ्रग्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के शब्दाय 20क में परिभा-वित हैं, वही शर्य होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

# अनुसूची

कोठी नं० 5बी/4, एन० श्राई० टी०, फरीवाबाद (सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्त्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3980 सिथि 5-12-1977 पर दर्ज है)।

> रवीन्द्र कुमार पठानियां सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 18-8-1978

प्ररूप माई० टी० एस० एस०------

आयकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज ग्रमृतसर कार्यालय श्रमृतसर, दिनांक 2 श्चर्यस्त 1978

निर्देश सं० ग्रमृतसर/33/78-79—यतः मुझे एस० के० गोयल प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- वपये से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा है तथा जो न्यू गारडन कौलोनी में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रजिहट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्ष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्ष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उस्त मधि-नियम, के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

मत:, भव, उक्त मिन्नियम की धारा 269-ग के मन्-सरण में मैं, उक्त मिनियम की घारा 269-म की उपचारा (1) के अधीन निम्निजियत स्थक्तियों, अर्थात् :---  श्री हरीण बाधवा सपुत्र द्वारका दास वाधवा 17 लारस रोड़ श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स पाइनीर इण्डस्ट्रीयल कारपोरेशन बटाला रोड। श्रमृतसर, द्वारा श्री तिलक राज।

(भ्रन्तरिती)

3. मैंसर्स पाइनीर इण्डस्ट्रीय कारपोरेशन बटाला रोड श्रमृतसर, द्वारा श्री तिलक राज। (वह मयित, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पित में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की लारीखा से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य ध्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त भिन नियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक जमीन का दुकड़ा जिसका कुल क्षेत्र 545 वर्ग गज है जैसे कि रजिस्ट्रीट्रैशन डीड न० 3580/जनवरी 1978, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी ग्रमुलसर शहर ने लिखा है।

> एस० के०गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, भ्रम्तसर

तारीख: 2-8-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

# फ्रायकर घ्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के घ्राधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रम्तसर

अमृतसर, दिनांक 2 अगस्त, 1978

निर्देश सं० बीटीएल|78-79|34|2-8-78—यतः मुझे एस० के० गोयलय

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रू॰ से ग्रिधिक है ग्रीर जिसकी सं० लैंड है तथा जो गांव मिर्जा जान तह० बटाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय बटाला तहसील में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त प्रधिनियम' के अधोन कर देने के प्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुतरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथितः---

- 1. श्री तारा सिंह सपुत्र सावन सिंह निवासी गांव सरवाली तहसील बटाला। (ग्रन्तरक)
  - श्री साधु सिंह सपुत्र श्री काला सिंह निवासी गांव मरवाली तहसील बटाला। (श्रन्तरिती)
  - जैसा िक उपर नं० 2 में भ्रंकित है ग्रौर यदि कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुची रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो 'उक्त छक्षि-नियम', के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं घर्ष होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि जिसका वर्ग 45 कनाल 10 मरले गाव सरवाली तहसील बटाला में है जैसा कि रजिस्ट्री डीड नं० 5802 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में लिखा है।

> एस० के० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 2-8-78

मोहर ः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

मार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यात्रा, महायक स्रायकर <mark>स्रायुक्त (निरीक्षण</mark>)

ग्रर्जन रेंज ग्रमृतसर कार्यालय ग्रमृतसर, दिनांक 2 श्रगस्त 1978

निर्देश सं० श्रमृतसर/78-79/357—यतः मुझे एस० के गोयल शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख ने प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उक्ति बाजार मृल्य 25,000/- र• से अधिक है

श्रौर जिसकी दुकान नं० 1775/1776/I, 665से 667/1-7 है तथा जो करमी डिपो डो में स्थित है (श्रौर इससे उपाय अमनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यात्य, श्रमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन , तारीख 19 दिसम्बर 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से भिषक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरित (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक स्वप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्तरण से हुई किसी मायकी बाबत उक्त प्रधि-नियम के मन्नीन कर देने के अम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव, उम्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उकत ग्रधिनियम की घारा 269-य की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रर्थात् :—  श्रीमती प्रकाश कौर पत्नी श्री इन्द्र सिंह चौक मृता सिंह, कूचा मसजिद बाला अमृतसर।

(भ्रन्तरक)

- श्री राजकुमार, विजय कुमार पुत्रान श्री रत्न चन्द निवासी कटड़ा मोती राम, गली वाग वाली श्रमृतसर (श्रन्तरिती)
- अी/श्रीमती/कुमारी जैसा कि एस० नं० 2 ऊपर और किराये दार यदि हो तो।
  - (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्री/श्रीमपी/कुमार श्रीर कोई व्यक्ति जो कि इस जायदाद में दिलचस्पी रखता हो)।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ध्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

दुकान नं० 1775/1776/1, 665 से 667/1-7 करमो डियोंडी ग्रमृतसर में है जैसा कि रजिस्ट्रीड डीड नं० 3138 तिथि 23-12-77 रजिस्ट्री में ग्रथारटी ग्रमृतसर शहर में लिखा है।

> एस० के० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 2-8-1978

मोहर

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायंकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज ग्रमृतसर कार्यालय ग्रमृतसर, दिनांक 3 ग्रगस्त 1978

निर्देश सं० बाटाला/78-79/36—यतः मुझे एम० के० गोयल

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भ्रन्तरिक (भ्रन्तरकों) भीर भ्रन्तरितों (भ्रन्तरितयों) के बीज ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदृश्य से उक्त भ्रन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसो प्राय को बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भतः भव, उक्त श्रिष्ठितियम की धारा 269ना के अनुसरण में, भें, उक्त श्रिधितियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के भधीन, निम्निकित व्यक्तियों अर्थात् :—  श्री गुरशरण सिंह सपूत्र मिलच सिंह वासी गांव विला वाजू तहसील बटासा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री गुरनाम सिंह गुरदेव सपूत्र श्री उजागर सिंह 7/8 हिसा, श्री तकदीर सिंह गुरदेव सिंह 1/8 हिसा गांव विलाबाजू बटाला।

(ग्रन्तरती)

3. श्री श्रीमती/कुमारी जैसा कि ऊपर नं० 2 में ग्रंकित है ग्रीर यदि कोई किराये दार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो रुचि रखता हो।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपझ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिशा गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 35 करनाल 17 मरले, गांव व वाड त० वटाला जैसे कि रजिस्टेंड नं० 6358/ फरवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी बटाला में लिखा है।

> एस० के० गोयल सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी स**ह**ायक ग्रायकर ग्रायुक्त) ग्रर्जन रेंज, अमृतसर

सा**रीख**: 3-8-1978

प्ररूप आई० टो० एन० एस०----

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्योत्य, महायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 26 जून 1978

निर्मेश सं० जी एसपी/22/78-79/—यतः मुझे एस० के० गोयल, श्राई० श्रार० एस० आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से श्रिधक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम बबेहाली, जिला गुरदासपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत धिषक है भीर भन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत, उक्त भिष्ठिनयम के प्रतीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या
- (था) ऐसी किसी माय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपामे में सुविधा के लिए,

ग्रतः भव, उक्त ग्रंधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं उक्त ग्रंधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीतः—-  श्री सण्डा सिंह पुत्र श्री गुलाबा, ग्राम बर्बेहाली, बर्बे हाली, तहसील—गुरदासपुर।

(अन्तरक)

- 2 श्रीमती सीरो उर्फ श्रीमती काम्मीर कौर पत्नी श्री निर्मेल सिंह, ग्राम-सोहल, तहसील गुरदासपुर। (ग्रन्तरिती)
- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर ग्रंक्ति है ग्रीर यदि कोई किरायेदार हो। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रघो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंत के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 519सी दिसम्बर 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी गुरदासपुर में लिखा है।

> एस० के० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 5-8-1978

प्ररूप ग्राई• टी• एन• एस•--

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 26 जून 1978

निर्वेश सं० पी० केटी/23/78-79—यतः मुझे एस० के० गोयल, श्राई० श्रार० एस० श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० भिम है तथा जो छन्नी, मकीमपर तहसील

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो छन्नी, मुकीमपर तहसील पटानकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्क श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पटानकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिसम्बर 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) और प्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिशियम के ग्रिशीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ब) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर घिषित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: मब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निश्चलिखित व्यक्तियों, सर्वात् :----  श्री गिरधारी उर्फ तारा सिंह पुत्र श्री प्यार्श सिंह ग्राम मिलकपुर तहसील—पठानकोट।

(भ्रन्तरक)

 श्री जसवन्त सिंह पुत्र श्री तारा सिंह ग्राम छन्नी मुकीमपुर, तहसील पठानकोट।

(ग्रन्तरिती)

- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि ऊपर ऋमांक 2 पर ग्रंक्ति है श्रौर यदि कोई किरायेदार हो । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है)
- 4. श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्धों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिश्चित्यम के प्रध्याय 20क में यथा-परिभाषित है, वहीं ग्रंथे होगा, जो उस प्रध्याय में वियो गया है।

# अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 3001 दिसम्बर 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी पठानकोट में लिखी है।

> एस० के० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,श्रमृतसर

तारीख : 26-6-1978

मोहरः

प्ररूप चाई ब्टी ब्एन ब्एस ब्----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-**ष** (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 25 जुलाई 1978

निदेश सं० एएस म्रार/30/78-79/—यतः मुझे एस० के० गोयल

क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मृत्य 25,000/- ६० मे प्रधिक है

क्रौर जिसकी सं कान नं 512-13/1-5 एवं दुकानें, भू-खण्ड 68 है तथा जो कटरा जैमल सिंह कूचा भटारियां श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपावढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय शहर श्रमृतसर में रजिस्ट्रीब-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिसम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मिम्रिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐस मन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है.—

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रक्षितियम, के श्रधीन कर देने के प्रकारक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुबिधा के लिए;

अतः मन, उक्त मिम्नियम की घारा 269-म के भ्रनुसरण मे, मैं, उक्त मिम्नियम की बारा 269-म की स्प्रारा (1) के मधीन निम्निखित व्यक्तियों, प्रशीत्:----5---226 GI/78

- 1. श्री जगगोहन नाथ शिवपुरी पुत्र पंडित विशम्बर नाथ शिवपुरी, कटरा जैमल सिंह, तूचा भटायरियां, श्रमुतसर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती जमिवन्दर कौर चौहान पत्नी श्री बलदेव सिंह चौहान निवासी ईस्ट मोहन मगर ग्रमृतसर। मर्वश्री मनोहर सिंह, हरचरण सिंह, दर्णन सिंह पुत्राग करतार सिंह निवासी गली नं० 3 बहादुर नगर, श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)

 जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 परश्रंक्ति है श्रौर यदि कोई किरायेदार हो।

(यह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हतवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेंन के संबंध में कोई मी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे:

स्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों भीर पदों का, जा उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय ने दिया गया है।

#### अनुसुची

मकान नं० 512/13/1-5 एवं दुकानें भू-खण्ड नं० 68 कटरा जैमल सिंह कूचा भटारियां श्रमृतसर जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख संख्या 3110 दिसम्बर 1977 में रिजस्ट्रीकृती अधि-कारी णहर श्रमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल सक्षम प्राधिकारी, सहापक स्राथकर प्रा<mark>युक्</mark>त (निरी**क्षण**), ग्रर्जन रेंज, प्रमृतसर

तारीख : 25-7-1978

प्ररूप आई० टी० एन०एस०-----

ग्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के मिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, वैजाग

बैजाग, दिनांक 10 जुलाई 1978

निर्वेश सं० 688— यतः, मुझे, एन० के० नागराजन, ग्रायकर श्रिष्ठनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पये से श्रीक्षक है

ग्रौर जिसकी सं० टी० एस० 1196/29 है, जो बैजाग में स्थित है (श्रौर इसमें उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, बैजाग में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 20 दिसम्बर 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) घोर अन्तरिती (घम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक इन्य से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रान्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के म्रान्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर भिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिन्नियम, या भनकर प्रश्चिनियम, या भनकर प्रश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रन्थ, उस्त भ्रिधिनियम की धारा 269ग के भन्सरण में, में, उस्त भिधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1)के भ्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रामीत्:—— श्री एम० सत्यन्नारायणराज्, बैजाग।

(ग्रन्तर्र्\*)

2 श्रोमती भगवनति मकानी, वैजाग।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई मां प्राक्षीय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी श्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रश्चोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के भ्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं, वही भर्य होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

### अनुसूची

वैजाग रजिस्ट्री श्रधिकारी से पांक्षिका श्रंत 30-12-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4515/77 में निगमित श्रनुसूची सपत्ती।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षीण) स्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 10-7-78

मोहरः

प प्रस्प माई०टी० एन० एस०——— ग्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 जुलाई 1978

निर्देश सं० 690—यतः, मुझे, न० के० नागराजन,

भ्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 9-14-30 है, जो वैजाग में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 24-12-77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर भन्तरक (श्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त भन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उस्त प्रधिनियम की प्रारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपद्वारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथति 1--- 1. डा० नारायण दिनकर परंजपे बैजाग।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री लाल चन्द चेताराम
  - (2) श्री दिलीप कुमार चेताराम
  - (3) श्री किसन चन्द चेताराम
  - (4) श्री श्रोशोक कुमार चेताराम
  - (5) श्रीमती सीता बाई चेताराम
  - (6) श्री मती शीला लालचन्द वैजाग।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (३) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे!

स्वध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रिप्ति-नियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही भयं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

वैजाग रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 31-12-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4621/77 में निगमित श्रनुसूची रांपत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 10-7-78

# प्रकप भाई - टी - एन - एस ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 26 जुलाई 1978

निर्वेश सं० 709—यतः मुझे एन० के० नागराजन मायकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी श्रार० एस० सं० 155 श्रीर 130/1 है, जो बड़लामानु में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नूजवीडु में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधयनिम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 19-12-77

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिशत प्रधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त मिश्चनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या घन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं ग्रन्तरिती द्वारा प्रस्टनहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्र**तः घव उक्त अधि**नियम की धारा 269-ग के श्रमुखरण में, मैं, उ**क्त प्रधिनिय**म की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयति :---

- 1. (1) श्री पी० विस्वेस्वरराव
  - (2) श्री पी० रामचन्द्राराव
  - (3) श्री पी० वेंकटासुब्बाराव
  - (4) श्री सी० ई० कल्पावल्ली
  - (5) श्रीमती डी० राधा हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री जी० वेंकटा सत्या गुरनाधाराव
  - (2) श्री जी० दुर्गा वेंकटा प्रसादा राव विजयवाड़ा। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोका सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हैं), के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
    45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध
    किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास
    लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रह्माय 20-क में यदापरिभाषित हैं, बही ग्रमें होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है

### अनुसूची

नूजिवीडु रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 31-12-77 में पजीकृत दस्तावेज नं० 4328/77 निगमित श्रनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 26-7-78

## प्रकप आई० टी० एम० एस०---

## भायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-[], श्रमहदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 9 श्रगस्त 1978

निर्देश सं० पी० श्रार० 598/एक्यू० 23-1120/7-4/78-79—-ग्रतः मुझे एस० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से प्रिधक है

ग्रौर जिसकी सं ग्रार एस नं 637 है तथा जो स्टेणन रोड़, गिरिराज सिनमा के पास नवसारी में स्थित है (ग्रौर इससे उपावत ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिसम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, भन्तरित को गई है और मुझे यह बिण्यास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से दूई किसी ग्राय की बागत उन्त प्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिय ग्रौर/या
- (खा) ऐसी किसी भाय या किसो धन या अन्य श्रास्थियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922का 11), या उम्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः ग्रब, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त म्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के म्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों मर्थात्:—

- 1. (1) श्री रामभाई भीखाभाई पटेल
  - (2) श्री परागभाई रामभाई पटेल कुल मुखतार. रामभाई भीखा भाई पटेल खाइसुपा, ता० नवसारी जिला बलसाइ।

(ग्रन्तरक)

- गुजरात हाऊसिंग कारपोरेशन भागीदार: (1) ज्योतिबेन गिरीशभाई देसाई
  - (2) श्री बंकिम चन्द्र भीखूभाई देसाई।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीम्त गर्म्यात - प्रज्ञेन के नियं कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षंप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में अकाशन की तारोख से 45 दिन की प्रावधिया तत्मबधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बार में भाष्ट होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से विनं स्वां स्वां का प्रवित्त होता हो.
- (ख) इस सूचना क राजपन्न में पराशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकेंगे।

स्पन्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जा उक्त प्रधिनियम के श्रध्याय २०-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, का उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

खुली जमीन जो भ्रार० एस० नं० 637 स्टेशन रोड, गिरिराज सिनेमा के पास नवसारी में स्थित है जिसका कुल माप 20691 वर्ग फुट है जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी नवसारी के दिसम्बर 1977 के रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1539 में प्रदिशत है।

एस० सी० परीख सक्षम श्रधिकारी सहायपः ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-॥, ग्रहमदानाद

तारीख . 9-8-1978

## प्ररूप प्राई०टी • एन • एस • ----

## भायकर प्रविनियम, 1961 (1961का 43) की भारा 269व (1) के श्रद्यौन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-॥, ग्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 9 श्रगस्त 1978

निर्देश सं० पी० श्रार० 599/एक्य/23-1121/7-4/78-79---श्रतः मुझे एस० सी० परीख बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से श्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० रे० सं० नं० 636 फैकी 934, 20 वर्ग मीटर है तथा जो गिरिराज एपार्टमेन्टस स्टेशन रोड, नवसारी मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 28-12-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) श्रीर प्रन्तरित (अन्तरितिया) के भीष ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखिन में वास्तिषक हप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय को बाबत, उक्त श्रिष्ठानियम क श्रधीन कर देने के शन्तरक के दायित्य में कमी करन या उसमें बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उम्ह श्रीधिनियम या प्रचन्कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) क अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए,

श्रवः श्रवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपद्वारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थीत '--- 1. श्री वनमाली भाई लल्भाई पटेल गांव सराई, नं कुल् नवसारी, जिला बलमाड ।

(अंतरक)

- 2. (1) श्री गोविन्त भाई रखजीभाई पटेल,
  - (2) श्री मगन भाई ग्रबाभाई पटेल,
  - (3) श्री रमजीका लाल धारजी भाई पटेल,
  - (4) श्री बचुभाई कुंवर पटेल जीभाई,
  - (5) श्री देवम भाई नपूभाई पटेल, गांधी नगर सोसायटी, नवसारी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की प्रविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. भूवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खारे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रत्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों सौर पदों का, जो उक्त स्रिशिनियम के स्रध्याय 20-क में परिमाधित है, बही प्रर्थ होगा, जो उस घट्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

खुली जमीन जो रै० सं० नं० 636 गिरिराज एपार्टमेन्टस के पास स्टेशन रोड, नक्सारी में स्थित है जिसका कुल माप 934.20 वर्ग मीटर है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रकारी नवसारी के दिसम्बर 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3594 में प्रदर्शित है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 9-8-1978

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-

पायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज∐, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 9 ग्रगस्त, 1978

निर्देश सं० पी० म्रार० 603/ए० मी० क्यू०- 23- 1051/6-2/78-79— स्रतः मुझे, एस० मी० परीख आयकर मिहिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से ग्राधिक है

प्रौर जिसकी सं० नं० 1008 ए०, 103/2, 1006(पी०), 1003/2, 1003(पी०), 1004/1, 1001/1(पी०), 1002/1(पी०), 1003/ए०। (पी०), 1069/2, 1030, 1008 प्रौर 1006, एकर 4 प्रौर 1181 वर्ग गज है तथा. जो इन्डस्ट्रीयल एस्टेट रोड, गोखा, बड़ौदा, में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय बडौदा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिसम्बर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूक्ष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्ष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भीर प्रस्तिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त श्रिकि नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

न्नतः मन, उक्त मिन्नियम को धारः 269-ग के धमुसरण में, में, टक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) मे० हिन्दुस्तान ब्राउन बोबेरीज लि० पोस्ट वाक्स नं० 124, मानेजा-3917101 (प्रस्तरक)
- (2) मे० कीएव कोरूगेशन धन्छड़ीज, प्रा० लि०, इन्डस्ट्रीयल एस्टेट रोड, गोखा, बडोदा-390003। (ग्रन्तिंग्ती)

को यह सूचना जारी करह प्वींकर सपति के प्रजैन क लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी खाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की घ्रविध्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घ्रविध्य, जो भी भविध्य बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्र) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, सधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

## श्रमुसूची

श्रवल संपति जो जमीन व मकान सं० नं० 1008-ए०, 1003/2, 1006(पी०), 1003/2, 1003/पी०, 1004/1, 1001(पी०), 1002/1(पी०), 1003/1ए० (पी०), 1029/2, इन्डस्ट्रीलय एस्टेंट रोड, गोखा, बड़ोदा, में स्थित है जिसका कुल माप 4 एकर 1181 वर्ग गज है। (1,84,469) वर्ग फुट) जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी बड़ोदा के दिसंबर 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3750 में प्रदर्शित है।

एस० सी० परीख, सज़म प्राधिकारी, महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख : 9-8-1978

प्ररूप भाई०टी० एम० एस०---

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-घ (1) के मधीन मूचना

नगरन सरकार

कार्यालय, महायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 श्रगस्त 1978

निर्देश सं० पी० श्रार० 604/ए० सी० नयू० 23-1052/6-2/78-79--श्रतः मुझे एस० सी० परीख, श्रामकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- इ० से श्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० नं० 276/1 (पैकी) नं० 71-72 कुल माप 15246 वर्ग फुट है। तथा जो वाबाजीपुरा, सिद्यनाथ रोड, बडोदा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बड़ोदा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिसगर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल ने ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) क बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य ने जक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथिन नहीं किया गया है:→─

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किया भाव या किसी धन या बन्ध भास्तियों को जिल्ल, भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्यात्:—

- (1) श्री एण्छानेन मनीलाल शाह बादु, ता० पद्दुर, जिला, बडोदा चन्दनबेन नागकुमार मकानी, भूपेन्द कुमार नागकुमार मकानी, हाथी पोल, बड़ोदा। (श्रन्तरक)
- (2) श्री श्रमरदीप एपटिमेन्ट्स को० ग्रा० हाउसींग सो० जय रतन जिल्डीन्ग के सामने, सिद्यनाथ रोड, बड़ोदा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूबना जारो करके पूर्वीका सम्पत्ति से प्रजंन के लिए कार्यबाहियां करता है।

उक्त मम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आर मे 45 दिन की धविध या तत्संबधी क्य क्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत मिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, यहीं भर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

खुली जमीन जिसका सं० न० 276/1 (पैकी) नं० 71-72 कुल माप 642.7—1051—6 वर्ग गज है श्रौर जो बाबजीपुरा वार्ड, सिद्यनाथ रोड, बडोदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी बडोदा के दिसंबर 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3753 में प्रदर्शित है।

एस० मी० परीख मक्षम प्राधिकारी, स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-<sup>II</sup>, ग्रहमदाबाद।

तारीख: 9-8-1978

प्ररूप भाई०टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 9 भ्रगस्त 1978

श्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 6 नोंध नं० 1927 है तथा जो महीदरपुरा, जाडा खाड़ी, सूरत में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 26-12-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण बिखित में वास्तविक स्था से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उका श्रिक्षित्यम के श्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या धन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः श्रवः, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के श्रभीम, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री हसमुखलाल रीतलाल मेहता, 'शिवम' प्लाट नं० 17, जुह स्कीम, बम्बई। (श्रन्तरक)
- (2) श्री नगीन भाई विठलभाई पटेल, महीदरपुरा, जाडा खाडी, सूरत। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यिं करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितगढ़ किसी प्रक्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्कां करण: --इसमें प्रयुवत शब्दों ग्रीर पदों का, जो उन्त अधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन व मकान जो वार्ड नं० 6, नींध नं० 1927, महीदरपुरा, जाडा खाड़ी, सूरत में स्थित है, जिसका कुल माप 120 वर्ग गज हैं जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सूरत के दिसंबर 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3891 में प्रदर्शित है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद ।

तारीखाः 9-8-1978

मोहर:

6-226GI/78

प्रारूप ग्राई० टी० एन० एस∙--

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के अधीन सूचना

#### भारत मरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 श्रगस्त 1978

निदेश सं० पी० म्रार० 606/ए० सी० क्यू० 23-1123/ 19-7/78-79—श्रतः मुझे, एस० सी० परीख आपकर अधिनियम, 1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- क• से मधिक है श्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 11, नोंध नं० 1892-बी०, है। तथा जो मुगलीसारा, सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिसंबर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रातिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर (भन्तरिती) (भन्तरितियो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया व्यक्तिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखत में वास्तविक 🗝प से कथित नहीं 😳 ागया है :---

- (क) बन्तरम स हुई किसा प्राय की बाबत, उक्त धिबिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसो किसो भाष या विसी धन या भन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उक्ष भाषानियम, की धारा 269-एक धनुसरण में, मैं, उक्त भाधनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्रीमित ग्रारेफाबेगम, शेख नूरूदीन मियां, की विधवा ग्रीर सैयद कमालूदीन मदनी, मुगली सारा, मुबारक मंजिल, सूरत। (ग्रन्तरक)
- (2) शेख श्रब्दुल हलीम श्रब्दुलगनी बरानपुरी भागेल, कुट सफिल रोड, सूरक्ष (हाल: मुबारक मंजिल, मुगलीसारा, सूरत)। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त मंपति के प्रजेन के संबंध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो अकत अधि-नियम, के भ्रष्ट्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन श्रीर मकान जो वार्ड नं० 11 नोंघ नं० 1892-बी०, मुगलीसारा, मेन रोड, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 196 वर्ग गज है जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ब्रधिकारी सूरत के दिसंबर 1977 के रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3190 में प्रदिशित है।

> एस०सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद।

तारीख: 9-8-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 9 ग्रगस्त, 1978

निर्देश सं० पी० ग्रार० 607/ए० सी० क्यु० 23-1124/ 19-7-/78-79---श्रतः मुझे एस० सी० परीख,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 10 नोंध नं० 1887 है। तथा जो बशेष्वरी माता पोल, सोगी पालिया, सूरत में स्थित हैं (श्रीर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिसंबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 '(1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रधीत् :—

- (1) श्री (1) रमणलाल मंछाराम मारफिनिया स्वयं तथा सगीर राजीव रमणलाल के कुल मुखतार
  - (2) शर्शाक रमणलाल मारफनिया,
  - (3) सुनील रमणलाल मारफिनया संगम सोसायटी, भ्रठवा लाइन्स, सूरत। (ग्रन्तरक)
- (2) (1) डाहयाभाई बिठलदास,
  - (2) हरकिशन दास बिठलदास,
  - (3) गंगाराम विठलदास,
  - (4) इम्बरलाल विठलदास इन्दरपुरा, बदरी रोड, सूरत।

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उम श्रध्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

जमीन भ्रौर मकान जो वार्ड नं० 11 नोंध नं० 1887 वशेश्वरी माता पोल, सोंनी फालिया, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 160 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सूरत के दिसंबर 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3191 में प्रदर्शित है।

> एस० पी० प**रीख** सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षण) सहायक स्रायकर स्रायुक्त स्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदा**बाद**।

तारीख: 9-8-1978

## प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 जुलाई 1978

निदेश सं० एस० एल० 449/टि० एम-210/सि० 202/ कल०-1/77-78—-- श्रतः मुझे, श्राई० वी० एस० जुनेजा भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- र० से मधिक है ग्रौर जिसकी सं० I है तथा जो रिपन् स्ट्रीट, केलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबब ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेन्ट प्लेस, नार्थं कलकत्ता, रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-12-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के वृक्ष्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और श्रम्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं हिया गया है:----

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उन्त अधिनियम, के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरण के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या धन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उता अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, नक्न अधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनयम की धारा 269-घ की सपद्मारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. (1) श्रीमती मनोरमा खान,
  - (2) श्री बरून कुमार खान, 26 सि०, श्रानन्व खान्न लेन, कलकत्ता-5 (ध्रन्तरक)
- 2. श्री फखरुह्नि श्रकबर श्रली, खासामवाला, 6, रिपन् स्ट्रीट, कलकत्ता (श्रन्तरिती)
- 3. (1) श्री मुहम्भद गियासुद्दिन,
  - (2) याकुब मित्रां,
  - (3) अनबर हुसेन,
  - (4) पी० मण्डल,
  - (5) के० एस० मिल्रा,
  - (६) धाजम प्रली,
  - (7) ई० ए० बिबि,
  - (8) ग्रान्ड होटल,
  - (9) जि० सिंह ब्रिगेडियर,
  - (10) मोती झान्जियानानी एण्ड ब्रादर्स,
  - (11) शिवजी भेलजी कोठारी। (वह व्यक्ति, जिनके ग्रिधिभोग में सम्पिति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्मवाहियां करता हूं।

उन्त सम्यक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि जो भी भविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत श्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1, रिपन स्ट्रीट, कलकत्ता में ग्रबस्थित 15 कट्टा 4 छटाक 8 वर्ग फिट जिमन पर मकान का 1/8 हिस्सा जो डीड् नं० I-5796 श्राफ 1977 ग्रनुसार रजिस्ट्री श्राफ एन्स्युरेन्स का पास रिजस्ट्री हुआ।

> श्राई० वी० एस० जूनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता ।

तारीख: 26-7-1978

प्ररूप प्राई• दी • एन० एस •----

⊮ आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के स्रघीन सूचमा

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 जुलाई 1978

निर्देश सं० एस० एल० 450/टि०-ग्रार०-211/सि०-201/कल०-I/77-78---- ग्रतः मुझे, ग्राई० वी० एस० जूनेजा आयजर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उन्त मधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारीको, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-४० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० <sup>I</sup> है तथा जो रिपन् स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेन्ट प्लेस, नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 16-12-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है मौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (मन्तरितियो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; और/या

लिखित में यास्तवित रूप से कथित नहीं किया गया है: -

(ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य मास्तिथों को, जिन्हें भारतीय माय-कर मिंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयंकर मिंधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः अ4, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 के ध्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 क की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयीत् :—

- (1) (1) श्रीमती मनोरमा खान
  - (2) श्री बरून कुमार खान, 26 सी०, श्रानन्द खान लेन, कलकत्ता-5। (श्रन्तरक)
- (2) नाजमृद्दिन फखरूद्दिन रन्गवाला, 6, रिपन स्ट्रीट, कलकत्ता । (श्रन्तरिती)
- (3)(1) मुहम्मद गियासुद्दिन,
  - (2) याकुब मिश्रा,
  - (3) भ्रनवर द्वसेन,
  - (4) पि० मन्डल,
  - (5) के० एस० मिन्ना,
  - (6) एम० ग्राजम भ्रली,
  - (7) ई० ए० बिबी,
  - (8) ग्रान्ड होटल,
  - (9) जि० सिह क्रिगेडियर,
  - (10) मोती झान्जियानानी एण्ड बादर्स,
  - (11) शिवजी भेलजी कोठारी। (बह व्यक्ति, जिनके श्रिधिभोग में सम्पति है)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां, करता हूं।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत अवक्तियों में से किसी अवक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबद किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के घष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस घष्ट्याय में दिया गया है।

#### बनुसूची

1, रिपन स्ट्रीट, कलकत्ता में ग्रबस्थित 15 कट्टा 4 छटाक 8 वर्ग फिट जमीन पर मकान का 1/8 हिस्सा जो छीड् नं॰ I-5797 श्राफ 1977 श्रनुसार रिजस्ट्री श्राफ एक्यूजीशन का पास रिजस्ट्री हुग्रा।

ग्राई० वी० एस० जूनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख: 26-7-1978

#### प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 26 जुलाई 1978

निर्देश सं० एम० एम० 451/टि॰ प्रार०-212/सी० 200/ कल०-I/77-78--- मत: मुझे, म्राई० वीं० एस० जुनेजा, श्रायकर भ्रिमिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मुल्य 25,000/- हपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० I है, तथा जो रिपन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से र्वाणत है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नेमेंट प्लेस, नार्थ कलकत्ता, में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 16 दिसम्बर, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति**फल के लिए ग्रन्तरित की गई** है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पुल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक हं और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए 🖂

(क) अन्तरम से हुई किया प्राप्त का बाबा अक्त श्रिष्ठिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तर∜ के वाबिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए : श्रौर/या

पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत धन्तरण

ेनिलिस में बास्तविक रूप । अधिन नहीं किया गया है ---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भाग या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाड्डिए था, छिपाने मे स्विधा के लिए;

अतः ग्रन, उक्त भ्रष्टिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुमरण में मैं, उबत अधिनियम की धारा 269-थ की बपवारा (1) के अक्षीन निम्नसिस्तित स्थमितयों, अर्थात्:--

- श्रीमती मनोरमा खान एंड वरण कुमार खान, 26 सी०, भानन्द खान लेन, कलकत्ता-5। (म्रन्तरक)
- सफिउद्दीन श्रकबरश्रली एस खासामगाला, 6, रिपन स्ट्रीट, कलकत्ता।

(ब्रन्तरिती)

- (1) मुहम्मद गियासुद्दीन
  - 2) याकुब मिश्रां
  - 3) ग्रनवर हुसैन
  - 4) पि० मन्डल,
  - कें० एस० मित्रा,
  - एम० ग्राजम ग्रली
  - ई० ए० बिवि०
  - (8) ग्रान्ड होटल
  - (9) जि॰ सिंह ब्रिगेडियर
  - (10) मोती झन्जियानानि
  - (11) शिवजी भेलजी कोठारी

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति

₹)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीकत सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मयधि या सत्संबंधी ध्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है। 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समात्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां मर्थ होगा जो उस झड्याय में दिया ् गया है।

## अनुसूची

15 कट्टा 4 छटांक, 8 वर्गफिट, जमीन पर 1 रिपन स्ट्रीट, कलकत्ता में, श्रधिकृत मकान का 1/8 हिस्सा जो० डीड नं० I-5796 श्राफ1977 के श्रनुसार रजिस्ट्रार ग्राफ एक्स्युरेन्स का पास रजिस्ट्रीकृत हुमा।

> ग्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता।

तारीख: 26-7-78

## प्रकप धाई • टी • एन • एस --

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 26 जुलाई, 1978

निर्देश सं० एम० एम० 452/टि०आर-213/सी०-199/ कस०-1/77-78--- अतः मुझे, आई० बी० एस० जुनेजा, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/•

रूपए से ग्रिधिक है

स्रौर जिसकी सं । है तथा जो रिपन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (स्रौर जो इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नमेंट प्लेस, नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 16-12-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की वाबत, उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा रे विए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर भाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए;

अतः अव, उनः अधिनियमं की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रविनियम, को धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- (1) श्रीमती मनोरमा खान एण्ड वरुण कुमार खान
   26, सी० ग्रानन्द खान, लैन, कलकत्ता-5।
   (श्रन्तरक)
- 2. ईनायत समसुद्दीन,
  - 6, रिपन स्ट्रीट, कलकत्ता ।

(ग्रन्तरिती)

- 3. (1) भुहम्मद गियासुहीन
  - (2) याकुब मिम्रां
  - (3) भ्रनवर हुसैन
  - (4) पि० मन्डल
  - (5) के० एस० मित्रा
  - (6) एम० ग्राजम ग्रली
  - (7) ई० ए० बिबी
  - (8) ग्रान्ड होटल
  - (9') जि॰ सिह ब्रिगेडियर
  - (10) मोती सन्जियाननी एंड ब्रावर्स
  - (11) शिवजी भेलज कोठारी

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के मर्बन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धनुसूची

 रिपन स्ट्रीट, कलकसा में ग्रवस्थित 15 कट्टा 4 छटांक 8 वर्ग फिट जमीन पर मकान का 1/8 हिस्सा सीं० डीड नं० I-5795 ग्राफ 1977 श्रनुसार रिजस्ट्री श्राफ एन्स्युरेन्स के पास रिजस्ट्री हुग्रा।

> ग्नाई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख: 26-7-78

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०— प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्योलय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV, 54, रफीग्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 8 श्रगस्त, 1978

निर्देण सं० ए०सि०-22/रें०-IV/कल०/78-79—- म्रतः मुझे भ्राई० वि० एस० जुनेजा आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 63, जि० टि० रोड है तथा जो भ्रासनसोल में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भ्रासनसोल में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 8-12-1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे बह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के मधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/पा
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिंगेथा, छिपाने में मुविधा के लिए:

स्तः प्रव, उक्त प्रधितियम की धारा 269-ग के नमुसरण में मैं, उक्त ग्रिधितियम की धारा 269 घ की उपनारा (1) के स्त्रीम निक्निविति व्यक्तियों, सर्वीत् :--- 1. श्री बिरेम्बर बनर्जी

(भ्रन्तरक)

 श्री नरेन्द्र कुमार बरमन , विनोद कुमार वर्मन, नन्द कुमार बर्मन

(भ्रन्तरिती)

टेकनो कमरिशयल,
 रथ को० स्टोर्स, बि० के० स्पोर्टस, के० आर० घोष
 (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में
 सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरो करके पूर्वीकन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या सत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों घौर पदों का, जो उक्त प्रिवित्यम, के भड़्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## **ग्रनु**सूची

63, जि॰ टि॰ रोड, घ्रासनसोल, 1 कट्ठा, 6 छटांक, जमीन तथा उस पर स्थित मकान जैसे कि दलिल सं॰ 6572 दि॰ 8-12-1977 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

ग्राई० वि० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-IV, 54, रकीग्रहमद किंदबई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 8-8-1978

मोहर ः

प्रकप धाई ॰ टी ॰ एन ॰ एस ॰---

भायकर मिस्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजैन रेंज-IV, 54, रफीम्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 ग्रगस्त 1978

निर्देश सं० ए० सी०-23/प्रार्जन रेंज-IV/कल०/78-79— अतः मुझे श्राई० वि० एस० जुनेजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० 62 जि० टि० रोड, है सथा जो भ्रासन सोल में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय ग्रासनसोल में रजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 6-12-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत मधिक है मौर मन्तरक (मन्तरकों) मौर मन्तरितो (पन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिश्वात में बास्तविक हा से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) चन्तरण से हुई किसी चाय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर होने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुतिधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐकी किसी साथ या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिं धिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत सिंधनियम, या धनकर घिं धिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती दारा प्रकट मही किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः भव, उन्त धिधिनियम की द्यारा 269-ग के भनु-सरग में, में, उन्त धिधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्:— 7—226GI/78 1. श्री बिरेश्वर बनर्जी

(भ्रन्तरक)

2 श्री राम कुमार बर्मन

(ग्रन्तरिती)

3. टेकनो कर्माशयल, मिलन स्पोर्टस, ग्रहमद जमाल, म० इसमाईल ग्रनवर

> (बह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) (इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त श∗दों और पदों का, जो उक्त ग्रीधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही ग्रंथ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

62, जि॰ टि॰ रोड, ग्रासनसोल, 2 कट्टा 7 छटांक, जमीन तथा उस पर स्थित माकन जैसे कि दलिल सं॰ 6578 दि॰ 6-12-1977 में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> ग्राई० वि० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज- , कलकत्ता। 54, रफीश्रहमद किदवई रोड ाकत्ता-16

तारीख 8-8-78 मोहर :

## प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के भिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) सं भार भार (निर्ण) भ्रर्जन रेंज-[V, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 8 भ्रगस्त 1978

निर्वेश सं० ए० सि०-28/ग्रर्जन-रें०-IV/कल०/78-79----ग्रतः मुझे ग्राई० वि० एस० जुनेजा,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भिष्ठक है

श्रौर जिसकी सं० 61, जि० टि० रोड, है, तथा जो श्रासनसोल में स्थित है (श्रौर जो इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रासनसोल में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 7-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत भिष्ठिक है और अन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत्।—

1. श्री बिरेश्वर बनर्जी

*भ*े (श्रन्तरक)

2. श्री बिमल कु० बर्मन

(ग्रन्तरिती)

 टेक्नो कार्माणयल, असगर डेकोरेटर्स, कृषिक टेलर्स, बि० एस० श्रटवाल, सोमन टेलर्स।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रजंन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा राकेंगे।

स्पच्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

## अमुसूची

9 कट्टा, 8 छटांक जमीन तथा उस पर स्थिस मकान, 61 जि॰ टि॰ रोड, ग्रासनसोल, जैसे कि दलिल सं॰ 6540 दि॰ 7-12-1977 में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है।

श्राई० वि० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज-[V, 54, रफोग्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख 8-8-1978 मोहर: प्ररूप भाई० टी॰ एन० एस०-

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण)

श्राई० ए० सि० एक्य रेंज, 2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 श्रगस्त 1978

निर्देश सं० ए० सी० 11/ग्रार-II/कल०/78-79--ग्रतः मझे ग्रार० मी० लालमोया,

ग्रायकर प्रिव्यतियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 9 है, तथा जो हेस्टिंगस पार्क रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार ग्राफ एस्युरेन्स, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 27-12-77

को पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में शास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावन, उक्त प्रधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रंब, उन्त यद्यिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उन्त मधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रंबीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थाता-- 1. श्रणोका मार्केटिंग लि०

(ग्रन्तरक)

- 2. मैंसर्स राधा छुष्ण चाउचारिया चारिटि ट्रस्ट, (श्रन्तरिती)
- दि ब्रोसानिक सिपिग, एजेंसी (प्रा०) लि०
   (वह व्यक्ति जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबधी व्यक्तियो पर सूचना की सामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20 क में परिभावित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## **धनुसूची**

ग्राट तला भें, फ्लैंट नं० 8 एफ, मकान का नाम णणस्री 9 नं० हेस्टिग्ज पार्क, रोड, कलकत्ता, उसका साथ एक कार पार्किंग स्पेस है।

ग्रार० मी० लालमोया सक्षम प्रा**धिकारी** स**हायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-<sup>II</sup>, 54 रफीग्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 7-8-78

प्रकृप माई० टी० एस० एस०----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 श्रगस्त 1978

निर्देश सं० ए० सि० 12/ग्रार-II/कल/78-79—ग्रतः मुझे, ग्रार० भी० लालमोया,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 खंके प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क∙ में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 15/1, है तथा जो महेश दत्त लेन पि० एस० ग्रालीपुर कलकत्ता-27 में स्थित है (ग्रौर जो इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 8-12-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिणत से भ्रधिक है और मृन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भन्तरिती, (भन्तरि-तियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नजिखित उद्देश्य से उनत मन्तरण जिख्यत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राम की वावत, उक्त श्रीज्ञ-नियम, के ग्रधीन कर केने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिर्धिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए या, खिपाने में मुविधा के लिए;

मतः मब, उन्त मिधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मिधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के मिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों मर्थात् :--- 1. श्री तारक चन्त्र दत्त

भ्रन्तरक)

2. रमेश चन्द्र पाल

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत संपत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा, ग्राधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पथ्धीकरण । - - इसमें प्रयुक्त काशों ग्रीर पदों का, जो उपत ग्रीक्षित्रमम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रंथ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## बनुसूची

प्रेमिसेस नं० 15/1, महेश दत्त लेन, पि० एस० मालिपुर, कलकत्ता-17 में 4 कट्ठा (4 Cattahs) खाली जमीन है।

म्रार० भी० लालमोया सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रावृक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 11-8-1978

प्रकप साई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 भ्रगस्त, 1978

निर्देश सं० एसि-26/ग्रर्जन रेज-IV/कल०/78-79---ग्रतः मुझे, एस० के० दासगुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- कु से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० 15/ए, है तथा जो प्रिन्स भ्रतवर शाह रोड, कलकत्ता-42 में स्थित है (श्रौर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भ्रालिपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-12-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिखित में वास्तविक कप से किंवत नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर बेंने के भ्रम्तरक के वायित्व में कभी करन था उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम' या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः सब, उन्त अधिनियम की खारा 269-ग के धनुसरक में, में, उन्त सिधिनियम की खारा 269म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों स्रथति :— 1. श्रीमति शोभा राणो भट्टाचार्य,

(ग्रन्तरक)

2. श्री राधा किशोर सिह

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्वति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किय जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसम प्रयुक्त मध्यों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

15/ए प्रिन्स अनवर णाह रोड, कलकत्ता-45, पर स्थित खालि जिमन, परिमान 7 कट्ठा 6 छटांक, 26 स्को० फिट, जैसे कि दलिल सं० 7909 दिनांक 15-12-77 में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दास गुप्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख 17-8-1978 मोहर : प्रस्प भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 जून 1978

निदेश नं० 1773/ए/ग्रर्जन/ब० शहर/77 78—ग्रतः मझे ग्रार० पी० भार्गव

आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है '

ग्रीर जिसकी सं . . . . . . है तथा जो . . . . . . में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 22-12-77 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधक है, भीर भन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठिनियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या धन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उनत प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- श्रीमती शान्ती देवी उर्फ शान्ता देवी स्त्री हरयस, श्रीमद्भी सुम्खा पत्नी दानवीर पुलियां खजानी नि० तातारपुर पीठवरन जिला बुलन्दशहर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बलजीत सिंह, सुरजीत सिंह, यशपालसिंह (ना० बा०) पुत्र सुखपालसिंह, हशनवीर सिंह, यशवीर सिंह, करनवीर सिंह, रिशीपाल सिंह वरानू (ना० बा०) पुत्र चन्द्रपाल सिंह निवासी ग्राम छप्तरा कीरत तहसील बरन जिला बुलन्दशहर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

जनत सम्बत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर
  सूचना की तासील से 30 दिन की भविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितब द्व
  किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

श्रचल कृषि सम्पत्ति 9 बीघा 19 बिस्वा और छः विस्वांसी स्थित तातारपुर जिला बु० शहर जो कि 95000/- के मूल्य में बेची गयी।

श्रार० पी० भार्गव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 30-6-78

## प्रकृष भाई • टी • एन • एस • ————— <sup>च</sup> भायकर भिष्ठिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण)

**भ्रर्जन** रेंज, कानपुर

तातीख 30-6-78

निदेश नं० प्रजंन/1753ए/बु० शहर/7778/1991—
प्रतः मुझे ग्रारं० पी० भागंत्र,
भायकर प्रिवित्तयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्तयम' कहा गया है),
की घारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूस्य 25,000/- ४० से प्रधिक है
प्रौर जिसकी सं०.....है तथा जो......में स्थित
है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बु० शहर में, रजिस्ट्रीकरण
श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख
1511-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्राधक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किंचा नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रीवित्यम, के मधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी थाय वा किसी धन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतं। धन, उक्त अधिनियम की धारा 269मा के अमृसरक में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात्:——

- 1. श्रीमती रामश्री विधवा धरमपालसिंह निवासी नऊयाना पो० द्वारिकापुर परगना वरन जि० बु० शहर (ग्रन्तरक)
- श्री महिपाल सिंह पुत्र रघुबीर सिंह निवासी सिकन्दरपुर पछवा परगना व तह० कोल जिला ग्रलीगढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:—इसम प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त प्रधित्यिम के प्रध्याय 20क में परिमाविद्य हैं, वही भयं होगा, जो उस शक्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

ग्रचल भूमि कृषि सम्पत्ति 17 बीघा 19 बिस्वा० व 17 बिस्वांसी स्थित ग्राम नज्याना जिला बुलन्दशहर 50,000) में बेची गयी।

न्नार० पी० भागेंव, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्</mark>षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 30-6-78

भक्प भाई• टी॰ एन॰ एस॰-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यावय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1978

निदेश न० प्रजेन/1595-ए/मु० नगर/77-78/2008---श्रतः मुझे श्रार० पी० भागेव

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के मधीन सम्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मधिक है

श्रीर जिसकी सं०.......है तथा जो.......में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कैराना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 23-12-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उक्तित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्छह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अश्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत जक्त भिन्न-नियम के भधीन कर देने के भक्तरक के वायित्व में कमी करके या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किमी भाय या किसी झन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या बन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्य भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अत, उक्त प्रधिनियम की धारा 269म के प्रनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 भ की उपधारा (1) के बाधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रयोत्:---

- श्री विजय कुमार सिंहल, घ्रजय कुमार, संजय कुमार पुत्रगण सालिक चंद व श्रीमती सुशीला देवी विधवा सालिक चंद नि० शामली, गुजरात्यनान जिला मु० नगर। (ग्रन्तरक)
- श्री नरेण चंद बंसल पुत्र राम स्वरूप, सुधीर कुमार बंसल व श्रशोक कुमार पुत्र नरेण चंद बंसल, निवासी बनत पो० खास परगना शामली, जिला मु० नगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधि या तस्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भ्रन्य क्यंक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

हम्परीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिश्तियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्च होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

## धमु सूची

भ्रचल सम्पत्ति भूमि व भवन स्थित देहली रोड, शामली, जिला मु० नगर, 50,000/- में बेची गयी।

> श्रार० पी० भार्गव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-7-78

मोहरः

भारत सरकार कार्यासय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

> ग्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 1 जुलाई 1978

निवेश नं० अर्जन/1649-ए/सहारनपुर/77-78/2006—अत: मुझे आर० पी० भागेंय
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गण है), को
धारा 269खं के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित
बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से प्रधिक है
और जिसकी सं०......है तथा जो......में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
16-12-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए पन्तरित की गई है मीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उन्ति वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पग्नह प्रतिशत से भिष्ठक है और अन्तर के (भग्नरकों) और अन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिधिक उद्देश्य से उन्त अन्तरण निकास में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्सरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त श्राधांतयम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दासिक में कभी करने या उससे बबने भें सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रत्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ंश्रतः श्रम, उनत प्रिवितयम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मिनियम को धारा 269-थ की सप्तारा (1) के गधीन निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अमंत् :--- 8--226GI/78

- श्रीमती सरस्वती देवी विधवा बलवन्त सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, नरेन्द्र कुमार सिंह पुत्रगण स्व० बलवन्त सिंह, निवासी लन्ठौरा परगना मंगलौर, तह० रुड़की, जिला सहारनपुर। (ग्रन्तरक)
- 2. पं० हरी राम पुत्न पं० लक्ष्मी चन्द्र, श्रवण कुमार शर्मा पुत्न हरी राम पं० देवकी नन्दन शर्मा पुत्न लक्ष्मी चंद, निवासी पठकवाड़ा, ज्वालापुर, तहसील रुड़की, जिला सहारनपुर । (ग्रन्करिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीस्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उमन सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस नूचना के राजपत्र में प्रकाशण की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनचढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिश्चिमयम के प्रद्याय 20-क में परिभाषित है, अही भ्रयं होगा जा उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसुची

भ्रयल सम्पत्ति भूमि व भवन स्थित लम्क्रौरा हाउस, कुशाघाट, हरिद्वार, 50,000/- में बेची गयी ।

> श्चार० पी० भागेंव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्चायुक्त, (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-7-78

## प्ररूप आई • टी • एन • एस •--

भाषकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269 भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

मार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 जुलाई, 1978

निदेश नं० म्रर्जन/1772-ए/बु० शहर/77-78/2009— म्रतः मुझे म्रार० पी० भागैव

आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द० से भिधिक है

श्रौर जिसकी सं ....... है तथा जो ...... में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बु शहर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 19-12-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, भीर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निक्षित में बास्तिक रूप से कृषित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त प्रक्षिनियम. के प्रधीन कर देने के प्रकारक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी झन या भन्य झास्तियों की जिन्हें भारतीय झाय-कर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठित्यम, या धन-कर पश्चितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के मजीन निम्नलिखित स्पन्तियों भवत् :---  श्री विजयपाल सिंह पुत्र गुलाब सिंह निवासी ग्राम् छपरावत पो० खास परगना भ्रगौता तहसील व जिला बुलन्य शहर ।

(ग्रन्सरक)

 श्रीमती नवल कौर स्त्री जीत सिंह निवासी ग्राम छपराव पो० खास परगना ग्रगौता तहसील व जिला बुलन्दशहर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जबत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप:⊶-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, को भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रश्चोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित है वहीं ग्रम् होगा जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

## **भ**मुसूची

श्रचल सम्पत्ति कृषि 33 बीघा 8 बिस्ना स्थित छपरावत जिला बुलन्दशहर 60,000) में बेची गयी।

> ग्रार० पी० भागैंव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-7-78

प्रकृप प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्तां(निरीक्षण)

ग्रर्जन रज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 ग्रगस्त, 1978

निवेश सं० 16237/मर्जन/बुढाना/77-78—म्मर्से एल० एम० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है स्प्रौर जिसकी स० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (श्रौर इससे उपाबस अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुढाना मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

तारीख 7-12-1977 को पूबोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत

नही किया गया है:—-

- (क) अन्तरग में हुई किनो आय भी नावत उपस अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (छ) ऐसी किसी भाष या किसी घन या भ्रन्य आस्तियों की. जिन्हें भारतीय भ्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, मब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री चेतू एवं फेअल पुत्रगण घसीटा नि॰ ग्राम शेरपुर, लुहारा वर्तमान ग्राम साबटू डा॰ सिसोंली जिला मुजफ्फर नगर (श्रन्तरक)
- 2. श्री भिक्षका पुत्र करीमुद्दीन, ग्रमरदीन समेवीन, शब्बीर हसन एवं शमीर पुत्रगण इस्माईल नि० ग्राम साबदू परगना शिकारपुर जिला मु० नगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध
  किसी भ्रन्य भ्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकेगे।

स्थव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो घीर पदो का, जा उनत प्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बही प्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

श्रचल सम्पत्ति कृषि भूमि 19 बीघा 12 बिरवा व 2 बिस्वांसी स्थित ग्राम सावटू परगना शिकारपुर जिला मुजपफरनगर 50,400 के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

> एल० एम० गुप्ता, मक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) भ्रजैन रज, कानपुर

ता**रीख** . 10-8-78 मोहर: प्रकृष भार्ष व्ही व एन व एस ०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 की 43) की

घारा 269ध (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-15, दिनांक 10 जुलाई, 1978

निवेश सं० एल० सी० 0208/78-79—यतः मुझे पी० स्रो० जोर्ज

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हैं से ग्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो एरनाकुलम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एरनाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 19-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमा बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भ्रमारिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उका स्राय-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किनो प्राप या किसो धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हे भारताय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था न किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

बता, भव, उनः प्रधितियम मा बारा 269ग १ . धनुसरण म नं, उन्त प्रधितियम, की घारा 269घ की उपधारा (1) के बचीन, निम्नलिखित स्पन्तियों अर्थातः :-- 1. श्री बी० नीलकण्डन

(भन्तरक्)

2. श्री के० जोसफ जाकव 2. के० पौलोस जाकब (ग्रन्सरिती)

को यह पूचना जारो हरके पूर्वोकायम्पत्ति के **सर्जन के** लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उना नम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मानेप :---

- (न) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की शबधिया तत्सबंधी क्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की शबधि, जो भी शबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस मूचना के राजनत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध क्सी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, मधोष्ट्रस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त पिधिनयम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, तती सर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया नया है।

## श्रनसूची

एरनाकुलम रजिस्ट्री ग्रिधिकारी से पजीकृत वस्ताबेज नं० 3305/1977 में निगमित श्रनसूची सम्पत्ति ।

पी० भ्रो० जोर्ज, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक म्रायकर भ्रायक्त, निरीक्षण) मर्जन रेंज, एरणामुजन,

तारीख: 10-7-1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

पायकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 11 जलाई, 1978

निदेश स० 210/78-79—यतः मझे पि० श्रो० जोरज, श्रायकर श्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रू० सं श्रिधक है

25,000/- रू० से झाधक है और जिसकी सं० ...... है जो कसाजा विलेज में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध भ्रमसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रिष्ठकारी के कार्यालय, कोजिकोड में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रिष्ठकारी के कार्यालय, कोजिकोड में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के भ्रिष्ठीन 30-12-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान भ्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है. और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान भ्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान भ्रतिफल का पन्द्रह भिताबत भिष्ठक है, भीर अन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिति (धन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया भ्रतिफल, निम्निस्थित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी भाग की बाबत हक्छ अधिनियम के अधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों की, जिम्हें भारतीय धायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्षिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए या, कियाने में सुविधा के लिए;

भराः भव, उक्त भविनियम, की धारा 269-ग के भनु-सरण में, मैं, उक्त सविनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बाबीन, निम्नकिबित स्पक्तियों, अर्थातः--- 1. श्री ए० वि० मनोन

(धन्तरक)

2. पूर्वत बवाई भौर तीन भावासियों

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की घर्याध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी भन्य व्यक्ति तारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा मरोंगे।

स्वक्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर परां का, जा उक्त भिधिनियम, क श्रद्धमाम 20-क में परिभाषित हैं। वहीं शर्म होगा जो उस श्रद्धमान में दिया गया है।

#### भनसूची

1/4th right in Building No. 19/1119A as per schedule to Doc. No. 712/77 of S.R. Kozhikode.

पी० भ्रो० जोरज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायक्त निरीक्षण भर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 11-7-1978

मोहरः

प्रकृष माई० टी० एन० एस०---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज, एरणाकुलम कोष्चिन-16,दिनांक 12 जुलाई, 1978 निदेश सं० एल० सी० 204/78-79—यतः मुभे पी० ग्रो० जोर्ज

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिंधिनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो नगलडोरी पंचायत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, तुत्ताला में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 28-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रस्तरण संहुई किसी ग्राय की बाबत, उक्स ग्रंथिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के बायित्व में कभी करने या संससे बचने में सुविधा के लिए: ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भन्य ग्रास्तियों, का जिन्ह भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या ग्रासकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या छिपाने में मुविधा के लिए;

धतः ग्रम, उनतः भविनियम की धारा 269-ण के भ्रनुसरण में, में, 'अनत मिन्नियम' की घारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निम्निलिखित अयक्तियों भर्यात :— 1. श्री ऊम्मर लब्बा मरक्कार

(ग्रन्तरक)

 (i) श्री स्लेमान (ii) श्रब्दू (iii) मुहम्मदूषी । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी सर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद कियी प्रकार व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के गम निविद्य में किए जास हैंगे।

स्वव्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पवीं का, जो ग्रायकर श्राधितयम के ग्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही ग्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है ।

## **प्रनुसू**ची

7.26 acres of agricultural land in Sy. Nos. 63/2, 62/2, 62/1, 62/2, 62/1, 2, 3, 63/2 and 46/7 of Nagalassery. Panchayat in Palghat District,

पी० भौ० जोर्ज, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीखाः 12-7-1978

प्रकृष ग्राई० टी॰ एन॰ एस॰----

मायकर मित्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की मारा 269-च (1) के मिन्नीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 12 जुलाई, 1978

निदेश सं० एल० सी० 206/78-79-यतः मुझे पी० ग्रो०

जोर्ज प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी संग्र प्रमुखी के प्रनुसार है, जो प्राट्टिंगल में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, प्राहिंगल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 28-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर धन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर धन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उन्त ग्रिश्चिम्यम के ग्रिश्चीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य प्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन-भर प्रधिनियम, या अन-भर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः सब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण म, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन; निम्निसिक्षतः व्यक्तियों सर्थात् ः 1. श्रीमती पत्तुम्माल बीवी

(ग्रम्सरक)

2. श्री गोपी

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पति के मर्जन के जिए वार्यवाहियां करता हूं।

### उन्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की कारी आ से 45 दिन की ग्रवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पथों का, जो उक्त भिन्न नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही भर्ष होंगा जो उस सम्याय में दिया गया है।

#### धनुसूची

भाहिंगल रजिस्ट्री अधिकारी से पंजीकृत दस्तावेज नं० 3957/77 में निगमित श्रनुसूची सम्पत्ति ।

पी० ग्रो० जोर्ज, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक भायकर घायुक्त) निरीक्षण भर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 12-7-1978

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ख (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 12 जुलाई 1978 निवेश सं० एल० सी० 207/78-79—यत: मुझे, पी० भो० जोर्ज

आज धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया हैं) की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ध्पये से प्रधिक हैं और जिसकी सं० प्रनुसूची के प्रनुसार है, जो आहिंगल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय श्राहिंगल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 29-12-1977

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धीर मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है धीर श्रन्तरक (श्रम्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किनिन्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की वाबत, उक्त अधि-नियम, के मधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रम्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: ग्रज, उक्त ग्राचिनियम की धारा 269-म के प्रनुत्तरण में, में, उक्त ग्राचिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्राचीन निम्नसिक्ति व्यक्तियों अर्थास्:— 1. श्रीमति पात्तुम्माल बीबी

(ग्रस्तर्क)

2. श्री गोपी

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिये कार्बेबाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विभ के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किमे जा मकोंगे।

स्यव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मिन-नियम के सम्याय 20-क में यदा परिभाषित हैं, वहीं पर्य होगा जो उन सम्याय में दिया गया है।

## **प्र**नुसूची

मार्ट्टिगल रजिस्ट्री मधिकारी से पंजीकृत वस्तावेज न॰ 3962/1977 में निगमित मनुसूची सम्पत्ति ।

पी० घो० जोर्ज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर घायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 12-7-1978

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आर्थेकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 1 जुलाई 1978

निदेश सं० एल० सी० 214/78-79—यतः मुझे, पी० स्रो० जोर्ज

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ग्रमुस्ची के ग्रनुसार हैं, जो कोल्लम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में पूर्ण रूप से क्रुणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोल्लम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 29-12-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरिस की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्क है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिसी (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से क्षियत नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बायत, उक्त अधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायिख्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्तिया के लिए;

भातः भाव उक्त भाषितियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं उक्त भाषितियम की धारा 269-व ती उपधारा (1) के अभीन निभ्नतिक्त व्यक्तियों मर्थातः— 1. श्री ए० वरदराजुलु

(भ्रन्तरक)

2. श्री राजन पी० जोण

(ग्रन्तरिती)

 श्री के० ग्ररजुना रडयार (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधि-भोग में सम्पत्ति है) ।

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेर:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविश्व, जो भी भविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उन्ह ग्रिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

1.66 acres of land together with building in Quilen—vide Schedule to Document No. 3426/77.

पी० श्रो० जोर्ज सअम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख<sup>.</sup> 19-7-78 मोहरः प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० -----

भागकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन गृबना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 18 जुलाई 1978

निदेश सं० एल० सी० 215/78-79--- यतः मुझे, पी० श्रो० जोर्ज

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से पिछक है

स्रौर जिसकी सं० भ्रमुसूची के श्रमुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 16-12-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्षित है भौर भन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरितों (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कर्ष से स्थान नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी भ्रत या श्रस्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधित्यम, या भ्रत-कर अधित्यम, या भ्रत-कर अधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाभं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनानें में स्विधा के लिए।

अतः अब, उना ग्रंधिनियम, की धारा 269-ग के धनु-तरण में, मै, उक्त ग्रंधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रंधीन, निम्नलिखित स्थक्तियों, शर्णत् :--~ 1. श्री वी० राजासेखरन नायर

(भ्रन्तरक)

2. श्री जोर्ज थोमस श्रीर ग्रन्य

(श्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किएं जा सकोंगे।

स्पव्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो अक्त भन्नि नियम के भ्रष्टगाय 20-ए में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

7 cents 167 Sq. links of Land together with a four storeyed building in Ernakulam—vide Schedule to Document No. 3281/77.

पी० श्रो० जोर्ज मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 18-7-1978

प्रकप भाई • टी • एन • एस • —

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 म (1) के भधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहामक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 18 जुलाई, 1978

निदेश सं० एन० सी० 216/78-79—यतः मुझे पी० श्रो० जोर्ज श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की श्रारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण

जिसका उचित बाजार मृत्य

है कि स्थावर सम्पत्ति, 25,000/- रु॰ से सधिक हैं

25,000/- के समाधक हैं
प्रौर जिसकी सं० प्रनुसूची के प्रनुसार है, जो शास्तमंगलम में स्थित
है (और इससे उपावद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, शास्तमंगलम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण
प्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 15-12-77
पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ ह
प्रतिगत से धिष्ठक है, भीर मन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रम्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रम्तरक के दायित्व में कभी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/पा
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर भिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

अत: भव उक्त भिक्षिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269 च की उपचारा (1) के अजीम निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्रीमती (1) उषा देवी (2) भारगवी श्रम्मा (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री चन्द्रशेकरन नायर (2) श्रीमती सरोजिनी श्रम्मा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अंजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकालन की नारीम्ब से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पणि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्कित में किए जा सकेंगें।

स्थव्योकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के मध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही भ्रषं होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है ।

#### ग्रनुसुधी

30 Cents of land with buildings in Sy. No. 228A1/3 in Sasthamangalam, Trivandrum.

पी० श्रो० जोर्ज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 18-7-1978

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-16 कोच्चिन-16, दिनांक 18 जुलाई 1978

निदेश सं० एल० सी० 217/78-79—यतः मुझे, पी० म्रो० जोर्ज,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रु० से मधिक है श्रौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो श्रालेप्पी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, भ्रालंप्पी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16). के म्रधीन 16-1-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे धुश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत भिष्ठक है और मन्तरक (भन्तरकों) ग्रीर मन्तरिती (मन्तरि-तियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों की जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या घन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए:

भ्रतः श्रवं, उक्त अधिनियमं की चारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियमं की धारा 269-व की उपभारा (1) के भ्रमीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:— श्री राधाकृष्ण रेड्डिगार ।

(ग्रन्तुस्क)

- (1) हाजी के० ग्रहम्मद कोया (2) रशीद कोया।
   (ग्रन्तरिती)
- 3. डाक घर । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अनेन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधीप:——े

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की घविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स सूचना के राजपब में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण :--इसमें प्रमुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क भें परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

13 Cents 690 Sq. links of land with buildings in Sy. Nos. 573/34C/3, 573/36/3, 573/36/5 of Alleppey Village.

े पी० भ्रो० जोर्ज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 18-7-1978

प्रकृप प्राई० टी० एन० एन०----

आयकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोचिचन-16

कोच्चिन-16, दिनांक 18 जुलाई 1978

निदेश सं० एल० सी० 218/78-79---यतः मुझे, पी० श्रो० जोर्ज.

श्रायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे रणमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिष्ठितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्ठीत सक्षम श्रिष्ठिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपण् से श्रिष्ठक है,

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो व्रिवेन्द्रम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, चालाय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 12-12-1977

को वूर्नोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्तिक के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह्व प्रतिशत से श्रीधक है भीर अन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरित (मन्तरितयो) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसो भाग का बाबत, उक्त भिधिनियम, के अधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किमो भाय या किसी धन या श्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर भिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रव, उक्त भिष्ठितियम की धारा 269-म के अनुसरण में, म, उक्त प्रधितियम की धारा 269-भ की उपधरा (1) के श्रधीन, निम्निजिखत व्यक्तियों, भर्णात्:—— 1. श्री ए० राजप्पन

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रबूबक्कर कोया

(ग्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं !

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवित्र, जो भी श्रवधि श्राद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पन्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा जो उस श्रध्याय से दिया गया है।

#### अनसूची

40 Cents of land together with building in Trivandrum City—vide Schedule to Document No. 2760/77.

पी० घ्रो० जोर्ज सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 18-7-1978

प्ररूप भाई । टी । एन । एस • ----

कायकर किविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-७ (1) के ब्राघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-16

कोच्चिन-16, दिनांक 18 जुलाई 1978

निदेश सं० एल० सी० 219/78-79—यतः मुझे पी० भ्रो० जीर्ज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके प्रश्वात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधक है

श्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो त्रिवेन्द्रम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालाय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-12-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण सं हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसा प्राय या किसी धन या प्रत्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिविनियम, या धन-कर ग्रिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उत्रत श्रांधेनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की श्रारा 269-म की उपधारा (1) के भ्रामीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्मात्:--- 1. श्री रामदास

(भ्रन्तरकः)

2. श्रीमती गनीमा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूबना जारो करके पुर्वाकत सम्पत्ति के भ्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के मम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी अयक्ति बारा;
- (ख) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के ग्रध्याय 20का में परिमाणित हैं, वही भ्रषं होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

#### अमृसची

25 Cents of land with Car shed in Trivandrum City—vide Schedule to Document No. 2778/77.

पी० भ्रो० जोर्ज सक्षम प्राधिकारी सह यक भ्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 18-7-78

मोहरः

प्ररूप आई० टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) में अधीन सूचना भारत नरकार

कार्यालय, सहायक भायकर धारुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II दिल्ली-1

4/14क, 7 सफझली मार्ग, नई दिल्ली। नई दिल्ली, दिनांक 11 श्रगस्त 1978

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/1318/78-79/

2152----श्रतः मुझे, कंवरजीत सिंह श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित अतार मुख्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है

कातर मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० 597 से 599 वार्ड नं० 1 है तथा जी
हामिलटन रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे
उपाबद्ध ध्रमुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता
श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6-1-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रम्तरित की गई है श्रीर मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है श्रीर
शन्तरक (शन्तरकों) श्रीर शन्तरिती (शन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिधितियम, के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के वाियत्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (ल) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या ध्रन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भुविधा के लिए;

यत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रक्षींत्:--

- (1) श्री शेख मोहम्मद नासिम, सुपुत्र स्वर्गीय श्री शेख अब्दुल करीम, निवासी 2177, श्रहाता काले साहिब, कास्समजन स्ट्रीट, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) सरदार कुपाल सिंह, सुपुत्र एम० बिश्रन्त सिंह, (2) महन्त सेवा दास, सुपुत्र सरदार मोहन सिंह, निवासी 12/65, पंजाबी बाग, दिल्ली (ग्रन्तरिती)

- (3) 1. श्री प्यारे लाल, वकील
  - 2. थी जैंसल सिंह, सुपुत श्री श्रर्जन सिंह
  - 3. श्री दलीय सिंह, सुपुत्र एस० श्रर्जन सिंह
  - 4. श्री दाल चन्द गुप्ता, सुयुत्र श्री रामा नन्द गुप्ता
  - मै० प्रोग्नेसिव इन्डस्ट्रीन, प्रो०, बृज मोहन कपूर
  - 6. मैं० क्वालीटी ग्राटों स्टोर
  - 7. मैं० कृपाल एन्टरप्राईज
  - श्री मनोहर लाल कपूर
  - श्री जगदीश प्रसाद गुफ्ता
  - 10. श्री ज्ञान प्रकाश
  - 11. श्री ऋषी कुमार गुप्ता
  - 12. मै० भ्रम्रवाल भ्राटो एजेन्सी
  - 13. मै० दिल्ली आटो इन्डएट्रीस
  - 14. एस० शेर सिंह तथा गुरदेश्रो सिंह
  - 15. श्री मदन मोहन करूर
  - 16. श्री सोम नाथ घोष
  - 17. श्री ए० के० बोस
  - 18. श्री प्रशीतोष मुखर्जी
  - 19. मैं० दिल्ली मोटर साईकिल कं०
  - 20. मैं० श्राटो डिसट्रीब्यूटरस

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारो करक पूर्वोक्त सम्पक्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी म्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
  में हितबज किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्ष होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

#### अमुसूर्याः

एक तीन मंजिली बिलिंडिंग जोकि 285 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बनी हुई है, जिसका नं० 597 से 599, वार्ड नं० 1 है, हामिलटन रोड, काश्मीरी गेट, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्वः गली

ू पश्चिम:दुकान नं० 596 उत्तर: अन्य की जायदाद दक्षिण: फुट पाथ तथा बजार

कंवरजीत सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर **भायुक्त (**निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 11-8-1978

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### New Delhi-110011, the 15th July 1978

No. A.32013/1/77-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri P. C. Mathur, a permanent officer of the Section Officer's Grade of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretary on ad hoc basis in Grade I of the service for the period from 12th June 1978 to 12th July 1978 or until further orders, whichever is earlier.

#### The 22nd July 1978 -

No. A.32013/3/76-Admn.I.—In continuation of this office notification of even No. dated 29th March 1978 the President is pleased to appoint Shri A. N. Kolhatkar, an officer of the Indian Revenue Service (Income Tax) as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission for a further period from 1st July 1978 to 51st December 1978, or until further orders, whichever is earlier.

#### The 29th July 1978

No A. 32013/1/77-Admn. I—In continuation of notification of even No. Dated 22-4-78 the President is pleased to allow S/Shri L. B. Sinate and Pritain Lal, permanent officers of the Section Officer's Grade of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to continue to officiate in Grade I of the service for the further periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

S. No. Name	Period
1. Shri L. B. Sinate	16-7-78 to 16-9-78
2. Shri Pritam Lal	16-7-78 to 31-8-78

#### The 31st July 1978

No. P/1837-Admn.I.—The Services of Dr. V. S. Misra, formerly Reader in the University of Allahabad and officiating as Deputy Secretary, Union Public Service Commission, are replaced at the disposal of the University of Allahabad with effect from 31st July 1978 (AN).

#### The 3rd August 1978

No. A. 32013/1/77-Admn. I:—In continuation of notifications of even No. dated 25-5-78 and dated 16-6-78 the President is pleased to allow S/ Shri T. N. Channa and B. R. Verma, permanent officers of the Section Officer's Grade of the CSS cadre of the Umon Public Service Commission to continue to officiate in Grade I of the service on ad-hoc basis for the further periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

S. No.	Name	Period
1. Shri T. N. Channa		9-7-78 to 12-7-78 and 17-7-78 to 31-8-78
2. Shri B.	R. Verma	9-7-78 to 31-7-78

#### The 4th August 1978

No. P/1818-Admn.I.—Dr. V. Subramanyan, formerly Principal Scientific Officer in the Department of Science and Technology, who has been appointed as Deputy Sccretary in the office of the Union Public Service Commission for a period of one year w.e.f. 1st September 1977 vide this office notification of even number dated 16th August 1977, is allowed to continue as Deputy Secretary for a further period of one year w.e.f. 1st September 1978, or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 10th August 1978

No. PF/-S-37/65-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri Sardarı Lal, Dy. Supdt. of Police, C.B.I./S.P.E. to

officiate as Supdt. of Police in the C.B.1./S.P.E. in a temporary capacity with effect from 31st July 1978 (F.N.) and until further orders.

No. PF/G-49/66-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri Gursem Singh, Dy. Supdt. of Police, C.B.L./S.P.E. to officiate as Supdt. of Police in the C.B.L./S.P.E. in a temporary capacity with effect from the forenoon of 29-7-78 and until further orders.

No. PF/R-7/69-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri R. M. Singh, Dy. Supdt. of Police, C.B.I./S.P.E. to officiate as Supdt. of Police in the C.B.I./S.P.E, in a temporary capacity with effect from 29th July 1978 (FN) and until further orders.

K. K. PURI Dy. Director (Admn.) C. B. I.

#### New Delhi, the 9th August 1978

No. PF/K-9/71-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri K. N. Sharma, Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation on promotion as Senior Public Prosecutor on ad-hoc basis with effect from the afternoon of 6th July 1978 and until further orders.

#### The 11th August 1978

No. A-19036/20/78-Ad.V.—The Director, C.B.I. and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby promotes Shri M. D. Singh, Inspector of Police, C.B.I. to officiate as Dy. Supdt. of Police in C.B.I., S.P.B. with effect from the forenoon of 20th July 1978 in a temporary capacity and until further orders.

M. K. AGARWAL
Administrative Officer(A)
Central Bureau of Investigation

#### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 10th August 1978

No. P.VII-6/77-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion, Subedar B. S. Athwal of CRPF to the post of Deputy Superintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in a temporary capacity until further orders.

2. He took over charge of the post in 56 Bn., CRPF on 29th July 1978 (FN).

A. K. BANDYOPADHYAY Assistant Director (Adm.)

## OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 9th August 1978

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer from Khetri Col. B. D. Bhanot assumed the charge of the post of Commandant CISF Unit NFL Naya Nangal with effect from the forenoon of 12th July 1978.

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer from Hardwar Lt. Col. R. S. Randhawa assumed the charge of the post of Commandant CISF Unit KCC Khetrinngar with effect from the forenoon of 19th July 1978.

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer to Hoshangabad Shri D. D. Tuteja, relinquished the charge of the post of Commandant CISF Unit IPCL Baroda with effect the afternoon of 22nd July 1978.

On transfer from Korba Shri D. S. Treasure assumed the charge of the post of Commandant CISF Unit IPCL Baroda with effect from the afternoon of 22nd July 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from ISRO Thumba Shri Inder Mohan assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit, BHEL (HEEP), Hardwar with effect from the forenoon of 27th May 1978.

This supercedes the notification of even number dated 5th July 1978.

#### The 10th August 1978

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer Shri D. V. Behl assumed the charge of the post of Commandant CISF Trg. Reserve 1&2, New Delhi with effect from the afternoon of 1st July 1978 vice Shri M. S. Rana Commandant who relinquished the charge of the said post w.e.f. the same date.

▶ No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer Shri D. V. Behl relinquished the charge of the post of Group Commandant, CISF Group HQrs. New Delhi, with effect from the afternoon of 1st July 1978 and Shri M. S. Rana assumed the charge of the said post with effect from the same date.

R. C. GOPAL Inspector-General/CISF

#### MINISTRY OF FINANCE

# DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas, the 10th August 1978

File No. BNP/C/5/78.—Shri C. V. N. Elayathu, Permanent Junior Supervisor (Civil) is promoted on regular basis to officiate as Assistant Engineer (Civil) in the scale of Pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Bank Note Press, Dewas with effect from 4th August 1978 (F.N.) until further orders.

File No. BNP/C/5/78.—In continuation of this Department's Notification number BNP/C/5/78 dated 7th June 1978 the ad-hoc appointment of Shri H. R. Sharma as Deputy Central Officer in Bank Note Press, Dewas is extended upto 31st August 1978.

P. S. SHIVARAM General Manager

#### INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT

#### OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENFRAL OF INDIA

New Delhi, the 14th August 1978

No. 1035-CA. 1/103-78—Addl. Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Comml.) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post the mas such in the offices against each name in column 3 with effect from the dates mentioned in column 4 below, until further orders:—

Name of the SO (C)	Office where working before promotion	Office where posted on promotion as A.O. (C)	Date of posting as offg. A.O. (C)
1	2	3	4
S/ Shri 1. B. Hanumantha Rao	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Bangalore.	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Calcutta.	14-7-78 AN
2. Shiy Charan Lal Gupta	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Dehradun.	Accountant General, West Bengal, Calcutta.	14-7-78 FN
3. P. L. Bhagwat	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Bhopal.	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Ranchi.	10-7-78 FN
4. S. Rangarajan	AG-II, Tamil Nadu, Madras.	A.G., Orissa, Bhubaneswar	12-7-78 FN
5. I. D. Singh	A. G., Rajasthan, Jaipur.	MAB & Ex-officio DCA, Ranchi	, 22-7-78 FN
6. C. Ganeswara Rao	AG-II, Andhra Pradesh, Hyderabad.	A. G., Orissa, Bhubaneswar	12-7-78 FN
7. Samir Kanti Pal Chaudhury	MAB & Ex-officio DCA, Calcutta.	MAB & Ex-officio DCA, Calcutta	19-6-78 FN
8. H. S. Ramakrishna	MAB & Ex-officio DCA, Bangalore.	AG-II, West Bengal, Calcutta	14-7-78 AN
9. R. S. Shachan	AG-II, Uttar Pradesh.	AG-II, Bihar, Patna	30-6-78 FN

S. D. BHATTACHARYA

Joint Director (Commercial)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

#### Trivandrum, the 8th August 1978

No. Estt A, VII/9-86/Vol.II/129.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint the undermentioned Officiating Accounts Officers (Audit and Accounts) of this office in substantive capacity in the Accounts Officers' Grade of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from the dates shown against each:

- 1. Shri M. Gopinathan Nair 1-5-78.
- 2. Smt. P. K. Aleyamma 9-5-78.

S. JAYARAMAN,

Dy. Accountant General (Admn.)

#### MINISTRY OF DEFENCE

#### INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

### DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 10th August 1978

No. 36/78/G.—The President is pleased to appoint Dr. Narendra Chandra MALAKAR, Permt. A.M.O. as Offg. Assistant Director of Health Services, w.e.f. 29th June 1978, until further orders.

V. K. MEHTA Asstt. Director General, Ordnance Factories

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 9th August 1978

No. A-1/1(1123).—The Director General, Supplies & Disposals hereby appoints Shri T. K. Chakraborty, Supdt. in the office of the Director of Inspection, Calcutta, to officiate on regular basis as Asstt. Director (Admn.) (Gr. II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Calcutta with effect from the forenoon of 21st July, 1978 and until further orders.

P. D. SETH Deputy Director (Administration)

for Director General of Supplies & Disposals

# MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 8th August 1978

No. A 19011(237)/78-Estt. A.—The President is pleased to appoint Shri D. G. P. Raju, Asstt. Mining Geologist, Indian Bureau of Mines to the post of Junior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 22nd July, 1978, until further orders.

#### The 10th August 1978

No. A 19011(47)/76-Estt. A.—The President is plensed to appoint Shri H. N. Wanare, Deputy Controller of Mines, Indian Bureau of Mines to officiate as Regional Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 28th July, 1978, until further orders.

No. A.19011(207)/76-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri M. S. Khamesra, Assistant Controller of Mines, Indian Bureau of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 26th June, 78, until further orders.

S. BALAGOPAL, Head of Office

# DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY NATIONAL ATLAS ORGANISATION

Calcutta-19, the 9th August 1978

No. 35-2/78/Fstt.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri M. P. Rai, permanent Hindi Translator is promoted to officiate in the post of Hindi Officer in the National Atlas Organisation, with effect from 1-8-1978, until further orders.

S. P. DAS GUPTA Director

### MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING PUBLICATIONS DIVISION

New Delhi, the 18th July 1978

No. A.12026/2/78-Admn.I(II).—In continuation of this Division's Notification No. A.12026/2/78-Admn. I. dated 15-5-78 Director, Publications Division is pleased to allow Shri S. C. Jain, to continue to officiate further as Assistant Business Manager on ad-hoc basis vice Shri R. B. Singh, Assistant Business Manager granted extension of leave for the period from 2-7-1978 to 17-7-1978.

INDRAJ SINGII
Dy. Director (Admn.)
for Director

### DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 9th August 1978

No. A.31015/1/77-Estt.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints the following officers in substantive capacity in the post of Assistant Media Executive in this Directorate with effect from 26th July, 1978:—

- 1. Shri Harnam Singh
- 2. Shri R. N. Chadha
- 3. Shri Pranvir Gupta
- 4. Shii Ved Parkash.

#### The 10th August 1978

No. A.12026/5/78-Estt.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Bhaskar Nayar, Technical Assistant (Advertising) to officiate as Assistant Media Fxecutive in this Directorate on ad-hoc basis with effect from 2nd August, 1978(I-N) vide Shri R. R. Rao, A.M.E. granted leave.

R. DEVASAR

Deputy Director (Admn)

for Director of Advertising and Visual Publicity

### DIRFCTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES New Delhi, the 5th August 1978

No. A.12026/7/78(JIP)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. S. Srinivasan, Assistant Accounts Officer, Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education & Research, Pondicherry, to the post of Administrative Officer in the same Institute with effect from the forenoon of the 26th April, 1978 on an ad-hoc basis and until further orders.

2. Consequent on his appointment as Administrative Officer, Shii P. S. Stinivasan relinquished charge of the post of Assistant Accounts Officer. Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry on the forenoon of the 26th April, 1978.

#### The 9th August 1978

No. A.12026/1/78(HQ)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri T. N. Zalpuri, Section Officer, Directorate General of Health Services to the post of Industrial Establishment Officer (Stores) in the same Directorate with effect from the forenoon of 1st July 1978, on an ad-hoc basis until further orders.

S. L. KUTHIALA

Dy. Director Administration (O&M)

# New Delhi, the 11th August 1978 CORRIGENDUM

No. A.12026/7/78-SI.—For the existing entry "(Group B non-gazetted)" occurring in the fourth line of this Directorate's notification of even No. dated 10-7-78, please read "(Group B Gazetted)"

SANGAT SINGH

Dy Director Administration (Stores).

# MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION HEAD OFFICE

Faridabad, the 8th August 1978

No. A.19023/22/78-A.III.—Shri V. Krishnan, Marketing Officer (under suspension) has been removed from service in accordance with the C.C.S. (Classification, Control & Appeal) Rules 1965, with effect from 6-7-78 (F.N.).

#### The 9th August 1978

No. A.19023/64/78-A.III.—Shri S. V. Krishnamurthy Assistant Marketing Officer, has been appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) at Madras with effect from 7-7-78 (F.N.) on short-term basis for a period of 3 months or until regular arrangements are made, whichever is garlier.

- 2. On his promotion as Marketing Officer, Shri Krishnamurthy relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at Nagapatinam in the afternoon of 5-7-78.
- No. A.1.025/65/78-A III- The short term appointment of the following officers to the posts of Assistant Marketing Officers (Group I) have been extended up to 31st October, 1978, or until regular arrangements are made, whichever is earlier—
  - 1. Shri R. S. Singh
  - 2. Shri B. N. K. Sinha
  - 3. Shri Nand Lal Singh
  - 4. Shri A. N. Rao
  - 5. Shri Ram Vir Singh Yadav
- 4 6. Shri M. P. Singh
  - 7. Shri D. P. Singh
- 8. Shri II, N. Rai
  - 9. Shri D. N. Rao
  - 10. Shri S. P. Shinde
- 11. Shri R. C. Munshi
- 12 Shri K. K. Tiwni
- 13. Shri S. K. Mellik
- 14. Shri S. D. Kathalkar
- 15. Shri R. K. Pande
- 16. Shri M. Jagan Mohan Rao
- 17. Shri K. K. S. Sirohi
- 18. Shrimati Ansuya Sivarajan
- 19. Shri V.F. Edwin.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agriculture Marketing Adviser
to the Govt. of India

### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

#### TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP (Thana-401504), the 25th July 1978

No. TAPS/1/19(3)/76-R.—In partial modification of the office Notification of even number dated December 10. 1977, the appointment of Shri G. D. Baviskar as Assistant Accounts Officer in Tarapur Atomic Power Station on deputation basis may be read as for a period of one year with effect from 7-11-1977 (Aafternoon) or until further orders.

A. D. DESAI Chief Administrative Officer

#### DIRECTORATE OF PRINTING New Delhi, the 19th August 1978

#### CORRIGENDUM

No. I(1)/AII.—Please read "17-4-1978" instead of "18-4-1978" appearing in the fourth line of this Directorate's Notification No. 1(1)/AII dated the 1st May 1978 regarding appointment of Shri Mani Lal Iswary, Overseer as Asstt. Manager (Tech.) in the Directorate of Printing.

M. M. JOSHI Deputy Director (Admn.)

### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

#### New Delhi, the 10th August 1978

No. A.31013/1/78.E.I.—The President has been pleased to appoint Shri I. R. Menon, Officiating Deputy Director, Regulations & Information, in the Civil Aviation' Deptt. in a substantive capacity in that post with effect from the 6th January, 1978.

P. C. JAIN

Assistant Director of Administration

#### Now Delhi, the August 1978

No. A. 32013/5/77-EA.—On return from deputation from the Govt. of Mauritius the undermentioned officers assumed charge as Senior Aerodrome Officer:—

19-7-78	CATC,	Allahabad
21-7-78	Delhi Palam	Airport
		19-7-78 CATC, 21-7-78 Delhi Palam

2. The undermentioned Senior Aerodrome Officers have assumed charge as Aerodrome Officer on reversion:—

S. No. Name	Date	Station
1. Shri H. W. Ambler		ATC, Bamrauli Allahabad)
2. Shri Kripa Shankar	31-7-78 E	Delhi Airport, alam

#### The 9th August 1978

No. A.32013/3/78-EA.—The President has been pleased to appoint Shri K. Gopal, Senior Aerodrome Officer to the post of Regional Controller of Aerodrome, Delhi Region, New Delhi with effect from the 2nd June 1978 and upto the 1st August, 1978, on purely ad-hoc basis, vice Shri Jagdish Chandra, who was transferred to Headquarters as Deputy Director (Tarrif Examination) at Headquarters for the above period.

2. The Notification of even number dated 6th July 1978 is hereby cancelled.

V. V. JOHRI

Asstt. Director of Administration

#### OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

#### Bombay, the 9th August 1978

No. 1/7/78-EST.—The Director General, Overscas Communications Service, hereby appoints Shri J. Mukhopadhyay, Technical Assistant, Calcutta as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 13-3-78 to 12-5-78 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

No. 1/311/78-FST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. S. Paes, Supervisor. Bombay Branch as Deputy Traffic Manager, in un officiating capacity in the same branch, for the period from 8-5-78 to 24-6-78 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

No. 1/452/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri H. Balasubramanian, Technical Assistant, Switching Complex, Bombay, as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same office, for the period from 2-1-78 to 25-2-78 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

No. 1/361/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. R. Kamble, Technical Assistant, Poona Branch, as Assistant Engineer in an officiating capacity, purely on ad-hoc basis, in the same Branch, with effect from the forenoon of 3rd April, 1978, and until further orders.

No. 1/425/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Basu, Supervisor, Calcutta Branch as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 5-12-77 to 13-2-78 (both days inclusive) against a short-term vacancy on ad-hoc basis, and with effect from the forenoon of the 22nd April, 1978 and until further orders, on a regular basis.

No. 17459/78-EST.—The Director General, O.C.S., hereby appoints Shri S. Jeyaraj as Assistant Engineer, in a temporary capacity, in Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 1st July, 1978, and until further orders.

P. K. G. NAYAR Director (Admn.) for Director General

# DIRECTORATE OF O & M SERVICES CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 10th August 1978

No. 12/78.—Shri D. C. Gupta lately posted as Superintendent of Central Excise, Faridabad in Chandigarh Collectorate, on his appointment as Junior Analyst in the Directorate of O & M Services, (Customs and Central Excise), New Delhi, on deputation, assumed charge of the post on 10-7-78 (F.N.).

Sd/- ILLIGIBLE
Director of O & M Services,
Customs and Central Excise

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 9th August 1978

No. 27-E/C(34)/77-EC-II.—Shri M. Chakravarty (Maheswar Chakravarty) Surveyor of Works in the office of the Chief Engineer, Arunachal Pradesh, Central P.W.D., New Itanagar-79110, on attaining the age of superannuation, has retired from Government service w.e.f. 30th November, 1977 A.N.

S. S. P. RAU

Dy Director of Admn.,

for Director General-Works

### MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. G. Versteeg & Company Private Limited.

Bombay, the 27th July 1978

No. 8103/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. G. Versteeg & Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Jaspal Finance & Chit Savings Private Limited

Bombay, the 27th July 1978

No. 15098/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expirntion of three mouths from the date hereof the name of the M/s. Jaspal Finance & Chit Savings

Private Limited, unless cause is shown to the contary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Apradnya Chemicals Private Limited
Bombay, the 27th July 1978

No. 17327/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Apradnya Chemicals Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. B. Lachman Private Limited

Bombay, the 29th July 1978

No. 17624/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. B. Lachman Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. A. VIJAYAN MENON. Asstt. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. New Students Stores Private Limited

Cuttack, the 10th August 1978

No. S.O/218-1831(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. New Students Stores Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Kartar Savings Fund Private Limited

Cuttack, the 10th August 1978

No. S.O./650-1832(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Kartar Savings Fund Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Progressive Technicians Private Limited

Cuttack, the 10th August 1978

No. S.O./299-1833(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Progressive Technicians Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be sruck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Orissa Enterprises Private Limited

Cuttack, the 10th August 1978

No. S.O/469-1834(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Orissa Enterprises Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and he said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Mahanadi Industries Private Limited

Cuttack, the 10th August 1978

No. S.O./432-1835(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Mahanadi Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

D. K. PAUL Registrar of Companies, Orissa In the matter of the Companies Act, 1956, and of J. B. Trading Corporation Limited

Juliundur, the 11th August 1978

No. G/Stat/560/4857.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the J. B. Trading Corporation Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL Registrar of Companies, Punjab, H.P. & Chandigarh

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 19th August 1978

Ref. No. 322/HSR/78-79.—Whereas, f. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Hoshiarpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on December 1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

(1) Shri Ram Parkash Bagi s/o Shri Churanji Lal s/o Shri Lubhu Ram, Watch Maker, Kotwali Bazar Hoshiarpur.

(Transferoi)

(2) Shrimati Gurmit Kaur wd/o Shri Harbans Singh, H. No. B-III/468/6, Jagatpura, Hoshia pur.

(Transferec)

(3) As per S. No. 2 above. (person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A double storey house bearing No. B-III, 468/6, Jagat-pura, Hoshiarpur as mentioned in sale deed No. 3073 of Dec., 1977 registered with the S.R. Hoshiarpur.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhat nda

Date: 19-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME.TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 19th August 1978

Ref. No. 323/FZR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Ferozepur City, (and more fully described in the Schedule annexed

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ferozepur on December 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tarnsferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Dr. Rajindor Kumar Gulati s/o Shri Ramji Daes Gulati s/o Shri Devi Dayal, Buta Mal Street, Ferozepur City.

(Transferor)

(2) Dr. Mrs. Raj Kumari Gulati d/o Shri Amar Nath and w/o Shri Rajinder Kumar, Buta Mal Street, Ferozepur City.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above. (person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property,

  (Person whom the undersigned knows to be
  interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th share in a single storeyed residential house-cumnursing home property situated in Buta Mal Street and bearing Municipality No. 995 as mentioned in sale deed No. 4061 of December 1977 registered with the S.R. Ferozepur.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 19-8-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 11th August 1978

Ref. No. I.A.C/Acq/Bpl/78-79/1096.—Whereas, I, R. K. BALI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land & Building situated at Ambikapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Ambikapur on 16-12-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transfer to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Sarguja Ice & Cold Storage, Ambikapur through its partners (1) Shri Kishorilal (2) Shri Surajbhan (3) Shri Roshanlal all sons of Shri Dhajaram (4) Shri Shyamlal S/o Shri Kishorilal Agarwal all r/o Mahamaya Poad, Ambikapur, Sarguja.

(Transferor)

(2) Shri Belasingh S/o Shri Gangasingh (2) Shri Kulwantsingh (3) Shri Rajendarsingh both sons of Shri Belasingh all r/o Manedragarh Road, Ambikapur Dist. Sarguja.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land 0.810 Hect. Buildings, trees and well P.H. No. 36B, Kh. No. 157/4 situated at gramnamna Kala, Ambikapur (Fully described in document No. 1949, registered by the sub-registrar, Ambikapur on 16-12-77).

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 11-8-1978.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 5th August 1978

C.R. No. 62/14498/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Residential House bearing Ml. No. 25, situated at XX cross, Cubbonpet, Bangalore (Division No. 41),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Bangalore Doc. No. 2588/77-78 on 8-12-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'sald Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

11-226 GI/78

(1) Shri Rudrappa alisa K. Mariyappa, S/o late Keppanna, No. 9, Grant Road, Bangalore-1, (Transferor(s))

(2) Shri B. Jagannath, S/o Sri B. Basappa, No. 17-18, X cross, Cubbonpet, Bangalore-2.

(Transferee(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2588/77-78 dated 8-12-77] Residential House bearing Ml. No. 25, XX cross, Cubbonpet, Division No. 41, Bangalore.

Boundaries :--

North: Gunjappa's property, South: Kisandas's property, East: Puttappa's property, and West: 20th cross Road.

J. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-8-78.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 5th August 1978

C.R. No. 62/14527/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. House No. 27, situated at Sanjeevappa lane, Kavadi Revanna Setty pet, B'lore (Div. No. 41), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Doc. No. 2700/77-78 on 15-2-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1.) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri N. S. Narasimhan, S/o Late N. K. Siddappa, and N. Jayakumar, S/o Sri N. S. Narasimhan, Both residing at Gouri Vilas, OOty, Tamil Nadu.

  (Transferor(s))
- (2) 1. S. Jaganath, S/o Late D. Sankappa, 2. S. Chandrappa S/o Late D. Sankappa, Both residing at: No. 143, 15th Cross, Cubbonpet, Bangalore.

(Transferee(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2700/77-78, dated 15-12-77] House No. 27, Sanjeevappa Lane, Kavadi Revenna Setty pet, Bangalore (Div. No. 41).

Boundaries :-

North: Conservancy lane, South: Sanjeevappa lane, East: Godabai's property and West: Patadi Venkatappa's property.

J. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-8-1978

П

#### FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (3 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 5th August 1978

C.R. No. 62/14915/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

> RS. No. T.S. No. Extent A.C. Kissan 445-1 Garden

together with house bearing Door No. 16-192 with all contents and trees etc. situated at Attavar village, Balmatta

Ward, Mangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore Doc. No. 718/77-78 on 29-12-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument c transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mmoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

S/o Shri K. Shivasangappa (1) Shri K. Rajashekar, Shetty, Falnir, Mangalore Town.

[Transferor(s)]

(2) Shri I. V. Dayakar Rao, S/o I. V. Rama Rao, C.A. Balmatta, Mangalore Town.

or

Opp. 575003. Bunts Hostel, Karangalpady, Mangalore-

[Transferee(s)]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 718/77-78, dated 29-12-77]

RS. No. T.S. No. Kissan Extent A.C.

Garden

together with house bearing Door No. 16-192 with all contents and trees, etc. Attavar village, Balmatta Ward, Mangalore.

445-1

Boundaries :-

N: Kalpane Road

1043

S: Plot of the Vendor retained, E: Plot of N.F. Pinto used on pathway.

W: Plot of F. Menezes.

J. S. RAO, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 5th August 1978

C.R. No. 62/15110/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. Extent A.C. 86/3-D 0.1 and 86/6-A 0.66 0.67

situated at together with house bearing Door No. 13-2-31, well, trees and compound walls etc. in Moodanidambur Village, Ajjarkad Ward, Church Road, Udipi, S. K. Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udipi Doc. No. 730/77-78 on 2-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. M. Uma, W/o Dr. M. Mohan Rao, No. 521, Poonamallee High Road, Madrag-84.
  - Smt. K. Usha, W/o Dr. K. Madhava Adiga, No. 523, Poonamallee High Road, Madras-84.
  - 3. Smt. K. Thara, W/o K. Mohan Rao,
  - Smt. U. Prabha, D/o Dr. U. Mohan Rao both residing at No. 524, Poonamallee High Road, Madras-84.

Nos. 1 to 4 represented herein by their duly constituted Attorney Sri K. Narayana Rao, S/o K. Gopalakrishnayya, Land holder, Kidiyur, Udipi Taluk, S. K. Dist.

(Transferor)

(2) Shri N. Seetharamarao Kamath, S/o N. Ganapathy Kamath, Regd. Medical Practitioner, Church Road, Udipi Town, S. K. Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 730/77-78, dated 2-1-78]
Survey No. Extent
A.C.
86/3-D 0.1 and

86/6-A 0.66

0.67

together with house bearing Door No. 13-2-31, well, trees and compound walls etc. Moodanidambur Village, Ajjarkad Ward, Church Road, Udipi, S. K. Dist.

J. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 5-8-78.

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 5th August 1978

C.R. No. 62/15116/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Sy. No. Kissan Extent A.C.
88/25 Dry 0.28
together with building bearing Door No. 5-4-33 and 33A
situated at Bailur Ward, No. 76, Badagabettu Village, Udipi,
S. K. Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udipi Doc. No. 749/77-78 on 10-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Ramesh Bhat Uchila, S/o Shri Anantha Bhat Uchila, Business by profession residing at Hubli Town.

(Transferor)

(2) Shri Doddanna Mahabala Shetty, S/o Mahabala Shetty, Administrator, Dodsai Private Ltd. Bombay. Residing at Elinge Bhandsaie House, Elinje Village, Mangalore Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thics notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 749/77-78, dated 10-1-78]
Sy. No. Kissan Extent A.C.
88/25 Dry 0.28 together with
building bearing Door No. 5-4-33 and 33A, Bailur Ward,
No. 76, Badagabettu village, Udipi.

J. S. RAO,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 5-8-78.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-6, the 7th July 1978

Ref. No. 29/DEC/77.—Whereas, I, A. T. GOVINDAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

50-B situated at Harrington Road, Chetpet, Madras-31, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub Treasury Office, Periamet on 15th December 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Mrs. Zahra Begum Namazi; 2. Mirza Mohamed Hussain Namazi @ Syadman Namazi; 3. Mirza Mohamed Naqui Namazi @ Shabaz Namazi; Mirza Mohamed Jawad Namazi @ Shayestch Namazi; 5. Thayabae Namazi; & 6. Mrs. Fazileh Namazi; "Namazi House", 50-A, Harrington Road, Chetpet, Madras-31.

(Transferor)

(2) The Sherwood Educational Society, 50-B, Harrington Road, Chetpet, Madras-31.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & Buildings at No. 50-B, Harrington Road, Chetpet, Madras-31.

A. T. GOVINDAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 7-7-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-6, the 17th June 1978

Ref. No. 6/Dec./77.—Whereas, I A. T. GOVINDAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24, situated at Perumal Mudali Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet, Madras-1 on 30-11-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Milapchand R. Shah; Shri Rajendra M. Shah; & Shri Hemanthkumar M Shah, 1/C College Road, Nungambakkam, Madras-6.

(Transferor)

(2) Shri P. N. P. T. Bashcer, 1st Floor, 19, Mecrā Lebbai Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

House ground and premises in the western row and being No. 24, Perumal Mudali Street, George Town, Madras-1 in Survey No. R.S. 10719.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 17-6-1978

(1) M/s. A. M. Ahmed & Co. 255, Linghi Chetty St. Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### ....,

#### (2) Shri A. M. Shamsudcen, Pudumanai Street, Adiramapattinam, Thanjavur District.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-6, the 26th June 1978

Ref. No. 1/DEC./77.—Whereas, I A. T. GOVINDAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 284, situated at Linghi Chetty Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Joint Sub Registrar, Madras North, Madras on December 7, 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Half share in Land and buildings at 284, Linghi Chetty Street, Madras-1.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons manuely:—

Date: 26-6-1978

(1) Shii Bhagaban Barik.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Bijoy Chandra Mobapatra.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
9, FOREST PARK, BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 14th July 1978

Ref. No. 74/78-79/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

P.S. No. 214 situated at Bahar Bisinabar,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dist. Sub-Registrar, Cuttack on 5-12-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

The land is situated at Mouza-Bahar Bisinabar, Cuttack under the jurisdiction of Dist. Sub-Registrar, Cuttack and registered by sale document No. 6121 dated 5-12-77.

A. N. MISRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar

Date: 14-7-1978

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

12--226 GI/78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

9, FOREST PARK, BHUBANESWAR-9
Bhubancswar-9, the 13th July 1978

Ref. No. 73/78-79/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khata No. 255 situated at Mouza-Remuan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talcher on 30-12-1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. (1) Arta Balav Nanda,

(2) Jayanti Devi.
(3) Laxmi Balav Nanda,
(4) Krishna Prava Nanda,
Dist. Dhenkanal

(5) Kishore Balav Nanda,

(6) Chandra Prava Nanda,

(Transferor)

 Shri Phul Chand Agarwalla, Talcher town, Dist. Dhenkanal

(Transferee)

3. The Angul United Central Co-operative Bank Ltd., Angul, Dist. Dhenkanal.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The land with building located at Mouza-Remuan, P. S. Talcher, Dist. Dhenkanal under the jurisdiction of Sub-Registrar, Talcher nd registered by sale document No. 997 dated 30-12-77.

A. N. MISRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhūbaneswar

Date: 13-7-1978

(1) Shri Santosh Kumar Mohanty.

nanda Mishra.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 9, FOREST PARK, BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 16th August 1978

Ref. No. 75/78-79/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Khata No. 41 situated at Mouza-Chandragadi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Balasore on 12-12-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Anantagopal Saw Mill, Managing Partner, Nitya-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The land is situated over Plot No. 124 at Mouza-Chandragadi, Jail Road, Balasore under the jurisdiction of Sub-Registrar, Balasore and registered by sale document No. 5487 dated 12-12-77.

A. N. MISRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar

Date: 16-8-1978

 Smt. Kailash Rani Wd/o Shri Bal Kishan Dass R/o 26, Prem Niwas, Malka Ganj Road, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s A.R. Datt & Sons, 2-B, Alipore Road, Delhi.

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 10th August 1978

Ref. No. SPT/24/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. I and measuring 11 kunals (6655 sq. yds.) Khewat No. 254, Khata No. 365, Kila No. 54 situated at Village Kundli. Teh. Sonepat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in December 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by nay other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land meastring 11 kanals, Khewat No. 254, Khata No. 365, Kila No. 54 (6655 sq. yards) situated in Village Kundli, Teh. Sonepat.

(Property as mentioned in sale deed registered at Sr. No. 3473 dated 8-12-1977 with the Sub-Registrar, Soneput).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### S/Shri Sukhchain Lal, Surinder Lal Sat Parkash sons of Shri Jeewan Ram Dhiman, R/o Kaithal.

(Transferor)

#### (2) M/s Kaithal Tractors, Kaithal.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 16th August 1978

Ref. No. KTL/7/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. Property including machinery situated at Gobind Nagar, Ambala Road, Kaithal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kaithal in December 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building and Machinery fitted thereon (Service station and workshop) known as Golden Motor Service Station situated at Gobind Nagar, Ambala Road, Kaithal (Aica of plot 400 sq. yards 5 sq. ft.)

(Property as mentioned in the sale deed registered at Sl. No. 1894, dated 1-12-1977 with the Sub-Registrar; Kaithal)

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 16-8-1978

(1) M/s. Lauls Pvt. Ltd., N.I.T. Faridabad.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 18th August 1978

Ref. No. BGR/30/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. 5B/4, N.I.T. situated at Faridabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in December 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) S/Shri Madan Lal, Roshan Lal, Tilak Raj, sons of Shri Ram Chand, IE/56, N.I.T. Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bungalow/Plot No. 5B/4, N.I.T. Faridabad. (Property as mentioned in sale deed registered at serial No. 3980 dated 5-12-1977 with the Sub-Registrar, Ballabgarh.)

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 2nd August 1978

Ref. No. ASR/78-79/33.—Whereas, 1 S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at New Garden Colony, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Amritsar City in January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act', to the following persons namely:—

 Shri Harish Wadhwa s/o Shri Dwarka Dass R/O 17, Lawrance Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s Pioneer Industrial Corporation Through Shri Tilak Raj, Batala Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenants, if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any person interest in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One plot of land measuring 545 sq. yds. as mentioned in the registered deed No. 3580 of January 1978 of registering Authority, Amritsar City.

S. K. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 2-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd August 1978

Ref. No. BTL/78-79/34.—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at Vill. Mirzajan Teh. Batala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Batala Tehsil in January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Tara Singh s/o Shri Sawan Singh R/O Village Sarwali Teh. Batala.

(Transferor)

(2) Shri Sadhu Singh s/o Shri Kala Singh, R/O Village Sarwali, Teh. Batala.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above and tenants, if any.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

K M
Agricultural land measuring 45-10 situated at village Sarwali Tehsil Batala as mentioned in the registered deed No. 5802 of January 1978 of Registering Authority Batala, Distt. Gurdaspur.

S. K. GOYAL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 2-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd August 1978

Ref. No. ASR/78-79/35.—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shops No. 1775/1776/1, 665 to 667/1-7, Karmon Deori, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar City in December 1977,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
13—226GI/78

 Shrimati Parkash Kaur w/o Shu Inder Singh Chowk Moona Singh, Kucha Masjid Wala, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumai Vijay Kumai 55/0 Shri Rattan Chand R/0 Kt. Moti Rain, Gali Bagh Wali Amrit-591.

(Transferce)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s), if any (Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Shops in Karmon Deori Asr. bearing No. 1775/1776/1. 665 to 667/1-7, as mentioned in the registered deed No. 3138 dated 23-12-77 of registering Authority Amritsar City.

S. K. GOYAL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,

Acquisition Range, Amrītsar

Date: 2-8-1978

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd August 1978

Ref. No. BTL/78-79/36.—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at Vill. Vila Raju. Teh. Batala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Teh. Batala in February 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to the disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gursharan Singh s/o Shri Malik Singh R/O Village Vila Baju, Teh. Batala.

(Transferor)

(2) Shri Gurnam Singh, Gurdev Singh ss/o Shri Uŋâgar Singh 7/8th share, Shri Takdir Singh s/o Gurdev Singh 1/8 share. Village Vna Baju Teh. Batala.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

K M
Agricultural land measuring 35-17 situated at village Villa
Baju Teh. Batala as mentioned in the registered deed No. 6358
of February 1978 of registering Authority Batala.

S. K. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 2-8-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 26th June 1978

Ref. No. GSP/22/78-79.—Whereas, I, S. K. GOYAL. I.R.S.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

land situated at village Babchali Distt. Gurdaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gurdaspur in Dec. 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Jhanda Singh S/o Shri Gulaba, Vill. Babehali, Teh. Gurdaspur.

(Transferor)

Smt. Seero alias Smt. Kashmir Kaur, w/o Shri Nirmal Singh, Vill. Sohal, Tehsil Gurdaspur.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s), if any.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the regd. deed No. 5198 of Dec. 1977 of Registering Authority, Gurdaspur.

S. K. GOYAL I.R.S., Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Dated: 26-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 26th June 1978

Ref. No. PKT/23/78-79.—Whereas, I. S. K. GOYAL, J.R.S. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land situated at Chhanni Mukimpur, Tehsil Pathaukot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pathankot in Dec. 1977 than for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Girdhari alias Tara Singh s/o Shri Piara Singh, Vill. Malikpur, Tehsil, Pathankot.

(Transferor)

(2) Shri Jaswant Singh s/o Shri Tara Singh, Vill. Chhanni Mukimpur, Tehsil Pathankot.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s), if any.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the regd. deed No. 3001 of Dec. 1977 of Registering Authority, Pathankot.

S. K. GOYAL, IRS.,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 26-6-1978

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITIN RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 26th July 1978

Ref. No. ASR/30/78-79/25.-Whereas, I, S. K. GOYAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 512-13/1-5 and situated at Shops and Plot No. 68 Kt. Jaimal Singh Kucha Bhatarian, Amiitsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in Dec. 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Jagmohan Nath Shivpuri s/o Pandit Bishambher Nath, Shivpuri Kucha Bhatarian, Katra Jaimal Singh, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Jaswinder Kaur Chauhan w/o Shri Badev Singh r/o East Mohan Nagar, Amritsar S/Shri Manohar Singh, Harcharan Singh, Darshan Singh ss/o Kar-tar Singh R/O Gali No. 3, Bahadur Nagar, Amritsar.

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s), if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPL(NATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Cahpter.

#### THE SCHEDULE

H. No. 512-13/1-5 and shops and also bearing plot No. 68 katra Jaimal Singh, Kucha. Bhatarian, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 3110 of December, 1977 of Registering Authority, Amritsar City.

> S. K. GOYAL. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Dated: 26-7-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1978

Acy. File Ref. No. 688.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1196/29 situated at 19th Ward, Visakhapatnam

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 20-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Manthina Satyanarayana Raju, s/o Venkataraju, Near Travellers' Bungalow, Peak View, 10-1-8C, Kailas Area, Visakhapatnam-3.

(Transferor)

(2) Shri Bhagawanti Mankani, w/o Narayandas Mankani, c/o Sonia Show Room, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 4515/77, registered before the S.R.O., Visakhapatnam, during the F.N. ended on 31-12-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 10-7-1978

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 10th July 1978

Acq. File Ref. No. 690.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9-14-30 situated at Siripuram, Waltair

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 24-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Dr. Narayan Dinkar Paranjpe, s/o Dinkar Baburao, Paranjpe, Medical Practitioner, Dr. No. 48-8-3, Dwarakanagar, Visakhapatnam-4.

(Transferor)

 1. Lalchand Chataram 2. Dilipkumar Chataram 3. Kishenchand Chataram 4. Ashok Kumar Chataram 5. Smt. Sita bai Chataram 6. Smt. Sheela Lalchand, Dr. No. 9-14-30, Siripuram, Visakhapatnam-3.

(Transferees)

Objectious, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The Schedule property as per registered document No. 462/77 registered before the S.R.O. Visakhapatnam, during the F.N. ended on 31-12-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 10-7-1978.

Stal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

#### SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 26th July 1978

Acq. File Ref. No. 709.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 155 & 130/1 situated at Vadlamanu Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nuvzid on 19-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Prathipati Visweswara Rao, Chief Engineer (Rtd. Dr. No. 5-9-22/92, Adarshnagar, Hyderabad-500 004. 2. Shri P. Ramachandra Rao, 3. Shri P. Venkata Subbarao, 4. Smt. C. E. Kalpavalli, w/o Shri Narayanarao, 5. Smt. D. Radba, w/o D.P.J. Vittal., GPA Holder Sri P. Visweswara Rao, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Garlapati Venkata Satya Guruandha Rao, 2. Shri G. Durga Venkata Prasada Rao, c/o. Prasad Sanitary Enterprises, Near Apsara Talkies, Eluru Road, Vijayawada-520 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

#### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 4328/77 registered before the Sub Registrar, Nuvzid, during the F.N. ended on 31-12-1977.

N. K. NAGARAJAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 26-7-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX.

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 9th August 1978

Ref. No. P.R. No. 598 Acq. 23-1120/7-4/78-79.---Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 637 situated at Station Road, Near Giriraj Cinema, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari in Dec. 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
   (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

14-226GI/78

- 1. Shri Rambhai Bhikhabhai Patel;
   2. Shri Paragbhai Rambhai Patel;
   4. P.A. Holder: Shri Rambhai Bhikhabhai Patel at Khadsupa,
   7. Navsari Dist. Valsad.
   (Transferor)
- (2) Gujarat Housing Corporation, Partners: 1. Jyotiben Girishbhai Desai, 2. Bankimchandra Bhikhubhai Desai; Both at: 14-B, Purna Housing Society, Goddod Road, Athwa Lines, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice
   in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing R.S. No. 637 situated at Station Road, near Giriraj Cinema, Navsari admeasuring 20691 sq. ft. as described in the sale deed registered under registration No. 1539 in the month of December, 1977 by the registering Officer Navsari.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 9-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMFIAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND 'FLOOR, HANDLOOM HOUSF; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 9th August 1978

Ref. No. P.R. No. 599 Acq. 23-1121/7-4/78-79.—Whereas, I. S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

R.S. No. 636 paiki 934.20 sq. mts. situated at Near Giriraj Apartments, Station Road, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 28-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Vanmalibhar Lallubhar Patel; Village Sarai, Tal. Navsari Dist. Valsad.

(Transferor)

<del>\_\_\_-</del>-----

1. Shri Govindbhai Ravjibhai Patel;
 2. Shri Maganbhai Ambabhai Patel;
 3. Shri Ramniklal Virjibhai Patel;
 4. Shri Bachubhai Kunverjibhai Patel;
 5. Shri Devsibhai Tapubhai Patel;
 All at Gandhinagar Society, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing R.S. No. 636 situated near Giriraj Apartment, Station Road, Navsari, admeasuring 934.20 sq. mts. as described in the sale deed registered under registration No. 3594 in the month of December, 1977 by the registering Officer, Navsari.

S. C. PARIKII,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 9-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 9th August 1978

\*Ref. No. P.R. No. 603 Acq. 23-1051/6-2/78-79.—Whereas, I, S, C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No 1008A, 1003/2,1006(P), 1003/2, 1003(P), 1004/1, 1001/1(P) 1002/1(P), 1003/A1 (P), 1069/2, 1030, 1008, & 1006 Acre 4 & 1181 sq. yds. Industrial Estate Road, Gorva, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on Dec. 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Hindustan Brown Boveries Ltd. P.B. No. 124, Maneja, 391710.

(Transferor)

(2) M/s Creative Corrugating Industries (P) Ltd. Industrial Estae Road, Gorva, Baroda-390003.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property being land together with the buildings and structures standing thereon, bearing S. No. 1008-A, 1003/2, 1006(P) 1003/2, 1003/P, 1004/1, 1001/1(P), 1002/1(P), 1003/1A(P), 1029/2, situated at Industrial Estate Road, Gorva, Baroda, admeasuring 4 Acre-1181 sq. yds. (1,84,469 sq. ft.) as described in the sale-deed registered under registration No. 3750 in the mouth of December, 1977 of the registering Officer, Baroda.

S. C. PARIKU,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 9-8-1978

#### FORM ITNS ----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 9th August 1978

Ref. No. P.R. No. 604 Acq. 23-1052/6-2/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 276/1 (Paiki) No. 71.72 admeasuring 15246 sq. ft. situated at Babajipura, Siddhnath Road, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Buroda on Dec. 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in persuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ichhaben Manilal Shah; Vadu, Tal. Padra, Dist. Baroda,

Chandanben Nagkumar Makati; Bhupendrakumar Nagkumar Makati; Pushpaben Nagkumar Makati, Hathi Pole, Baroda.

(Transferor)

(2) Amardeep Apartments Coop, Housing Society; Opp. Jay Ratna Bldg. Siddhnath Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 276/1 (Paiki) No. 71-72, situated at Babanpara Ward Siddhnath Road, Baroda admeasuring (642.7 + 1051-6 sq. yds. (15246 sq. ft.) as described in the sale deed registered under registration No. 3753 in the month of December, 1977 by registering Officer, Baroda.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 9-8-1978

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 9th August 1978

Rcf. No. P.R. No. 605 Acq. 23-1122/19-8/78-79,—Whereas, I, S. C. PARIKH;

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 6, Nondh No. 1927 situated at Mahidharpura, Jada Khadi, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 26-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hasmukhlal Ratilal Mehta; 'Shivam,' Plot No. 17, Juhu Scheme, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Naginbhai Vithalbhai Patal; Mahidharpura, Jada Khadi, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 6, Nondh No. 1927 situated at Mahidharpura, Jada Khadi, Surat admeasuring 120 sq. yds. as described in the sale deed registered under registration No. 3891 in the month of December, 1977 by the registering Officer, Surat.

S. C. PARIKII,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 9-8-1978

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 9th August 1978

Ref. No. P.R. No. 606 Acq. 23-1123/19-7/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Ward No. 11, Nondh No. 1892-B situated at Muglisara, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is

at Surat in Dec. 1977

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

 Arefabegam Wd/of Shaikh Nurruddin Miya and Daughter of Saiyed Kamaluddin Madni, Muglisara, Mubarak Manzil, Surat.

(Transferor)

(2) Shaikh Abdul Hálim Abdulgani, Baranpuri Bhagal, Kotsafil Road, Surat. (Now at Mubarak Manzil, Muglisara, Surat).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 11, Nondh No. 1892B situated at Mughsara Main Road, Surat admeasuring 196 sq. yds. as described in the safe-deed registered under registration No. 3190 in the month of December, 1977 by the registering Officer, Surat.

S. C. PARIKII.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 9-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 9th August 1978

Ref. No. P.R. No. 607 Acq. 23-1124/19-7/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 10, Nondh No. 1887 situated at Vasheswari Mata's Pole, Soni Falia, Surat.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat in Dec. 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth- tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) I Shii Ramanlal Manchhaiam Maifatia self and P. A. Holder of minor Rajiv Ramanlal, 2, Shii Shashank Ramanlal Marfatia; 3, Shri Sinil Raman<sup>1</sup>al Maifatia; Sangam Society, Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

(2) 1. Shri Dahyabhai Vithaldas; 2. Shri Harkishandas Vithaldas; 3. Shri Gangaram Vithaldas; 4 Shri Ishverlal Vithaldas; Inderpura, Badri Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 11, Nondh No. 1887 at Vasheswari Mata Pole, Soni Falia, Surat admeasuring 160 sq. yds. as described in the sale deed registered under registration No. 3191 in the month of December, 1977 by registering Officet, Surat.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 9-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

5080

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### . OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 26th July 1978

Ref. No. Sl. 449/TR-210/C-202/Cal 1/77-78.—Whereas, 1 I. V. S. Juneja

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1, situated at Bipon Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

5, Govt. Place North Calcutta on 16-12-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act- or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Sm. Monorama Khan and Sri Barun Kumar Khan, 26C, Ananda Khan Lane, Calcutta-5.

(Transferor)

(2) Fakhruddin Akborally Khasamwala, 6, Ripon Street Calcutta,

(Transferee)

(3) 1. Md. Giasuddin

2. Yaqub Miya 3. Anwar Hossain
4. P. Mondal
5. K. S. Mitra
6. M. Azarahy

7. E. A. Beeby

8. Grand Hotel

9. G. Singh Brigadier 10. Moti Jhangianani & Bros.

11. Shivji Velji Kothari.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later :
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/8th share in party one and two storeyed building and all other structures and out houses together with the land containing an area of 15 cottah 4 chittack and 8 sq. ft. at 1, Ripon Street, Calcutta registered under Deed No. I 5796 of 1977 with the Registrar of Assurances, Calcutta.

> J. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 26-7-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 26th July 1978

Ref. No. St. 450/TR-211/C-201/Cal-1/77-78. —Whereas, I I. V. S. Juneja

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1, situated at Ripon Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer 5, Govt. Place North, Calcutta on 16-12-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-15-226GI/78

(1) Sm. Monorama Khan and Sri Barun Kumar Khan, 26C, Ananda Khan Lane, Calcutta-5.

(Transferor)

(2) Najmuddin Fakhruddin Rangwala. 6, Ripon Street, Calcutta

(Transferee)

- (3) 1. Md. Giasuddin

  - 2. Yaqub Miya 3. Anwar Hossain

  - 4. P. Mondal
    5. K. S. Mitra
    6. M. Azani Ali
    7. E. A. Beeby
    8. Grand Hotel

  - 9. G. Singh Brigadier 10. Moti Jangianani & Bros.
  - 11. Shivji Velii Kothari.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/8th share in partly one and two storeyed building and all other structures and out houses together with the land containing an area of 15 coutah 4 chittack and 8 sq. ft. at 1, Ripon Street, Calcutta registered under Deed No. I-5797 of 1977 with the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 26-7-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, CAI CUTTA

Calcutta, the 26th July 1978

Ref. No. Sl. 451/TR-212/C-200/Cal-1/77-78.—Whereas, I I. V. S. JUNEJA,

abeing the Competent Authority under section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1, situated at Kipon Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North Calcutta on 16-12-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) Sm. Monorama Khan and Sri Barun Kurtar Khan, 26C, Ananda Khan Lane, Calcutta-5.

(Transferor)

(2) Saifuddin Akborally Khasamwala, Ripon Street, Calcutta.

(Transferee)

(3) 1, Md. Grasuddin

Yaqub Miya
 Anwar Hossain

4. P. Mondal
5. K. S. Mitra
6. M. Azam Alı
7. E. A. Berby
8. Grand Hotel

9, G, Singh Brigadier

10. Moti Jhangianani & Bros. 11. Shivji Velji Kothari.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/8th share in partly one and two storeyed building and all other structures and out houses together with the land containing an area of 15 cottah 4 chittack and 8 sq. tt. at 1, Ripon Street, Calcutta registered under Deed No. I-5798 of 1977 with the Registrar of Assurances Calcutta.

> I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 26-7-78

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 26th July 1978

Ref. No. Sl. 452/TR-213/C-199/Cal-1/77-78.--Whereas, I I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 1. situated at Ripon Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North Calcutta on 16-12 77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sm. Monorama Khan and Sri Barun Kumar Khan, 26C, Ananda Khan Lane, Calcutta-5.

(Transferor)

(2) Enayat Shamsuddin, Ripon Street, Calcutta.

(Transferee)

(3) 1. Md. Giasudain

Yaqub Miya
 Anwar Hossain

4. P. Mondal 5. K. S. Mitra

6. Mr M. Azan Ali 7. E. A. Beeby

8. Grand Hotel

9. G. Singh Brigadier

10. Moti Jhangianani & Bros.

Shivaji Velji Kthari.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/8th share in partly one and two stcreyed building and all other structures and out houses together with the land containing an area of 15 cottah 4 chittack and 8 sq. 1t. at 1, Ripon Street, Calcutta registered under Deed No. I-5797 of 1977 with the Registrar of Assurances. Calcutta.

> I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I 54, Rate Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 26-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th August 1978

Ref. No. AC-22/R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I. I. V. S. IUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 63, G.T. Road, situated at Asansole (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Asansole on 8-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Bireswar Baneriee

(Transferor)

Narendra Kr. Burman,
 Binode Kr. Burman &
 Nanda Kr. Burman (minor)

(Transferees)

(3) Techno Commercial, Roy Co. Stores,B. K. Sports & K. R. Ghose

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 1 cottah 9 chittaks and land building thereon at 63, G.T. Road, Asansole more particularly as described in deed No. 6572, dated 8-12-1977.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 8-8-1978.

(1) Bireswar Banerice

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(3) Techno Commercial, Milan Stores, Ahmad Jamal &

Md. Ismail Anwar.

(2) Ram Kumar Burman.

(Person in occupation of the property)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th August 1978

Ref. No. AC-23/R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, I, V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 62, G.T. Road, situated at Asansole

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Asansole on 6-12-1977

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2 cottahs 7 chittaks and building thereon at 62, G.T. Road, Asansole more particularly as described in deed No. 6578 dated 6-12-1977.

I. V. S. JUNEJA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 8-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CAI CUTTA

Calcutta, the 8th August 1978

Ref. No. AC-24/Acq.R-IV//Cal/78-79.—Whereas, J. I. V. S JUNFJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 61, G.T. Road, situated at Asansole (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Asansole on 7-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following, persons, namely:

(1) Bireswar Banerjee

(Transferor)

(2) Bimal Kr. Burman.

(Transferce)

(3) Techno Commercial,
 Asghar Decorators,
 Quinck Tailors,
 B. S. Atwal Sobban Tailors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 1 cottah 4 chittaks and building thereon at 61, G.T. Road, Asansole more particularly as described in deed No. 6540 dated 7-12-1977.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 8-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 7th August 1978

Ref. No. AC-11/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6, situated at Hastings Park Rd, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 27-12-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ashoka Marketing Ltd. PiN.B. House, 5, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

(2) M/s. Radha Ktishna Chhaochharia Charity Trust. 6C, Short Street, Calcutta-16.

(Transferee)

(3) The Oceanic Shipping Agency (P) Ltd., 13, Brabourne Rd. Calcutta-1. (Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that entire flat No. 8F, permanently named as 'Rajshree' situated and lying at and comprised in and being portion of premises No. 6, Hastings Park Road, Calcutta, along with one car parking space.

R. V. LALMAWIA.

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range.-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcuta-16,

Date: 7-8-1978.

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 11th August 1978

Ref. No. Ac-12/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA

being the Competent Authority under Secion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15/1, situated at Mahesh Dutta Lane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alipore Sadar, 24-Pgs. on 8-12-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Amarendra Roy, Joynagore, Durgapur, P. S. Jayanagar, 24--Parganas.

(Trausferor)

- (2) 1. Shri Tarak Ch. Dutta of 2, Rash Behari Avenue, Calcutta-26 &
  - Sri Ramesh Ch. Paul of 6/A, Rash Behart Avenue, Calcutta-26.
     (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 4-cottahs being premises No. 15/1, Mahesh Dutta Lane, P. S. Alipore.

R. V. LALMAWIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date 17-8-1978.

Seel :

(1) Sm. Sova Rani Bhattacharjee.

may be made in writing to the undersigned--

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Radha Kishore Sinha.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 17th August 1978

Ref. No. AC-26/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 15/A situated at Prince Anwar Shah Road, Calcutta-45 (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 15-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

16-226GT/78

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land measuring 7 cottahs 6 chittaks 26 sft situated at 15/A, Princa Anwar Shah Road, Calcutta-45, more particularly as per deed No. 7909 dated 15-12-1977.

S. K. DASGUPTA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Calcuta-16.

Date: 17-8-1978.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR Kanpur, the 30th June 1978

Ref. No. 1773-A/Acq/B. Shahar/77-78/1990.—Whereas I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at BULANDSHAHAR on 22-12-1977

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Shanti Devi alias Shanta Devi W/o Har Saran, Smt. Sukha W/o Danveer daughters of Khazano, R/o Tatarpur, P.O. Baran, Distt. Fulandshahar.

(Transferor)

(2) Shrì Baljit Singh, Surjit Singh, Yashpal Singh, (minor) sons of Sukhpal Singh, Hasanveer Singh, Yashveer Singh, Karanveer Singh, Rishipal Singh and Ranu (minors) sons of Chandrapal Singh, R/o of Vill. Chapaira Keerat, Tch. Baran, Distt. Buland-shahar.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Agricultural Land measuring 9 Bigha 19 Biswa and 6 Biswansi situated at Tatarpur, Distt. Bulandshahar, transferred for an apparent consideration of Rs. 95,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 30-6-78

(1) Smt. Ramshree, Widow Dharampal Singh R/o Nauyana, P.O. Dwarikapur, Parg. Baran, Distt. Bulandshahar.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Shri Mahipal Singh S/o Raghbar Singh R/o Sikandarpur Pachwa, P.O. Khanalampur, Parg. & Teh. Kol, Distt. Aligarh.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th June 1978

Ref. No. Acq/1753-A/B. Shahar/77-78/1991.—Whereas I, R. P. BHARGÁVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 15-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Lidian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Agricultural Land measuring 17 Bigha 16 Biswa and 17 Biswansi situated at Vill. Nauana Distt. Bulandshahar, transferred for an apparent consideration of Rs. 50,000/-,

> R. P. BHARGAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 30-6-78

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st July 1978

Ref. No. Acq/1595-A/M. Nagar/77-78/2008.—Whereas I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana on 23-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Vijai Kumar Sangal, Ajai Kumar Sangal Sanjay Kumar Sangal, All sons of Salek Chand Sangal and Smt. Sushila Devi, widow Shri Salek Chand Sangal R/o Shamla, Gujratyan, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Shri Naresh Chand Bansal S/o Rum Swarup Sudhir Kumar Bansal and Ashok Kumar sons of Naresh Chand Bansal, R/o Banat, P.O. Khas, Parg. Shamli, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein. 23 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Land & Building situated at Delhi Road, Shamli, Distt. Muzasfarnagar, transferred for an apparent consideration of Rs. 50,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-7-78

Seat :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st July 1978

Ref. No. Acq/1649-A/Saharanpur/77-78/2006.—Whereas I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haridwar on 16-12-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Sarswati Devi, widow Balwant Singh, Krishan Kumar Singh, Narendra Kumar Singh sons of late Balwant Singh, R/o Landhora, Parg. Manglore, Teh. Roorkec, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Pt. Hari Ram S/o Pt. Laxmi Chand, Shrawan Kumar Sharma S/o Hari Ram, Pt. Deoki Nandan Sharma son of Laxmi Chand, R/o Pathakwada, Iwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Land & Building situated at Landhora House, Kushaghat, Haridwar, transferred for an apparent consideration of Rs. 50,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpiw

Date: 1-7-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st July 1978

Ref. No. Acq/1772-A/B. Shahar/77-78/2009.—Whereas I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 19-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vijay Pal Singh S/o Gulab Singh R/o Vill. Chaprawat, P.O. Khas, Parg. Agauta, Teh. & Distt. Bulandshahar...

(Transferor)

(2) Smt. Nawal Kaur wife of Jeet Singh, R/o Vill Chaprawat, P.O. Khas, Parg. Agauta, Teh. & Distt. Bulandshahar. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Agricultural Land measuring 33 Bighas and 8 Biswas situated at Chaprawat, Distt. Bulandshahar, transferred for an apparent consideration of Rs. 60,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-7-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th August 1978

Ref. No. Acq/1623-A/Budhana/77-78.—Whereas, I, L. N. GUPTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhana on 7-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chetu and Feru sons of Ghaseeta R/o Vill. Sherpur Luhara Present—Vill. Sabtoo, P.O. Sisauli, Distt, Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Shri Bhikka S/o Karimuddin, Umardin Samedin, Shabbir Hassan and Sagir sons of Ismail, R/o Vill. Sabtoo Par. Shikarpur Distt. Muzaffarnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Agricultural Land Measuring 19 Bigha 12 Biswa and 2 Biswansi situated in Vill. Sabtoo, Parg. Shikarpur, Distt. Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration of Rs. 50,400/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Dated: 10-8-78

(1) Shri B. Neelakantan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri K. Joseph Jacob.2. Shri K. Poulose Jacob.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD, FRNAKULAM,

Cochin-682016, the 10th July 1978

Ref. No. L.C. 208/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regstration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 19-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the <u>liability</u> of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

11.610 cents of land together with a building bearing Cochin Corporation No. XXXVI/410—vide schedule to Document No. 3305/1977.

P. O. GEORGE Comptent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Date: 10-7-1978

<del>----</del>--

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(1) Sri A. V. Menon.

(Transferor)

(2) (1) Poovath Ibrayi, (2) V. Kunjabdulla, (3) Kuttipurathkandy Abdul Rahiman and (4) Dr. K. K. Kader.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD, ERNAKULAM,

Cochin-682016, the 11th July 1978

Ref. No. L.C. 210/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Kasaba village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kozhikode on 30-12-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
17—226GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th right in Building No. 19/1119A as per schedule to Document No. 712/77 of Sub Registry, Kozhikode.

P. O. GEORGE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 11-7-1978

(1) Ummer Lebba Marakkar.

(Transferor)

(2) (i) Sulaiman, (ii) Abda, (iii) Muhammadunni.
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD, ERNAKULAM,

Cochin-682016, the 12th July 1978

Ref. No. L.C. 204/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nagalassery Panchayat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thrithala on 28-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

7.26 acres of agricultural land in Sy. Nos. 63/2, 62/2, 62/1, 62/2, 62/1, 2, 3; 63/2, and 46/7 of Nagalassery Panchayat in Palghat District.

P. O. GEORGE, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1978

(1) Smt. Pathummal Beevi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Gopi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD, ERNAKULAM,

Cochin-682016, the 12th July 1978

Ref. No. L.C. 206/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Attingal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Attingal on 28-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

20 cents of land with building in Attingal Municipality-vide Schedule to Document No. 3957 of 1977.

P. O. GEORGE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1978

(1) Smt. Pathummal Beevi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gopi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD, ERNAKULAM,

Cochin-682016, the 12th July 1978

Ref. No. L.C. 207/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Attingal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Attingal on 29-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

25 cents of land in Attingal Municipality vide schedule to Document No. 3962 of 1977.

> P. O. GEORGE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam

Date: 12-7-1978

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) A. Varadarajulu & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Rajan P. John & another.

(3) K. Atjuna Reddiar & 41 others.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD, ERNAKULAM,

Cochin-682016, the 19th July 1978

Ref. No. L.C. 214/78-79.—Whereas, I. P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Quilon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Outlon on 29-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Persons in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1.66 acres of land together with buttdings in Qulion vide Schedule to Document No. 3426/77.

P. O. GEORGE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 19-7-78.

(1) Sri V. Rajasekharan Nair.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sii George Thomas & others.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER.

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD, ERNAKULAM,

Cochin-682016, the 18th July 1978

Ref. No. L.C. 215/78-79.—Whereas, I. P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 16-12-1977

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

7 cents 167 Sq. links of land together with a four storeyed building in Ernakulam vide Schedule to Document No. 3281/77.

P. O. GEORGE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Frnakulam

Date: 18-7-1978

FORM ITNS--- -

(1) (1) Smt. Usha Devi. (2) Smt. Bhargavi Anima.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Shti R. Chandrasekharan Nair. (2) Smt. Sarojini Amma.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD, ERNAKULAM,

Cochin-682016, the 18th July 1978

Ref. No. L.C. 216/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Sasthamangalam and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sasthamangalam on 15-12-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inocome-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

30 Cents of land with buildings in Sy. No. 228 A1/3 in Sasthamangalam, Trivandrum.

P. O. GEORGE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 18-7-1978

(Person in occupation of the property)

#### FORM ITNS.....

(1) Sri Radhakrıshna Reddiar.

(Twisferor)

(2) (1) Haji K. Ahamed Koya,(2) Rasheed Koya.

(3) Post Office.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE,

OF INCOME-TAX
MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD, ERNAKULAM,
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 18th July 1978

Ref. No. L.C. 217/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Alleppey

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Alleppey on 16-1-1978

5104

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

13 Cents 690 Sq. links of land with buildings in Sy. Nos. 573/34C/3, 573/36/3, 573/36/5 of Allengey Village.

P. O. GEORGE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Frnakulam

Date: 18-7-1978

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri A. Rajappan.

(Transferor)

(2) Shri Abubucker Koya.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 18th July 1978

Ref. No. I.S. 218/78-79.—Whereas, I. P. O. GEORGE, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Trivandrum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Chalai on 12-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

40 cents of land together with buildings in Trivendrum City—vide Schedule to Document No. 2760/77.

P. O. GEORGE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 18-7-1978

(1) Shri Ramadas

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Ganeema

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER of INCOMETAX. ACOUISITION RANGE.

MAREFNA BUILDINGS, M. G. ROAD, ERNAKULAM.
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 18th July 1978

Ref. No. L.C. 219/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Trivandrum (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chalai on 14-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (28 of 1957);

Nok therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the dates of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given 10 that Chapter.

#### THE SCHEDULE

25 cents of land with car shed in Trivandrum City-vide Schedule to Document No. 2778/77.

P. O. GEORGE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Dato: 18-7-1978

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 11th August 1978

Ref. No IAC/Acq.II/1318/78-79/2152.—Whereas I. KANWARJIT SINGH.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961. (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

597 to 599 Ward No. I situated at Hamiltan Road, Kashmere Gate, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on 6-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :-

(1) Shri Sheikh Mohd. Naseem s/o Late Sheikh Abdul Kareem r/o 2177 Ahata Kale Saheb, Kassamjar Street, Delhi.

(Transferor.

(2) Sardar Kirpal Singh s/o S. Beant Singh (2) Mahant Sewa Das s/o Sardar Mohan Singh r/o 12/65, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

3 storeyed building built on a plot of land measuring 285 sq. yds. bearing No. 597 to 599 ward No. 1 situated at Hamiltan Road, Kashmeti Gate, Delbi and bounded as

North: Other property South: Foot Path and Bazar

East: Gali West: Shop No. 596

Property No.: 597 to 599 Ward No. I, Hamiltan Road, Kashmere Gate, Delhi.

S/Shri

1. Pyera Lai, Advocate

Jaimal Singh s/o Shri Arjan Singh Dalip Singh s/o S. Arjan Singh

- Dal Chand Gupta s/o Shri Rama Nand Gupta Progressive Industries prop. Brij Mohan Kapur
- 6. M/S Kwality Auto Store
  7. Kirpal Enterprises
- Manohar Lal Kapur
   Jagdish Pd. Gupta
- 10. Gian Parkash11. Rishi Kumar Gupta
- 12. M/S Agarwal Auto Agency 13. M/S Delhi Auto Industries
- 14. S. Sher Singh and Gurdeo Singh 15. Shri Madan Mohan Kakar
- 16. Shri Som Nath Ghosh
- 17. Shri A. K. Bose
- Shri Ashi Tosh Mukherjee
- 19. Delhi Motor Cycle Co.

20 Auto Distributors

KANWARJIT SINGIL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 11-8-1978

Seal ·